खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-117

पाकिस्तान के लिए बन रहा फाइनल प्लान!

40 मिनट तक चली पीएम मोदी और रक्षा मंत्री की बैठक, एनएसए डोभाल भी थे मौजूद

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।
पहलगाम अटैक के बाद कश्मीर सीमा पर पाकिस्तान की तरफ से लगातार उकसावे वाली फायरिंग के बीच दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बीच एक अहम बैठक हुई है । करीब 40 मिनट तक चली इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल भी मौजूद थे। बड़ी बात यह है कि पीएम मोदी से मिलने से पहले रक्षा मंत्री पिछले दो दिनों में सीडीएस और तीनों सेनाओं के प्रमुखों से मुलाकात कर चुके हैं। माना जा रहा है कि रक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री को जम्मू कश्मीर के सुरक्षा हालात से अवगत कराया है।यह मुलाकात ऐसे समय में हुई, जब भारत 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में शामिल लोगों को सजा देने के विकल्पों पर विचार कर रहा है। इन हमलों में 26 लोग मारे गए थे। भारत ने इस भयावह हमले की 'सीमापार कड़ियों' का हवाला देते हुए कहा है कि हमलों में

शामिल लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।
बता दें कि इससे पहले रविवार को राजनाथ सिंह ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान से मुलाकात की थी और पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सैन्य तैयारियों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की थी।
22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में अलग-अलग राज्यों से घूमने गए 26 पर्यटक मारे गए थे। इसी के संबंध में सुरक्षा को लेकर दिल्ली के रक्षा मंत्री के आवास पर हुई बैठक लगभग 40 मिनट तक चली थी। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबल छिपे हुए आतंकियों को पकड़ने के लिए चप्पे-चप्पे की छानबीन कर रहे हैं और इसी क्रम में अबतक 10 आतंकियों के घरों को जमींदोज भी किया जा चुका है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान लगातार एलओसी पर युद्धविराम का उल्लंघन कर रहा है। हालांकि, भारतीय सेना की ओर से उसे इस तरह की गोलीबारी का कड़ा जवाब भी दिया जा रहा है।

दर्जनों ग्लोबल लीडर्स को कॉल, 100 डिप्लोमेट्स को ब्रीफिंग

भारत की पाकिस्तान पर हमले की तैयारी!

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत चुप नहीं बैठेगा और पाकिस्तान पर हमला जरूर करेगा। अमेरिकी अखबार के हवाले से यह दावा किया गया है। रिपोर्ट है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दर्जनों वर्ल्ड लीडर्स से बात की और कॉल का मकसद वैश्विक नेताओं को ये बताना था कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ क्या एक्शन लेने जा रहा है। रिपोर्ट का दावा है कि पहलगाम हमले के बाद दिल्ली में 100 मिशनों के डिप्लोमेट्स को भी भारतीय विदेश मंत्रालय ने ब्रीफिंग के लिए बुलाया था। पहलगाम में 26 बेगुनाहों की हत्या के इस वाकिए ने पूरे भारत में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है और सरकार को पाकिस्तान के खिलाफ कड़े एक्शन लेने पड़े हैं। रिपोर्ट के अनुसार पीएम मोदी ने वैश्विक नेताओं को इसलिए फोन नहीं किया कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच खतरनाक भिड़ंत ▶10पर

स्वीडन ने भारत को भेजा हथियारों का जखीरा

कार्ल-गुस्टाफ रॉकेट लॉन्चर ने पीओके में मचाई थी तबाही

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंडिया-पाकिस्तान तनाव के बीच स्वीडन से भारत को एंटी-आर्मर हथियारों की डिलीवरी हुई है। साल 2016 में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के लॉन्च-पैड्स तबाह करने के लिए जिस कार्ल-गुस्टाफ रॉकेट लॉन्चर का इस्तेमाल किया गया था, उसी के एडवांस वर्जन एटी-4 की डिलीवरी सेना को शुरू हो गई है। एटी-4 बनाने वाली स्वीडन की साब कंपनी ने खुद आधिकारिक बयान जारी कर ये घोषणा की है।

एटी-4 एक एंटी-आर्मर वेपन है, जिसका इस्तेमाल दुश्मन के बंकर तबाह करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सेना को सप्लाई करने के बाद साब कंपनी ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि हमें भारतीय सशस्त्र बलों को अपने एटी-4 एंटी-आर्मर हथियार प्रणाली की सफल डिलीवरी की घोषणा करते हुए गर्व है। कंपनी के मुताबिक, टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से चुने जाने के बाद, एटी-4 भारतीय शस्त्रागार में शामिल हो गया है, ▶10पर

भारत ने खरीदे परमाणु बम दागने में सक्षम 26 राफेल मरीन

राफेल में लगी स्काल्प मिसाइल 300 किमी तक मारने में सक्षम

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत ने अपनी नौसेना को और मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। नई दिल्ली में सोमवार (28 अप्रैल 2025) को भारत और फ्रांस के बीच 63 हजार करोड़ रुपए की मेगा डील साइन हुई, जिसमें भारत को 26 राफेल मरीन फाइटर जेट्स मिलेंगे। ये विमान न सिर्फ समुद्र में भारत की ताकत बढ़ाएँगे, बल्कि दुश्मन देशों जैसे पाकिस्तान और चीन के लिए भी एक सख्त संदेश होंगे। ये डील इसलिए भी खास है, क्योंकि ये फ्रांस के साथ भारत की अब तक की सबसे बड़ी हथियार डील है। राफेल मरीन विमानों को आईएनएस विक्रांत जैसे विमानवाहक पोत पर तैनात किया जाएगा, जो भारत को समुद्र में एक नई ताकत देगा। आइए इस डील को, राफेल मरीन की खासियतों को और इसके महत्व को आसान भाषा में समझते हैं। राफेल मरीन एक ऐसा फाइटर जेट है, जो समुद्र में भारत की ताकत को कई गुना बढ़ा देगा। ▶10पर

भारत के एक्शन से घबराई पाकिस्तानी सेना!

पीओके में आतंकियों से खाली कराए लॉन्च पैड, बंकरों में भेजे गए

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों को लॉन्च पैड से निकालकर आर्मी शेल्टर्स में शिफ्ट किया जा रहा है। पाकिस्तान की सेना ने आतंकियों से कहा है कि वे या तो आर्मी शेल्टर या फिर बंकरों में चले जाएं। पीओके स्थित सभी लॉन्च पैड को खाली करने को कहा गया है। सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों ने बताया कि, पीओके में स्थित लॉन्च पैड से गाइड के जरिए आतंकी जम्मू-कश्मीर की सीमा में दाखिल होते हैं।

हाल फिलहाल में भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने कुछ लॉन्च पैड की पहचान की थी, जिनमें से इन लॉन्च पैड से आतंकियों को शिफ्ट किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि केल, सारडी, दुधनियाल, अथमुकम, जुरा, लीपा, पछिबन, फॉरवर्ड कहुटा, कोटली, खुइरत्ता, मंधार, निकैल, चमनकोट और जानकोटे में कुछ लॉन्च पैड हैं, जहां हमेश आतंकी मौजूद होते हैं। ▶10पर

पाकिस्तान पर हुई 'डिजिटल स्ट्राइक'

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।
पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की पाकिस्तान पर कार्रवाई जारी है। भारत ने इसी कड़ी में पाकिस्तान पर 'डिजिटल स्ट्राइक' की है। मोदी सरकार ने अब पाकिस्तान

केंद्र सरकार ने 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल पर लगाया बैन

भारत से कमाई कर चलाते थे पाक फौज का प्रोपेगेंडा

के कई यूट्यूब चैनल का प्रसारण भारत में रोक दिया है। इन्हें दिखाने पर भारत में बैन लगा दिया गया है। यह काम गृह मंत्रालय की सिफारिश के बाद किया गया है।

भारत ने पाकिस्तान के 16 यूट्यूब चैनल को भारत में दिखाने पर रोक लगाई है। अब यह चैनल भारतीय दर्शक यूट्यूब पर एक्सेस नहीं कर सकेंगे। भारत ने डॉन न्यूज, जियो टीवी, एआरवाई न्यूज, समा टीवी, जीएनएन समेत 16 चैनल बंद कर दिए हैं। इनमें से कई न्यूज चैनल हैं और कई पत्रकारों के खुद के चैनल।

कुछ स्पोर्ट्स चैनल पर भी भारत ने यह पाबंदी लगाई है। इन सबके कुल मिलाकर 63 करोड़ से अधिक सब्सक्राइबर हैं। इनके दर्शकों में एक बड़ा हिस्सा भारतीय है और इससे यह मोटी कमाई करते हैं। कुछ चैनल्स की 50% से अधिक व्यूअरशिप भारत से आती है।

इसके बावजूद यह चैनल लगातार पाकिस्तानी फ़ौज का प्रोपेगेंडा चलाते हैं। इन पर फर्जी खबरें भी लगातार प्रसारित होती हैं। यह भारतीय सेना के खिलाफ भी झूठी खबरें प्रसारित करते हैं। हालिया पहलगाम हमले को भी इन चैनलों ने झूठा करार देने का प्रयास किया था। कई मौकों पर इन चैनल के ऊपर भारतीय नेताओं को लेकर अभद्र टिप्पणियाँ भी की जाती हैं। हालाँकि, अब यह भारत में यूट्यूब पर दिखेंगे ही नहीं। ▶10पर

मोदी सरकार ने बीबीसी को लगाई कड़ी फटकार

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।
ब्रिटिश समाचार संस्थान बीबीसी को मोदी सरकार ने करारी लताड़ लगाई है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी बीबीसी लगातार प्रोपेगेंडा कर रहा था। वह इस्लामी आतंकियों को 'मुजाहिद' बता रहा था। उसे अब विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी है। बीबीसी की इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विदेश मंत्रालय की एक्सपी डिवीजन ने बीबीसी को पहलगाम हमले की रिपोर्टिंग को लेकर पत्र लिखा है। विदेश मंत्रालय ने यह पत्र भारत में बीबीसी के मुखिया जैकी मार्टिन को लिखा है। इसमें विदेश मंत्रालय ने पहलगाम हमले को लेकर भारतीयों की भावना को स्पष्ट कर दिया है। ▶10पर

पहलगाम हमले के बाद आतंकवादियों को बताया था 'मिलिटेंट'

कश्मीर को भी लेकर प्रोपेगेंडा करता रहा है ब्रिटिश मीडिया संस्थान

जम्मू कश्मीर विधानसभा ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की

जम्मू, 28 अप्रैल (ब्यूरो)।
पहलगाम हमले पर निंदा प्रस्ताव पारित करने के लिए आज बुलाए गए कश्मीर विधानसभा के विशेष सत्र में कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि इस सत्र में हम यह पैगाम देना चाहते हैं कि पूरी दुनिया आतंकवादी हमले के खिलाफ है। पहलगाम हमले ने इंसानों को झंझोड़ कर रख दिया। उन्होंने पहलगाम हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह हमला उन चुनौतियों को याद दिलाता है जिनका हम सब सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं सरकार से अनुरोध करता हूं कि वो पूरे देश सहित जम्मू कश्मीर के नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करे।

जम्मू कश्मीर विधानसभा ने एक स्वर में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। विशेष सत्र के दौरान निंदा प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे यकीन नहीं होता कि कुछ दिन पहले हम इस हाउस में थे। बजट और कई मुद्दों पर बहस हुई। अंतिम दिन हम चाय पी रहे थे और सोच रहे थे कि कश्मीर में अगला सत्र होगा। तब किसी ने नहीं सोचा था कि हमें यहां इस माहौल में मिलना पड़ेगा। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं उपराज्यपाल का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिन्होंने हमारी रिक्वेस्ट पर यह सत्र बुलाया। हमारे मंत्रिमंडल में जब इस हमले के बाद बैठक बुलाई इस समय तय हुआ कि हम उपराज्यपाल से गुजारिश करेंगे कि वह एक दिन का सेशन बुलाए। यह सेशन इसलिए बुलाया गया क्योंकि न संसद और न ही किसी और राज्य की असेंबली उन लोगों के दुख दर्द को उतना समझती है जितना यह जम्मू कश्मीर की असेंबली। ▶10पर

यूरोप के कई देशों में हुई बत्ती गुल...

फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल और बेल्जियम में ब्लैकआउट

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।
यूरोप के कई देशों में ब्लैकआउट हो गया है। फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल और बेल्जियम में बिजली सप्लाई ठप हो गई। खबर ये भी है कि बिजली कटने से हवाई और मेट्रो सेवा पर असर पड़ा है। इससे जनता को काफी परेशानी हो रही है। बिजली क्यों कटी, फिलहाल इसकी वजह की जांच की जा रही है। लेकिन साथ ही ये माना जा रहा है कि ये एक साइबर हमला भी हो सकता है।स्पेन के नेशनल ग्रिड ऑपरेटर 'रेड एलेक्ट्रिका' ने बयान जारी कर बताया कि पूरे देश में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए सेक्टर कंपनियों के साथ मिलकर कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अलावा पुर्तगाल के ग्रिड ऑपरेटर 'ई-रेडेस' ने ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 36°
न्यूनतम : 26°

कनाड़ा में संसदीय चुनाव, मुख्य मुकाबला कंजर्वेटिव और लिबरल के बीच

ओटावा,28 अप्रैल (एजेंसियां)।

कनाडा में हो रहे संसदीय चुनाव में मुख्य मुकाबला प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी और पियरे पोइलिव्रे की कंजर्वेटिंव पार्टी के बीच है। देश के मतदाता तय करेंगे सरकार का नेतृत्व मार्क करेंगे ये पियरे। चुनाव में मुख्य मुद्दा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कनाडा पर टैरिफ हमला है।

कनाडा की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति में है। इस पर ट्रंप के टैरिफ का बड़ा असर पड़ रहा है। कुछ मतदाता लिबरल पार्टी को इसके लिए दंडित करना चाहते हैं। लिबरल पार्टी पिछले एक दशक से सत्ता में है। कंजर्वेटिव पार्टी ने बदलाव, छोटी सरकार, कर कटौती और विनियमन में ढील का वादा किया है। बावजूद इसके लिबरल पार्टी को दोबारा वापसी की उम्मीद है। अधिकांश पोल पूर्वी समयानुसार रात 9:30 बजे बंद हो जाएंगे।

अन्य मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उम्मीदवारों ने रविवार को जनता से वोट मांगने के लिए अपना अंतिम प्रयास किया, लेकिन प्रचार के अंतिम घंटों में वैंकूवर में एक घातक कार-हमले से हड़कंप मच गया। इस हमले ने थोड़े समय के लिए देश का ध्यान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हटा दिया।

इस बार खास बात यह है कि पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो चुनाव से दूर हैं

60 वर्षीय कार्नी को मार्च की शुरुआत में लिबरल पार्टी का नेता चुना गया।उन्होंने जस्टिन ट्रूडो की जगह ली। राजनीति में वो नए हैं लेकिन इससे पहले कनाडा और इंग्लैंड के दो बैंकों के प्रमुख रहे हैं। उनके पक्ष में बड़ी बात यह जाती है कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ बागी रुख अपनाया है। 45 वर्षीय पियरे पोइलिव्रे लगभग दो दशक से कनाडा की राजनीति में हैं। वह अपनी टकरावपूर्ण शैली के लिए जाने जाते हैं।

इन दो पार्टियों के अलावा ब्लॉक क्यूबेकॉइस और न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी भी मैदान में हैं, लेकिन दोनों ही सरकार बनाने की दौड़ में नहीं है। ब्लॉक क्यूबेकॉइस स्थानीय और क्यूबेक राष्ट्रवादी पार्टी है। यह केवल इस फ्रांसीसी भाषी प्रांत क्यूबेक में उम्मीदवारों को खड़ा करती है। इसके नेता यवेस-फ्रांस्वा ब्लैंचेट 2019 से पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। 46 वर्षीय जगमीत सिंह न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हैं। यह वामपंथी झुकाव वाली पार्टी है।

न्यूज ब्रीफ

जेल में बंद नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री लामिछाने की मुसीबत बढ़ी, एक और घोटाला, मुकदमा दर्ज

काठमांडू। जेल में बंद नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की मुसीबत और बढ़ गई है। इस बीच उनके खिलाफ एक और को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला सामने आया है। इस पर सोमवार को मुकदमा दायर हुआ है। बीरगंज के पाइला को-ऑपरेटिव बैंक में 112 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाला सामने आने के बाद सरकार के तरफ से पर्सा जिला अदालत में रवि लामिछाने सहित 30 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। बीरगंज के सिटी एसपी गौतम मिश्र ने कहा कि घोटाला को लेकर जिला अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। इसमें पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने सहित कुल 30 लोगों को प्रतिवादी बनाया गया है। एसपी मिश्र ने बताया कि इस चार्जशीट में को-ऑपरेटिव बैंक में कुल 112.65 करोड़ रुपये की अनियमितता का प्रमाण दिया गया है। रवि लामिछाने पर पहले से ही चार अलग-अलग जिलों के को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला का मुकदमा चल रहा है। उनके खिलाफ यह पांचवां केस दर्ज हुआ है। रवि लामिछाने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है।

पहली बार माना: रूस के लिए उत्तर कोरिया की सेना उतरी मैदान में

कीव। उत्तर कोरिया ने पहली बार कबूल किया कि किम जोंग-उन के आदेश पर उसके सैनिक रूस के कुर्स्क ओब्लास्त में लड़ रहे हैं। यह खुलासा तब हुआ, जब वेटिकन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की गुप्त मुलाकात ने दुनिया को चौंका दिया। ट्रंप ने रूस से हमले रोकने की मांग की है। वहीं रूस है कि वह ट्रंप की एक नहीं सुन रहा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेना लगातार यूक्रेन पर हमला कर रही है। उत्तर कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी ने खुलासा किया कि किम जोंग-उन ने 2024 में रूस के साथ हुए रणनीतिक समझौते के तहत सैनिक भेजे। किम ने अपने सैनिकों को 'मातृभूमि का गौरव' बताया और रूस के साथ गठजोड़ को 'शानदार' कहा। यूक्रेन का अनुमान है कि 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिक रूस के लिए लड़ रहे हैं। रूस ने भी 26 अप्रैल को पुष्टि की कि किम के सैनिक कुर्स्क में उसका साथ दे रहे हैं। 26 अप्रैल को वेटिकन के सेंट पीटर बेसिलिका में ट्रंप और जेलेंस्की की अनपेक्षित मुलाकात ने सबको हैरान किया। इससे पहले व्हाइट हाउस में दोनों के बीच तीखी बहस हुई थी। ट्रंप ने कहा, जेलेंस्की अब शांत हैं। मुझे लगता है वह डील चाहते हैं। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर निशाना साधते हुए कहा, पुतिन को गोलीबारी रोकनी होगी और डील साइन करनी होगी। जिंदगी फिर सामान्य हो। लेकिन ट्रंप का दावा कि जेलेंस्की क्रीमिया रूस को सौंपने को तैयार हैं, जेलेंस्की ने सिरे से खारिज कर दिया।अगस्त 2024 में यूक्रेन ने कुर्स्क पर हमला कर रूस को हिला दिया था। लेकिन मार्च 2025 में रूस ने जवाबी हमला शुरू किया और सुड्झा जैसे कई इलाके छीन लिए। अब यूक्रेन केवल कुछ सीमावर्ती गांवों तक सिमट गया है। जेलेंस्की का कहना है, हमारी सेना कुर्स्क में लड़ रही है।' लेकिन रूस का दावा है कि यूक्रेनी सैनिक जल्द खत्म हो जाएंगे।

ईरान के बंदरगाह में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या 40 हुई

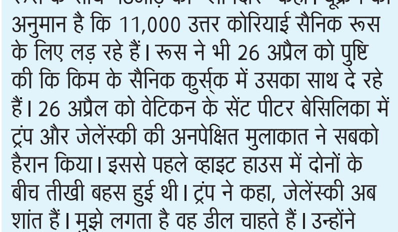

तेहरान। ईरान के बंदर अब्बास पोर्ट पर शनिवार को हुए भीषण विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है, जबकि 1200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यह हादसा शाहिद राजाई पोर्ट के सिना कंटेनर यार्ड में हुआ, जहां ऑयल और अन्य पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स का स्टोरेज किया जाता था। बताया जा रहा है कि शुरुआती जांच में सामने आया था कि ज्वलनशील पदार्थों के स्टोरेज में गंभीर लापरवाही के चलते ही यह विस्फोट हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाके के बाद इलाके में आग तेजी से फैली थी, जिससे आस-पास खड़े सैकड़ों कंटेनर क्षतिग्रस्त हो गए। कई किलोमीटर दूर तक धमाके की आवाज सुनी गई थी और काले बांदलों में तब्दील होता धुंआ देखा गया था। विशेषज्ञों की मानें तो ईरान पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण उसे आधुनिक सुरक्षा उपकरण और रखरखाव की तकनीक हासिल नहीं हो पाई है, जिस कारण ऐसी इंडस्ट्रियल दुर्घटनाओं की आशंका सदा से बनी रहती है। व्यापारिक केंद्र है शाहिद राजाई पोर्ट ईरान का शाहिद राजाई पोर्ट एक प्रमुख समुद्री व्यापारिक केंद्र है, जो राजधानी तेहरान से लगभग 1000 किमी दूर स्थित है।

भारत के हुक्का-पानी बंद करने से बिलबिलाया पाकिस्तान आका की शरण में, चीन बोला-डटे रहो

इस्लामाबाद,28 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला पाकिस्तान के लिए गले की फांस बन गया है। न उससे उगलते बन रहा और न ही निगलते। इस हमले के बाद भारत के दंडात्मक कूटनीतिक उपायों की घोषणा से वह बिलबिला गया है। हालांकि मुल्क की अवाम को खुश करने के लिए उसने भी कुछ जवाबी कदम उठाए हैं। पहलगाम हमले के ठीक दूसरे दिन भारत के सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा से वह भविष्य में होने वाले जल संकट से पसीना-पसीना है। संघीय सरकार ने रविवार को दिनभर चीन समेत कई देशों से गुहार लगाता रहा। चीन को इस समय उसका सबसे बड़ा हमदर्द माना जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, मुल्क के राजनीतिक नेतृत्व ने पहलगाम हमले के मद्देनजर भारत की भड़काऊ कार्रवाई और झूठे आरोपों को छिपाने के प्रयासों को उजागर करने के लिए सप्ताहांत में कई देशों के साथ बातचीत जारी रखी। चीन, ब्रिटेन और ईरान के नेताओं के साथ अलग-अलग बातचीत में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उप प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री इशाक डार ने नई दिल्ली के उठाए गए एकतरफा कदमों की ओर ध्यान आकर्षित किया। शहबाज और डार ने इस दौरान सिंधु जल संधि का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

डार ने ब्रिटेन और चीन के अपने समकक्षों से बात कर दखल देने की गुहार लगाई। चीन के विदेश मंत्री और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य वांग यी ने डार से कहा कि बीजिंग पाकिस्तान और भारत के बीच पनप रहे हालात पर बारीकी से नजर रख रहा है। बीजिंग, पाकिस्तान की चिंता को समझता है। वह पाकिस्तान के साथ है।

ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के माध्यम से स्थिति को कम करने के महत्व पर जोर दिया। इससे पहले शहबाज शरीफ ने शनिवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से दखल देने की गुहार लगाई थी। शहबाज ने सिंधु जल संधि का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।शहबाज शरीफ ने रविवार को जति उमरा में अपने बड़े भाई पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ से मुलाकात कर पहलगाम हमले और उसके बाद की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

अफगानिस्तान की सीमा पर पाक सैनिकों ने 54 विद्रोहियों को मार गिराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान बॉर्डर पर उत्तरी वजीरिस्तान में घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए 54 आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने इसे आतंकवाद के खिलाफ अभियान में अब तक की सबसे बड़ी मुठभेड़ बताया, जिसमें एक ही ऑपरेशन में इतनी बड़ी संख्या में आतंकवादी ढेर किए गए। यह ऑपरेशन ऐसे समय में हुआ है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। उसी दौरान, अफगानिस्तान के तालिबान विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी ने काबुल में भारत के विशेष दूत आनंद प्रकाश से मुलाकात की, जिसमें भारत के साथ आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने की बात कही गई। यह मुलाकात पाकिस्तान के लिए कूटनीतिक झटके के रूप में देखी जा रही है, क्योंकि तालिबान और पाकिस्तान के बीच टीटीपी और सीमा संघर्ष को लेकर तनाव बढ़ रहा है। पाकिस्तान ने लंबे समय से अफगानिस्तान पर टीटीपी को शरण देने का आरोप लगाया है, जिसे काबुल ने खारिज किया है। आईएसपीआर के अनुसार, 25, 26 और 27 अप्रैल की रात को सुरक्षा बलों को हसन खेल क्षेत्र में सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों की गतिविधियों का पता चला। सैनिकों ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए घुसपैठ को विफल कर दिया। सेना ने कहा, हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों के प्रयास को प्रभावी ढंग से नाकाम किया। सटीक मुठभेड़ के दौरान सभी 54 'खवारिज' को जहन्नुम रसीद कर दिया गया। 'ख़वारिज' शब्द का इस्तेमाल पाकिस्तान सरकार तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए करती है। मुठभेड़ के दौरान मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, और विस्फोटक बरामद किए गए।

डोनाल्ड ट्रंप चाहते हैं पुतिन-जेलेंस्की दो सप्ताह में करें शांति समझौता

वाशिंगटन,28 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की दो सप्ताह के भीतर शांति समझौता करें। हालांकि उन्होंने बाद में कहा कि समझौते के लिए थोड़ा और समय स्वीकार्य हो सकता है। ट्रंप ने इससे पहले 26 अप्रैल को वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार के अवसर पर यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की थी।

ट्रंप ने वाशिंगटन लौटने से पहले न्यू जर्सी के मॉरिसटाउन म्यूनिसिपल एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से बातचीत में यह इच्छा जताई। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की के साथ उनकी मुलाकात अच्छी रही। अब देखना यह है कि अगले कुछ दिनों में क्या होता है। उन्होंने कहा कि वह इस बात से बेहद निराश हैं कि रूस ने यूक्रेन में मिसाइल और ड्रोन हमले जारी रखे हैं। यह तब है, जब उन्होंने पुतिन से बातचीत जारी रहने के दौरान हमलों को रोकने का अनुरोध किया था। ट्रंप से पूछा गया कि जेलेंस्की ने किस बारे में बात की। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की ने और हथियारों की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुतिन को गोलीबारी बंद कर समझौते पर हस्ताक्षर करना चाहिए। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हालांकि यूक्रेन के लिए क्रीमिया में अपने क्षेत्र को पुनः प्राप्त करना जटिल होगा। इस पर रूस का 2014 से कब्जा है। उन्होंने इसके लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को रूस को इस क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति देने के लिए दोषी ठहराया। इससे पहले रविवार को विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि ट्रंप की जेलेंस्की से मुलाकात के बाद रूस और यूक्रेन समझौते के करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अब अमेरिका को यह सोचना होगा कि क्या वह मध्यस्थता करने के लिए आगे आए। रुबियो ने मीट द प्रेस के दौरान कहा कि उन्हें लगता है कि पिछले तीन सालों की तुलना में रूस और यूक्रेन आम तौर पर समझौते के करीब पहुंच गए हैं।

संयुक्त सैन्य अभ्यास करते हुए फिलीपीनी और अमेरिकी सैनिक

फिलीपींस में संयुक्त सैन्य अभ्यास करते हुए फिलीपीनी और अमेरिकी सैनिक।

खालिस्तान समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू पाकिस्तान के मीडिया में भारत के खिलाफ उगल रहा जहर

इस्लामाबाद,28 अप्रैल (एजेंसियां)।

खालिस्तान समर्थक और सिख फॉर जस्टिस संगठन का संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पाकिस्तान के मीडिया में भारत के खिलाफ फिर जहर उगला है। वाशिंगटन में पंजीकृत सिख फॉर जस्टिस को भारत सरकार पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुकी है। ऐसा पहली बार नहीं है कि उसने भारत के खिलाफ विष वमन किया हो। पन्नू का विष वमन भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उपजे हालात के बीच आया है। पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ भी जहर उगला है। उसने इंटरव्यू में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और कश्मीर में चल रहे संघर्ष जैसे मुद्दों पर बात की है। उसने खुलकर कहा कि वह पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त कर रहा है। उसने कहा कि वह पाकिस्तान के पंजाब में भारत की सेना के प्रवेश करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ता से विरोध करेगा। पन्नू ने टिप्पणी की कि उसकी संयुक्त राज्य अमेरिका में हत्या कराने की कोशिश की गई। खालिस्तान समर्थक पन्नू ने कहा कि कश्मीर के लोगों को दुनिया भर में भारतीय दूतावासों के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहिए। गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इंटरव्यू में क्लिंटन की भारत यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान भारत में सिखों का नरसंहार करवाया गया।उसने कहा कि पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर भारत के खिलाफ मोर्चा खोलना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पेशे से वकील पन्नू का परिवार पहले भारत के पंजाब के नाथू चक गांव में रहता था। बाद में परिवार अमृतसर के पास खानकोट में बस गया। पन्नू के पिता महिंदर सिंह पंजाब मार्केटिंग बोर्ड के सचिव रह चुके हैं। पन्नू के एक भाई और एक बहन हैं। 1990 के दशक में पन्नू ने पंजाब यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की। साल 1991-92 वे पन्नू अमेरिका चला गया। वहां एमबीए किया और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री ली। साल 2007 में पन्नू ने सिख फॉर जस्टिस की स्थापना की।संगठन का पंजीकृत कार्यालय अमेरिका के वॉशिंगटन में है। पन्नू न्यूयॉर्क के ऑफिस से काम करता है।

युद्ध से पहले ही दो फाड़ हुई पाकिस्तानी सेना, 600 अफसरों ने छोड़ा मुनीर का साथ

इस्लामाबाद,28 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की आहट से पाकिस्तानी सेना जमींदोज होने लगी है। यहां की सेना दो फाड़ हो गई और 600 से ज्यादा अफसरों ने सेना प्रमुख मुनीर का साथ छोड़ दिया है। भारत-पाक सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही 11वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उमर अहमद बुखारी ने सेना मुख्यालय को पत्र लिखकर इस स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। हालांकि इस तरह की खबरों की अधिकृत तौर पर कोई पुष्टि नहीं हुई है।

लेफ्टिनेंट जनरल बुखारी ने इस गंभीर स्थिति से सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को अवगत कराया। जवाब में सेना मुख्यालय ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि इस संकट के समय इस्तीफे स्वीकार नहीं किए जाएंगे, क्योंकि यह सैन्य नियमों का उल्लंघन है। इस्तीफा देने वाले अधिकारियों और सैनिकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। हालांकि, मुख्यालय ने इस्तीफों की सटीक संख्या सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया है, जिससे स्थिति की गंभीरता पर और सवाल उठ रहे हैं। यह संकट पाकिस्तानी सेना में गहरे असंतोष, कमजोर नेतृत्व और सैन्य मनोबल में कमी को उजागर करता है। पिछले सप्ताह भारत-पाक तनाव के बीच पाकिस्तानी सेना मुख्यालय ने क्वेटा और बलूचिस्तान में तैनात 12वीं कोर सहित अन्य कोर के सैन्य अधिकारियों और सैनिकों को 11वीं कोर में तुरंत रिपोर्ट करने का आदेश जारी किया था।

11वीं कोर, जिसके कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उमर अहमद बुखारी हैं, भारत-पाक सीमा की सुरक्षा के लिए प्राथमिक जिम्मेदार है। बुखारी 2024 से इस कोर का नेतृत्व कर रहे हैं।26 अप्रैल 2025 को बुखारी ने अन्य कोर से आए सैनिकों की स्थिति की जांच की, तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। करीब 100 सैन्य अधिकारियों और 500 से ज्यादा निचले रैंक के सैनिकों ने अपने इस्तीफे सौंप दिए थे, जिसके चलते 11वीं कोर में सैन्य बल की भारी कमी हो गई। इस्तीफा देने वालों ने मुख्य कारणों में सैन्य कमांडरों के बार-बार बदलते आदेश, मानसिक थकान और परिवार पर बढ़ते दबाव को बताया। इस संकट का असर सीधे भारत-पाक सीमा पर दिख रहा है, जहां पैदल सेना रेजिमेंट, उत्तरी क्षेत्र की पर्वतीय बटालियन, और फ्रंट लाइन पर तैनात तोपखाना रेजिमेंट में सैनिकों की संख्या में भारी कमी आई है।

गर्दन रेतने का इशारा करने वाले डिप्लोमैट तैमूर के खिलाफ जांच शुरू

लंदन। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ लंदन में भारतीय मूल के लोगों ने प्रदर्शन किया था। सबसे शर्मनाक हरकत की पाकिस्तानी डिप्लोमैट कर्नल तैमूर ने। लंदन के पाकिस्तान हाई कमीशन की बालकनी पर खड़े होकर उन्होंने भारतीय प्रदर्शनकारियों की तरफ गला रेतने का इशारा किया। हाथ में विंग कमांडर अभिनंदन वर्द्धमान की तस्वीर पकड़कर 'चाय शानदार थी' जैसे घटिया तंज कसते हुए वे मुस्कराते रहे। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और अब मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। भारतीय समुदाय के लोगों का गुस्सा जायज था। वे सिर्फ उस आतंकवादी हमले के खिलाफ आवाज उठा रहे थे जिसमें निर्दोष भारतीय मारे गए। हाथों में आई एम हिंदू जैसे पोस्टर लेकर वे शांति से प्रदर्शन कर रहे थे। लेकिन पाकिस्तान हाई कमीशन ने वहां बड़े-बड़े स्पीकर लगवाए, गाने बजवाए और अश्लील नारेबाजी कराई ताकि भारतीयों की आवाज को दबाया जा सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक जब भारतीयों ने विरोध जताया तो पुलिस ने उन्हीं पर सख्ती कर दी। एक गुजराती युवक को तो यूं दबोच लिया जैसे वह कोई अपराधी हो। 15 पुलिस वाले उसे दौड़ाकर पकड़ने में लग गए, जबकि असली उकसावेबाज पाकिस्तान समर्थकों को खुली छूट दी गई।

काजी, शरिया अदालत भारतीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को दोहराया कि 'काजी अदालत', 'दारुल कजा', 'शरिया अदालत' या इसी तरह के किसी भी निकाय को भारतीय कानून के तहत मान्यता प्राप्त नहीं है और उनके फैसले कानूनी रूप से लागू नहीं होते हैं।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और अहसनुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने विश्व लोचन मदन बनाम भारत संघ में 2014 की मिसाल का उल्लेख किया जिसमें यह स्पष्ट किया गया था कि शरीयत अदालतों और फतवों को कोई कानूनी मंजूरी नहीं है।

न्यायालय एक महिला द्वारा दायर अपील पर सुनवाई कर रहा था। याचिका में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा एक पारिवारिक न्यायालय के फैसले की पुष्टि को चुनौती दी गई थी जिसमें उसे भरण-पोषण देने से इनकार किया गया था। पारिवारिक न्यायालय ने अपने निष्कर्षों को आंशिक रूप से, 'काजी कोर्ट' के समक्ष प्रस्तुत किए गए समझौते पर आधारित किया था।

न्यायमूर्ति अमानुल्लाह ने टिप्पणी की , 'काजी की अदालत', 'दारुल कजा' या 'शरिया अदालत' के रूप में पहचाने जाने वाले निकायों का, चाहे उनका लेबल कुछ भी हो, कोई कानूनी दर्जा नहीं है। जैसा कि विश्व लोचन मदन में पहले कहा गया था, उनके द्वारा जारी कोई भी आदेश या निर्देश बाध्यकारी नहीं है न ही इसे बलपूर्वक लागू किया जा सकता है। ऐसे निर्णय केवल तभी प्रासंगिक हो सकते हैं जब पक्षकार स्वेच्छा से उन्हें स्वीकार करें और तब भी केवल तब तक जब तक कि वे किसी मौजूदा कानून का उल्लंघन न करें।'

इस मामले में अपीलकर्ता-पत्नी और प्रतिवादी-पति दोनों ने इस्लामी रीति-रिवाजों का पालन करते हुए 24 सितंबर, 2002 को अपना दूसरा विवाह किया। 2005 में पति ने भोपाल में 'काजी की अदालत' के समक्ष तलाक की कार्रवाई शुरू की जिसे 22 नवंबर, 2005 को समझौता होने के बाद खारिज कर दिया गया।

वर्ष 2008 में हालांकि पति ने फिर से 'दारुल कजा' के समक्ष तलाक के लिए अर्जी दी।

लगभग उसी समय पत्नी ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत भरण-पोषण की मांग करते हुए पारिवारिक न्यायालय का दरवाजा खटखटाया। बाद में 2009 में पति ने 'दारुल कजा' द्वारा दिए गए तलाक के बाद तलाकनामा औपचारिक रूप से तैयार कर लिया।

पारिवारिक न्यायालय ने पत्नी की भरण-पोषण याचिका को खारिज कर दिया। यह निष्कर्ष निकालते हुए कि वह स्वयं वैवाहिक विवाद और उसके बाद के अलगाव का कारण थी और पति ने उसे नहीं छोड़ा था। न्यायालय ने यह भी तर्क दिया कि चूंकि यह दोनों पक्षों के लिए दूसरी शादी थी इसलिए दहेज की मांग की कोई संभावना नहीं थी।

शीर्ष न्यायालय ने इस तर्क को दृढ़ता से अस्वीकार करते हुए कहा: 'यह धारणा कि दूसरी शादी से दहेज की मांग का जोखिम अपने आप खत्म हो जाता है, काल्पनिक और कानूनी आधारहीन दोनों हैं। इस तरह के तर्क का न्यायिक निष्कर्षों में कोई स्थान नहीं है।'

शीर्ष न्यायालय ने पारिवारिक न्यायालय द्वारा समझौता विलेख पर भरोसा करने को भी खारिज कर दिया। न्यायालय ने पाया कि 2005 में दर्ज किए गए समझौते में अपीलकर्ता-पत्नी द्वारा गलती स्वीकार करने का कोई उल्लेख नहीं था। इसके बजाय यह केवल पक्षों के शांतिपूर्ण तरीके से साथ रहने के आपसी निर्णय को दर्शाता है।

शीर्ष न्यायालय ने पारिवारिक अदालत के फैसले को अस्थायी बताते हुए कहा, 'अपीलकर्ता के दावे को खारिज करना समझौते की गलत व्याख्या पर आधारित था और इसमें कोई ठोस आधार नहीं है।'

इसके परिणामस्वरूप न्यायालय ने प्रतिवादी-पति को अपीलकर्ता-पत्नी को 4,000 रुपये का मासिक भरण-पोषण देने का आदेश दिया जो उस तारीख से प्रभावी होगा जिस दिन से उसने सहायता मांगने के लिए अपनी मूल याचिका दायर की थी।

सुनसान हुई कश्मीर वादियों में फिर से लौटने लगे पर्यटक

जम्मू, 28 अप्रैल (ब्यूरो)। 22 अप्रैल के दुखद आतंकवादी हमले के बाद, पहलगाम, जो कभी पर्यटकों से गुलजार रहता था, में पर्यटकों की संख्या में काफी कमी देखी गई। पहलगाम की सड़कें, जहां आमतौर पर प्रतिदिन 5,000 से 7,000 पर्यटक आते थे, हमले के बाद के दिनों में एकदम शांत थीं। हालांकि, घटनाओं के एक सुखद मोड़ में, पर्यटकों का वापस लौटना शुरू हो गया है, और स्थानीय लोग शहर को फिर से जीवंत होते देखकर बहुत खुश हैं।

हाल के दिनों में, विदेशी और घरेलू पर्यटकों ने एक बार फिर पहलगाम की सुंदर सड़कों पर टहलना शुरू कर दिया है। शहर में एक बार फिर पर्यटकों को घूमते हुए देखकर स्थानीय लोगों में उम्मीद की नई किरण जगी है, जो लंबे समय से अपने आतिथ्य के लिए जाने जाते हैं।

टूरिस्टों की वापसी त्रासदी से शहर के उबरने की दिशा में एक नया कदम है। वापस लौटने वालों में राहुल और अमृता पर्यटक भी शामिल हैं, जिन्होंने कश्मीर की बेजोड़ सुंदरता और यहां के गर्मजोशी से स्वागत करने वाले लोगों की प्रशंसा की।

क्रोएशियाई पर्यटक राहुल कहते हैं कि घटना के बारे में सुनने के बावजूद, हम यहां पूरी तरह से सुरक्षित महसूस कर रहे थे। लोग अविश्वसनीय रूप से दयालु हैं, और कश्मीर की सुंदरता हमारी उम्मीद से कहीं बढ़कर है। हम यहां आकर बहुत खुश हैं और हर पल का आनंद ले रहे हैं। एक अन्य क्रोएशियाई पर्यटक, जो कई बार कश्मीर आ चुके हैं, का कहना है कि कश्मीर हमेशा से मेरा पसंदीदा गंतव्य रहा है। यहां के लोग बहुत ही मिलनसार हैं, और मैंने कभी भी असुरक्षित महसूस नहीं किया। मेरा समूह पहली बार कश्मीर का अनुभव कर रहा है, और वे इसे बहुत पसंद कर रहे हैं।

स्थानीय लोग भी पर्यटकों को वापस आता देखकर उतने ही रोमांचित हैं, खासकर इतने कठिन समय के बाद। वे एकजुट होकर अपनी ताकत दिखा रहे हैं, कई स्थानीय व्यवसायों ने नियमित संचालन फिर से शुरू कर दिया है और सामान्य स्थिति की भावना प्रदान की है। शहर में एक स्थानीय मार्च भी देखा गया है, जहां निवासियों ने गर्व से राष्ट्रीय ध्वज उठाया, आतंक के खिलाफ एकजुट होकर खड़े हुए। सूरत, गुजरात के मोहम्मद इब्राहिम जैसे पर्यटकों ने भी पहलगाम में पर्यटन की वापसी पर अपने विचार साझा किए। वे कहते हैं कि शुरू में तो हम खबर सुनकर चिंतित थे, लेकिन स्थानीय लोगों और सेना से मिले समर्थन ने हमें सहज महसूस कराया। हम यहां आकर खुश हैं और अब सब कुछ सामान्य लग रहा है। पहलगाम हमेशा की तरह खूबसूरत है।

पहलगाम के लोगों ने विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए अविश्वसनीय लचीलापन दिखाया है और उनके स्वागत करने वाले भाव ने शहर के आकर्षण को फिर से बहाल करने में मदद की है। जैसे-जैसे पर्यटक वापस आ रहे हैं, शहर की रिकवरी और अधिक स्पष्ट होती जा रही है, जो साबित करती है कि कश्मीर की भावना अभी भी बनी हुई है।

ओटीटी और सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट बैन की मांग

नेटफ्लिक्स, उल्लू, ट्विटर, मेटा, ऑल्ट बालाजी, गूगल को नोटिस

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने ओटीटी और सोशल मीडिया पर अश्लील कंटेंट पर बैन को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र सरकार, ओटीटी और सोशल प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने केंद्र सरकार के अलावा जिनको नोटिस जारी किया गया है, उनमें नेटफ्लिक्स, उल्लू डिजिटल लिमिटेड, ऑल्ट बाला जी, ट्विटर, मेटा प्लेटफार्म और गूगल शामिल है।

पूर्व सूचना आयुक्त उदय माहुरकर और अन्य की ओर से दायर याचिका में मांग की गई है कि कोर्ट केंद्र सरकार को नेशनल कंटेंट कंट्रोल अथॉरिटी का गठन करने का निर्देश दे, जो इन प्लेटफार्म पर अश्लीलता को रोकने के लिए दिशा-निर्देश तय करे। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार इस याचिका को अन्यथा नहीं ले रही है। मेरी चिंता इस बात को लेकर है कि बच्चे भी इससे प्रभावित हो रहे है। इन प्रोग्राम की भाषा न केवल अश्लील है, बल्कि विकृत है। दो पुरुष भी इसे एक साथ बैठकर नहीं देख सकते। सिर्फ ये शर्त लगाई गई है कि 18 साल से ज्यादा उम्र वाले के कंटेंट है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि बच्चों की पहुंच इस कंटेंट तक नहीं है। जस्टिस गवई ने कहा कि हमने भी देखा कि बच्चों को बिजी रखने के लिए माता-पिता उन्हें फोन दे देते हैं।

सुनवाई की शुरुआत में जस्टिस गवई ने इस याचिका को लंबित रखने की इच्छा जताई। जस्टिस गवई ने कहा कि हम पर वैसे भी आरोप लग रहे हैं कि हम विधायिका और कार्यपालिका के काम में दखल दे रहे हैं। हालांकि, बाद में कोर्ट ने याचिकाकर्ता और मेहता की दलीलों के मद्देनजर नोटिस जारी करने का फैसला लिया।

भारत रत्न डॉ. कलाम के 1000 से अधिक भाषणों को देख और पढ़ सकेंगे

परिवार ने एनएआई को सौंपे निजी कागजात

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत रत्न और पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के परिजनों ने उनके कुछ जरूरी कागजात भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) को सौंपे। इनमें मूल पत्राचार, पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, यात्रा रिपोर्ट और विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ-साथ संगठनों में डॉ कलाम द्वारा दिए गए व्याख्यान से जुड़े कागजात शामिल हैं।

दिल्ली स्थित एनएआई में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में डॉ. कलाम की भतीजी डॉ. एपीजेएम नाजमा मरैकायर और डॉ. कलाम के पोते एपीजेएमजे शेख सलीम ने पूर्व राष्ट्रपति के कुछ जरूरी कागजात एनएआई को सौंपे। इस मौके पर एनएआई के महानिदेशक अरुण सिंघल ने डॉ. एपीजेएम नाजमा मरैकयार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महानिदेशक सिंघल ने कहा कि अब आम लोग भी डॉ. कलाम के 1000 से अधिक भाषणों के संग्रह को देख और पढ़ सकेंगे। सभी कागजात का डिजिटलीकरण किया जाएगा। आने वाली पीढ़ी एनएआई के निजी संग्रह में जाकर डॉ. कलाम, महात्मा गांधी, पूर्व राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद, नेताजी सुभाष चंद्रबोस द्वारा लिखे पत्र और दस्तावेज पढ़ सकती है।

एनएआई के सहायक निदेशक डॉ. मानस मिश्रा ने बताया कि आज औपचारिक तौर पर डॉ कलाम और एनएआई के बीच समझौता किया गया। इसके तहत परिवार वालों ने डॉ कलाम के निजी पत्राचार, भाषणों का संग्रह, आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड को एनएआई को सौंपा। इसके लिए एनएआई की टीम दिल्ली से रामेश्वरम डॉ. कलाम के घर पर उनके निजी पत्रों को लेने के लिए पहुंची थी। टीम में उनके साथ उपनिदेशक राजू सिंह और सहायक निदेशक डॉ. रिचा थे। डॉ कलाम द्वारा लिखे लेक्चर, पत्रों से भरे 12 बॉक्स को चार बड़ बॉक्स में भर कर दिल्ली लाया जा रहा है। डॉ कलाम द्वारा विश्वविद्यालयों में दिए गए भाषणों का संकलन है जिसमें विकसित भारत का रोडमैप का विजन है। इन सभी भाषणों को अब अभिलेखागार में रखा जाएगा और उनका डिजिटलीकरण किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि डॉ. कलाम (1931-2015), जिन्हें भारत के मिसाइल मैन के रूप में जाना जाता है, एक प्रख्यात वैज्ञानिक और देश के राष्ट्रपति (2002-2007) थे। डॉ. कलाम का निधन 27 जुलाई 2015 को हुआ। उन्होंने अपने पीछे ऐसी विरासत छोड़ी जो पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। एनएआई भारत सरकार के गैर-वर्तमान अभिलेखों का संरक्षक है। सार्वजनिक अभिलेखों के अपने विशाल संग्रह के अलावा एनएआई में सभी क्षेत्रों के प्रतिष्ठित भारतीयों के निजी कागजात का एक समृद्ध और लगातार बढ़ता हुआ संग्रह भी है, जिन्होंने देश के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

भाजपा अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया कुछ समय के लिए टली

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पार्टी के नये राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया को कुछ समय के लिए टालने का फैसला किया है।

पार्टी के सूत्रों के अनुसार जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद बने हालात को देखते हुए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव एक बार फिर टाल दिया गया है। पार्टी ने श्री जगत प्रकाश नड्डा को कुछ समय के लिए अध्यक्ष बनाये रखने का भी फैसला किया है। अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कब तक के लिए टाले गये हैं, इसके बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दी गई है।

पहले बताया गया था कि भाजपा का नया अध्यक्ष अप्रैल के अंत तक या मई की शुरुआत में चुन लिया जाएगा।सूत्रों का कहना है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पार्टी नेतृत्व ने संगठनात्मक चुनाव को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है। पार्टी महसूस करती है कि इस समय संगठन की स्थिता और सरकार की नीति को मज़बूती से आगे बढ़ाना ज़रूरी है। ऐसे में पार्टी के आंतरिक चुनाव को फिलहाल प्राथमिकता नहीं दी जा रही है। नए अध्यक्ष पद के चुनाव की तारीख की घोषणा बाद में होगी।

उल्लेखनीय है कि भाजपा के संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तब तक नहीं हो सकता, जब तक आधे से ज्यादा राज्यों में संगठनात्मक चुनाव पूरे न हो जाएं। अभी तक 14 राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष चुने गए हैं और बाकी राज्यों में प्रक्रिया चल रही है। श्री नड्डा का कार्यकाल पहले ही बढ़ाया जा चुका है, और वह फिलहाल अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे।

श्री नड्डा को वर्ष 2019 में भाजपा का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया था। इसके बाद जनवरी 2020 में वह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे।

राष्ट्रपति ने 71 पद्म पुरस्कार विजेताओं को सम्मानित किया

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 71 व्यक्तियों को सोमवार को यहां राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया।

राष्ट्रपति सचिवालय के अनुसार श्रीमती मुर्मु ने पहले चरण के अलंकरण समारोह में 04 पद्म विभूषण, 10 पद्म भूषण और 57 पद्म श्री पुरस्कार प्रदान किए। पद्म पुरस्कारों की घोषणा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की गयी थी।

पद्म विभूषण से सम्मानित किए जाने वालों में सर्वश्री एम. टी. वासुदेवन नायर (मरणोपरांत), साहित्य और शिक्षा, डॉ. दुव्वुर नागेश्वर रेड्डी , मेडिसिन डॉ. लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम ,कला और जापान से ओसामु सुजुकी (मरणोपरांत), व्यापार और उद्योग शामिल हैं।

पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने वालों में सर्वश्री नंदमुरी बालकृष्ण ,कला, विनोद कुमार धाम , विज्ञान और इंजीनियरिंग, सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत), सार्वजनिक मामले और शेखर कपूर, कला प्रमुख हैं।

इसके अलावा सर्वश्री डॉ. श्याम बिहारी अग्रवाल , कला, डॉ. के. ओमानकुट्टी अम्मा , कला,

मिरियाला अप्पाराव (मरणोपरांत), कला, रविचंद्रन अश्विन, खेल और जोयनाचरण बाथरी आदि की कला क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पद्म पुरस्कार विजेता मंगलवार सुबह राष्ट्रीय समर स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। पद्म पुरस्कार विजेता राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री संग्रहालय का भ्रमण भी करेंगे।

समारोह में उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ , प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान, शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव तथा अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

तहव्वुर राणा अभी और 12 दिन रहेगा एनआईए की हिरासत में

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में पटियाला हाउस कोर्ट की एक विशेष अदालत ने सोमवार को राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की अर्जी पर मुंबई में आतंकवादी हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर राणा की हिरासत की अवधि 12 दिन के लिए बढ़ा दी।

मुंबई में 26 नवंबर के भयावह आतंकवादी हमलों की जांच के सिलसिले में गिरफ्तार राणा को इससे पहले अदालत ने 18 दिन की रिमांड पर एनआईए को सौंपा था।

राणा को भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत अदालत की अनुमति से इसी माह विशेष विमान से नयी दिल्ली लाया गया था। एनआईए ने नयी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते ही उसे 10 अप्रैल को हिरासत में ले लिया था।

उसी शाम उसे दिल्ली की विशेष अदालत में पेश कर जांच एजेंसी ने उससे पूछताछ के लिए 18 दिन की रिमांड पर ले लिया था। रिमांड की अवधि पूरी होने पर आज उसे अदालत में पेश किया गया था।

अपने बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती हैं मौसमी चटर्जी

इसी व्यवहार की वजह से खो चुकी हैं कई रोल

बॉलीवुड अभिनेत्री मौसमी चटर्जी ने साल 1967 में फिल्म बालिका वधू से डेब्यू किया था। इसके बाद वह प्रीनीता, अनुराग, गुलाम, बेगम बादशाह, हमशक्ल और सबसे बड़ा रुपैया जैसी फिल्मों में दिखाई दीं। मौसमी बहुत ही मुखर स्वभाव की थीं और अपनी बात पर अड़ी रहने वाली एक्ट्रेसेज के तौर पर जानी जाती हैं।

कई अच्छे ऑफर्स से धोना पड़ा हाथ

वह किसी भी तरह के दुर्व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करती थीं। ऐसी कहानियां हैं कि अगर कोई मेल को-एक्टर अपनी सीमा पार करता था तो वह उन पर भड़क जाती थीं और उन्हें थप्पड़ भी मार देती थीं। हाल ही में एक इंटरव्यू में मौसमी ने इस बारे में बात की और बताया कि कैसे उनके स्वभाव की वजह से उन्हें कई रोल्स और अच्छे ऑफर्स से हाथ धोना पड़ा।

सुभाष के झा को दिए इंटरव्यू में मौसमी ने वह समय याद किया जब उन्होंने 'बुरा व्यवहार करने वाले अभिनेताओं को थप्पड़ मारा था'। मौसमी ने कहा,वे इसके लायक थे, वे सेक्सिएस्ट कमेंट करते थे, लेकिन मैं इसके लिए उन्हें दोष नहीं देती। आपको सिक्के के दोनों पहलू देखने होंगे। एक्टर एक्ट्रेसेज के साथ छेड़खानी करते थे और वे उम्मीद करते थे कि हम भी वैसा ही व्यवहार करेंगी। यही एकमात्र तरीका था जो वे जानते थे। उन्हें कोई और तरीका नहीं पता था। पुरुषों को अपनी माताओं द्वारा लाड़-प्यार, पत्नियों द्वारा लाड़-प्यार और बहनों द्वारा लाड़-प्यार के साथ पाला जाता है।

उसी इंटरव्यू में मौसमी ने अपनी गरिमा के साथ कभी समझौता न करने और इस वजह से कई रोल्स खोने की बात की थी। जब उनसे पूछा गया कि गुलज़ार की कोशिश में जया बच्चन ने उनकी जगह क्यों ली, तो मौसमी ने कहा,ऐसा इसलिए क्योंकि मैं अपनी गरिमा के साथ कभी समझौता नहीं करूंगी, चाहे कुछ भी हो जाए। यह सब अतीत की बात है। गुलज़ार और मैंने कई सालों बाद अंगूर में काम किया। संयोग से, कोशिश में और अंगूर में भी हरिभाई (संजीव कुमार) मेरे हीरो थे। मैंने कई भूमिकाएं खो दीं क्योंकि मैं किसी के अहंकार को नहीं छूती थी।

इन बड़े सितारों के साथ किया काम

70 के दशक में मौसमी चटर्सी ने अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना, राजेश खन्ना जैसे कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया। हालांकि विनोद मेहरा के साथ उनकी जोड़ी हिट रही। साल 1985 के बाद, उन्होंने सपोर्टिंग रोल्स करना शुरू कर दिया। उन्हें हाल ही में बंगाली फिल्म आरी में देखा गया, जो इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई थी।

महिलाओं का अपमान करते हैं साजिद खान : नवीना बोले

इश्कबाज और मिले जब हम तुम जैसे शो में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर नवीना बोले अपने हाल ही के एक बयान की वजह से काफी ज्यादा वायरल हो रही हैं। एक्ट्रेस ने निर्देशक साजिद खान के बारे में कुछ ऐसी बातें बोली हैं जिसे पचाना बहुत ही मुश्किल है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में निर्देशक साजिद खान के साथ एक बहुत ही गंदा एक्सपीरियंस शेयर किया। सुभोजित घोष के साथ उनके धीढींलश चैनल पर बात करते हुए, नवीना ने कई चौंकाने वाली बातें बताईं। एक्ट्रेस ने बताया कि साजिद ने उन्हें अपने घर बुलाया और उनसे अपने कपड़े उतारने के लिए कहा। इश्कबाज अभिनेत्री ने साजिद को एक गंदा आदमी बताया और कहा कि इंडस्ट्री में अन्य लोगों के साथ मिलकर उन्होंने कई महिलाओं का अपमान किया है।

साजिद खान को बताया गंदा आदमी

उन्होंने कहा, एक बहुत ही भयानक आदमी था, जिससे मैं अपने जीवन में कभी नहीं मिलना चाहती, उसका नाम साजिद खान है, वह हममें से बहुतों के पीछे पड़ा और जब महिलाओं का अनादर करने की बात आई तो उसने हद ही कर दी।

फिल्म हे बेबी की शूटिंग के दौरान हुई थी घटना

निर्देशक के साथ अपनी मुलाकात को याद करते हुए नवीना ने बताया कि साजिद खान ने उन्हें तब बुलाया था जब वह हे बेबी पर काम कर रहे थे। उन्होंने याद करते हुए कहा, आप जानते हैं कि जब उन्होंने मुझे बुलाया तो मैं बहुत उत्साहित थी। उन्होंने मुझसे कहा कि तुम

अपने कपड़े उतार कर अंडर गार्मेंट्स में क्यों नहीं बैठ जाती हो, मुझे देखना है कि तुम कितनी कम्फर्टेबल हो। ये बात मैं आपको 2004 और 2006 की बता रही हूं जब कर रही हूं जब मैंने ग्लैड्रैग्स में काम किया था।नवीना ने बताया कि यह मुलाकात साजिद खान के ऑफिस में नहीं बल्कि उनके घर पर हुई थी। हालांकि ये एक अच्छी बात थी कि कोई नीचे उनका इंतजार कर रहा था। नवीना ने बताया, उन्होंने कहा, 'क्यों, आपने स्टेज पर बिकिनी पहनी है, तो इसमें क्या दिक्कत है।

परिवार संग होम टाउन भोपाल में समय बिता रहीं दिव्यांका त्रिपाठी

टीवी की टॉप एक्ट्रेसेज में शुमार दिव्यांका त्रिपाठी इन दिनों होम टाउन भोपाल में अपने परिवार के साथ समय बिता रही हैं। इन खास पलों को उन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए अपने फैंस के साथ शेयर किया। फैंस परिवार संग उनकी इन खूबसूरत तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में वह ब्लू कलर के चकनकारी सलवार कुर्ते में नजर आ रही हैं। उन्होंने हैवी झुमकों, लाइट मेकअप और खुले बालों के साथ अपने लुक को पूरा किया। फोटो में उनका पूरा परिवार नजर आ रहा है। उन्होंने इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा - फैमिली सीन्स... पुरानी यादों की नींव!

बता दें कि हाल ही में दिव्यांका अपने पति और एक्टर विवेक दहिया के साथ मशहूर कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट में गेस्ट बनकर गईं। इस दौरान उनसे पूछा गया कि वह सोशल मीडिया पर इतना एक्टिव क्यों नहीं हैं।

इस पर दिव्यांका ने कहा, ''हम अपनी ही दुनिया में काफी बिजी हैं। हमारे पास इंस्टाग्राम या किसी भी सोशल मीडिया पर अलग से मेहनत करने का समय नहीं है। मैं जानती हूं कि फैंस हमसे बहुत प्यार करते हैं और हमारे पोस्ट का इंतजार करते हैं, लेकिन इसमें वक्त और एनर्जी लगती है। इसलिए कई बार हम सोचते हैं - 'चलो एक रील बना कर पोस्ट कर देते हैं' ताकि फैंस के साथ जुड़े रह सकें। हमें अपनी उस जिम्मेदारी का भी एहसास है।''

उन्होंने कहा, ''आप जानते हैं, मैं कैसे काम करती थी.. 10 से 12 घंटे की शूटिंग के बाद, मैं सूरत के किसी इवेंट में जाने के लिए निकल जाती थी। रात में सफर करती थी, वहां पहुंचकर फैंस के सामने परफॉर्म करती थी।

शिरडी के साईं मंदिर में शिल्पा शिरोडकर ने बचपन की यादें की ताजा

मशहूर एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर 'बिग बॉस 18' के बाद से चर्चाओं में बनी रहती हैं। वह अब सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहने लगी हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर कई लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह शिरडी के साईं बाबा मंदिर में नजर आ रही हैं। उन्होंने बताया कि यहां आकर उनकी बचपन की प्यारी यादें फिर से ताजा हो गईं। साईं बाबा मंदिर में दर्शन करने के बाद उन्होंने परिसर में तस्वीरें क्लिक करवाईं और इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। तस्वीरों में वह पिंक कलर के सूट में नजर आ रही हैं। चेहरे पर हल्की मुस्कान लिए वह कैमरे की ओर पोज दे रही हैं। फैंस उनकी इस सादगी को काफी पसंद कर रहे हैं।

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए शिल्पा ने कैप्शन में लिखा- जब मैं पांच साल की थी, तब से मेरी मां मुझे हर महीने दो बार शिरडी के साईं बाबा के

मंदिर ले जाती थीं, उन सुनहरी बचपन की यादें आज भी मेरे दिल में उमड़ती रहती हैं। इससे मेरे भीतर साईं बाबा के प्रति गहरी भक्ति पैदा हुई और समय के साथ मेरा विश्वास और भी मजबूत होता गया। साईं बाबा ने मेरे जीवन में जो चमत्कार और आशीर्वाद दिए हैं, उसके लिए मैं हमेशा उनकी आभारी रहूंगी। उनकी मौजूदगी से मुझे सुकून और सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

उनके इस पोस्ट पर फैंस जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। बिग बॉस 18 के विनर करणवीर मेहरा ने भी उनकी तस्वीरों पर कमेंट किया। उन्होंने कमेंट में हार्ट इमोजी का इस्तेमाल किया।एक्ट्रेस के करियर पर नजर डालें तो शिल्पा ने बॉलीवुड में 50 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साल 1989 में फिल्म भ्रष्टाचार में वह नजर आईं। साल 1991 में फिल्म हम में उन्होंने अमिताभ बच्चन और रजनीकांत के साथ काम किया। इसके अलावा, किशन कन्हैया, योद्धा, बेनाम बादशाह, दो मतवाले, दंडनायक, आंखें, गोपी-किशन, बेवफा सनम, खुदा गवाह, अपराध, हम हैं बेमिसाल, मृत्युदंड जैसी कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया।शिल्पा मिस इंडिया का खिताब हासिल कर चुकी हैं। बता दें कि उन्होंने 1992 में मिस इंडिया पेजेंट में हिस्सा लिया था और ताज को अपने सिर पर सजाया था।

जैकलीन फर्नांडिस के आशिक सुकेश चंद्रशेखर पर बन रही डॉक्यू-सीरीज!

बॉलीवुड फिल्मों में जबरदस्त एक्टिंग और डांस की बदौलत जैकलीन फर्नांडिस लोगों के दिलों पर राज करती हैं। यही वजह है कि उनका नाम बॉलीवुड की बेहतरीन एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल किया जाता है। बीते कुछ समय से एक्ट्रेस अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। ठग सुकेश चंद्रशेखर संग नाम जुड़ने की वजह से भी एक्ट्रेस सुर्खियों में रहती हैं। जेल से अभिनेत्री का यह प्रेमी उन्हें अक्सर लव लेटर लिखता रहता है। ओटीटी पर एक्ट्रेस के इस लवर की कहानी को दिखाया जाएगा।

हिंदी सिनेमा की टॉप एक्ट्रेस जैकलीन के कथित लवर पर डॉक्यू-सीरीज बनाई जा रही है। इसके लिए मेकर्स ने एक्ट्रेस को भी अप्रोच किया है। आइए जानते हैं कि इसके पीछे की असल वजह क्या है।

सीरीज में क्या दिखाया जाएगा?

मिड-डे की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, एक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म सुकेश चंद्रशेखर के बारे में डॉक्यू-सीरीज बना रहा है। सूत्रों के मुताबिक, कहा गया है कि इशमें कथित तौर पर किए गए लॉटरी घोटाले से लेकर लग्जरी गिफ्ट और वसूली करने तक की तमाम जरूरी घटनाओं को दिखाया जाएगा।

जैकलीन फर्नांडिस को किया गया अप्रोच

रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र किया गया है कि एक ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर से हाउसफुल 5 की एक्ट्रेस को अप्रोच किया गया है। सूत्र ने जानकारी दी कि 'वह एकमात्र ऐसी एक्ट्रेस हैं, जो जानती हैं कि असल में क्या हुआ। इसके बारे में वह सीधे तौर पर जानकारी दे सकती हैं। उनकी स्पष्ट जानकारी कहानी को और ज्यादा असरदार बना सकती है।'

हालांकि, जैकलीन कथित तौर पर मेकर्स के इस प्रस्ताव के बारे में विचार करने के लिए थोड़ा समय ले रही हैं। करीबी दोस्तों ने एक्ट्रेस को इस बारे में पूरी तरह से सतर्क रहने के लिए कहा गया है कि उनकी कहानी को ओटीटी पर किस तरह से पेश किया जाएगा। खैर, इससे जुड़ी कोई आधिकारिक पुष्टि मेकर्स या एक्ट्रेस की ओर से नहीं की गई है।

दुष्टों का संहार करने वाले ब्राह्म-क्षात्र तेजयुक्त अवतार भगवान परशुराम

भगवान ने विभिन्न युगों में धर्म की स्थापना और अधर्म के नाश के लिए अनेक अवतार लिए। इन अवतारों में भगवान परशुराम एक अत्यंत प्रभावशाली, तेजस्वी और अद्वितीय योद्धा अवतार हैं। भगवान विष्णु के छठवें अवतार परशुराम ने ब्राह्मतेज और क्षात्रतेज का सुंदर संगम करते हुए अधर्म का विनाश किया।

सप्त चिरंजीवों में से एक और काल पर विजय प्राप्त अवतार

भगवान परशुराम सप्त चिरंजीवों में से एक हैं। उन्होंने काल पर विजय प्राप्त की है, इसलिए वे आज भी पृथ्वी पर अदृश्य रूप में विद्यमान हैं। उनके स्मरण से पुण्य की प्राप्ति होती है। आज के तनावपूर्ण जीवन में उनका स्मरण मन:शांति, संयम और पराक्रम के लिए प्रेरणादायक है।

ब्राह्मतेज और क्षात्रतेज का संगम

परशुराम जन्म से ब्राह्मण थे, लेकिन उन्होंने क्षात्रतेज को भी अपनाया।

पितृपक्ष से उन्हें ब्राह्मतेज, ज्ञान और तप की शक्ति मिली, जबकि मातृपक्ष से उन्हें क्षात्रगुण, पराक्रम और निर्भयता मिली। आज के युग में जब गुणों के आधार पर कर्म की बात की जाती है, परशुराम इसका आदर्श उदाहरण हैं।

अपराजेय योद्धा और अनुशासनप्रिय शिष्य

परशुराम केवल महान योद्धा ही नहीं, अपितु अत्यंत अनुशासित और तपस्वी शिष्य भी थे। उन्होंने कश्यप मुनि और भगवान शिव से ज्ञान प्राप्त किया और तपस्या से दिव्य अस्त्र विद्या अर्जित की।

युवाओं को उनके पराक्रम के साथ-साथ साधना और ज्ञानार्जन की भावना भी आत्मसात करनी चाहिए।

शास्त्र और शस्त्र का आदर्श समन्वय

अग्रतः चतुरो वेदाः, पृष्ठतः सशरं धनुः – इस श्लोक में परशुराम के व्यक्तित्व का सार समाया है। उन्होंने ज्ञान और शौर्य का अनूठा संगम दिखाया। उन्होंने कभी शस्त्र से, तो कभी शाप से अधर्म का नाश किया। आज जब शिक्षा और शौर्य दोनों कम होते जा रहे हैं, तब भगवान परशुराम का आदर्श प्रेरणादायक हो जाता है।

अधर्म के विरुद्ध प्रखर संघर्ष

अधर्मी राजा कार्तवीर्य सहस्रार्जुन का पराजय एक ऐसी घटना है जो बताती है कि परशुराम ने पहले तप से उसकी पुण्यशक्ति को क्षीण किया और फिर युद्ध में उसका अंत किया। यह अधर्म के विरुद्ध संघर्ष का विलक्षण उदाहरण है।

गोमाता की रक्षा और उन्मत्त क्षत्रियों का संहार

जब कार्तवीर्य ने कामधेनु का अपहरण किया, तब परशुराम ने उसे पुनः प्राप्त करने के लिए 21 बार पृथ्वी प्रदक्षिणा कर अधर्मी क्षत्रियों का संहार किया। इससे यह संदेश मिलता है कि धर्म की रक्षा के लिए उठाए गए शस्त्र पवित्र होते हैं।

वैराग्य और दानशीलता

भगवान परशुराम अत्यंत दानवीर थे। अश्वमेध यज्ञ के उपरांत उन्होंने पूरी भूमि महर्षि कश्यप को दान दी और स्वयं महेन्द्र पर्वत पर निवास करते हुए संन्यास जीवन को अपनाया। आज के युग में जब सत्ता, धन और अहंकार बढ़ता जा रहा है, तब उनका वैराग्य प्रेरणादायक है।

नवसृष्टि का सर्जनात्मक कार्य

परशुरामभूमि की रचना केवल भौगोलिक नहीं, अपितु आध्यात्मिक नवसृष्टि भी थी। उन्होंने चिता से चित्तपावन ब्राह्मणों की रचना की और धर्मकार्य को नई दिशा दी। वे आंतरिक तेज के माध्यम से सृजनशीलता का महत्त्व सिखाते हैं।

गुरु-शिष्य परंपरा का पालन

परशुराम भगवान शिव और दत्तात्रेय जैसे अद्वितीय गुरुओं के शिष्य थे। उनसे उन्होंने वेद, आत्मज्ञान, अस्त्र विद्या और योग विद्या सीखी। जब आज की शिक्षा केवल तकनीकी ज्ञान तक सीमित हो गई है, तब परशुराम की गुरुसेवा और समर्पण प्रेरणा देती है।

आधुनिक युग में प्रासंगिकता और महत्त्व

आज के समाज में जब अन्याय, भ्रष्टाचार और नैतिक पतन बढ़ रहा है, तब परशुराम की शिक्षाएं अत्यंत उपयोगी हैं – कठोर निर्णय लेने का साहस, ज्ञान और शौर्य का समन्वय, गुरु-शिष्य भाव, वैराग्य और राष्ट्रनिष्ठा।

यदि युवा पीढ़ी भगवान परशुराम के गुणों को अपनाए, तो वह शक्तिशाली, विवेकी और निःस्वार्थ बन सकती है। महिलाओं का सम्मान, धर्म की रक्षा, ज्ञान प्राप्ति, संयम और सदाचार को जीवन में उतारकर राष्ट्र के विकास में योगदान दिया जा सकता है।भगवान परशुराम एक महान योद्धा, पराक्रमी तपस्वी और दूरदर्शी महापुरुष थे। ऐसे ब्राह्म-क्षात्र तेजयुक्त अवतार को शिरोधार्य नमन कर, उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना ही उनके प्रति सच्ची भक्ती होगी।

– संकलक : सनातन संस्था

नंदी और शिवधाम

क्या कभी सोचा है कि हर शिव मंदिर के बाहर बैल क्यों बनाया जाता है?

शिव ही शक्ति के स्वामी हैं। हर कोई अलग-अलग उद्देश्यों- धन, शक्ति, स्वास्थ्य आदि के लिए शक्ति मांगता है, लेकिन शायद ही कोई शक्ति के दर्शन करना चाहता हो, क्योंकि उन्हें शक्ति का अर्थ ही नहीं पता। वे शिवधाम के द्वार पर पहुंचकर वहां अशांति फैलाने लगते हैं। इसलिए शिवधाम में गण नियुक्त किए जाते हैं- भूत, प्रेत, पिशाच...और नंदी।गणों का काम अयोग्य के प्रवेश को रोकना है। क्योंकि अगर शक्ति अयोग्य लोगों के हाथ में आ जाए तो वे उसका दुरुपयोग करेंगे। भूत, प्रेत और पिशाच जहां साधक को परेशान करते हैं और डराते हैं, वहीं सबसे बड़ी बाधा नंदी (बैल) द्वारा उत्पन्न की जाती है। कैसे?किसी भी गौशाला में जाकर नंदी (बैल) की देखभाल करना शुरू करें। उसका पालन-पोषण करें और सुनिश्चित करें कि उसे कोई कष्ट न हो और प्रतिदिन उसकी 7 परिक्रमा करें। फिर आप जो भी चाहते हैं, नंदी आपको वह दे देता है। और फिर, आप उसमें फंस जाते हैं !ज़रा सोचिए, आप अधिक से अधिक क्या मांगेंगे ? बेहतर नौकरी ? ज़्यादा पैसे ? बेहतर रिश्ते ? बेहतर स्वास्थ्य ? कोई भी शक्ति के दर्शन या शिव धाम पहुँचने के लिए नहीं कहेगा...यह अंधकार या अविद्या है। क्योंकि ये सभी चीज़ें उस जीवन को बेहतर बनाने से जुड़ी हैं जो अस्थायी है, शरीर चला जाएगा, रिश्ते और नौकरी और पद या धन-संपत्ति चली जाएगी। भौतिक सुखों में डूबे रहने से शिव का विचार आपके मन में नहीं आएगा, आप शिव के मार्ग पर नहीं चल पाएँगे।नंदी की सेवा से आपको सबसे बड़ा पुण्य मिलता है, लेकिन केवल गुरु ही आपको सद्बुद्धि दे सकते हैं, ताकि आप इस पुण्य का उपयोग शिवधाम तक पहुंचने के लिए कर सकें, और खुद को भौतिकता में और अधिक न बांधें, जो आपको वैसे भी छोड़ देगी।अश्विनीजी गुरुजी ध्यान आश्रम के मार्गदर्शक हैं ।www.dhyan-foundation.com पर संपर्क करें ।

अश्विनीजी गुरुजी ध्यान आश्रम

लड्डू गोपाल के फटे-पुराने वस्त्रों का क्या करना चाहिए?

लड्डू गोपाल भगवान कृष्ण का बाल स्वरूप माना जाता है, ऐसी मान्यता है कि भगवान के इस स्वरूप की पूजा करने से व्यक्ति की सारी परेशानियां दूर हो जाती है। ऐसा कहा जाता है कि जिस घर में लड्डू गोपाल के पूजा अर्चना की जाती है वहां स्वयं भगवान विष्णु का वास होता है। लड्डू गोपाल की सेवा जो भक्त करते हैं वह उनकी दिनचर्या यानी सुबह उठने से लेकर रात के सोना तक का विशेष ख्याल रखते हैं। साथ ही भक्त लड्डू गोपाल को स्नान कराकर उनका श्रृंगार भी करते है। लड्डू गोपाल के वस्त्र को लेकर भी कई बार सवाल मन में आता है कि यदि लड्डू गोपाल के वस्त्र कई ज्यादा हो जाए या कई बार कट या फट जाते हैं तो उनके वस्त्रों का क्या करना चाहिए।

लड्डू गोपाल के वस्त्र पवित्र नदियों में प्रवाहित कर दें

लड्डू गोपाल के वस्त्र यदि पहनाने लायक नहीं बचे हैं तो ऐसे में याना बहुत पुराने या फट चुके हैं तो ऐसे में आपको उन वस्त्रों को नदी में प्रवाहित कर देना चाहिए। शास्त्रों में भी भगवान के पुराने

वस्त्रों को पवित्र नदियों में प्रवाहित करने का विधान बताया गया है।

लड्डू गोपाल के कपड़े भूमि में दबा दें

लड्डू गोपाल के पुराने वस्त्रों को आप चाहें तो भूमि में भी दबा सकते हैं लेकिन, इसके लिए शास्त्रों में जो विधान है वह है कि लड्डू गोपाल के वस्त्रों को आप केला, तुलसी, और आंवले के वृक्ष के नीचे तुलसी के पत्ते रखकर दबा सकते हैं।

लड्डू गोपाल के कपड़े तकिए में रखें

लड्डू गोपाल के वस्त्रों को लेकर एक मान्यता यह भी है कि जो वस्त्र खराब हो जाए या फट जाएं या पुराने हो जाएं आप उन्हें अपने घर में बच्चों के तकिये के अंदर रखकर रुई के साथ उन्हें सील सकते हैं। ऐसे करने से बच्चों के मन मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव रहेगा।

तिजोरी में रखें कपड़े

लड्डू गोपाल के वस्त्रों को एक लाल रंग या पीले रंग के कपड़े में बांधकर बरकत पाने के लिए धन के स्थान पर भी रख सकते हैं। ऐसा करने से आपके घर में कभी भी धन धान्य की कमी नहीं रहेगी और भगवान विष्णु का वास सदा आपके घर में बना रहेगा।

लड्डू गोपाल सेवा के नियम

लड्डू गोपाल की सेवा करने से पहले स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र पहनें। सेवा का स्थान (मंदिर) भी साफ-सुथरा होना चाहिए।

लड्डू गोपाल जी को प्रतिदिन स्नान कराएं (यदि संभव हो) या कम से कम स्नान का मानसिक आह्वान करें, और फिर उन्हें सुंदर वस्त्र व आभूषण पहनानाएं और उनका अच्छे से श्रृंगार करें।

अक्षय तृतीया पर राशि अनुसार करें ये उपाय, सोया भाग्य भी जाग जाएगा

नौ ग्रह और बारह राशियां, सत्ताइस नक्षत्र ज्योतिष शास्त्र का आधार हैं, तिथि, नक्षत्र, वार, करण और योग की शुभता होने पर शुभ कार्य किए जाते हैं, लेकिन अक्षय तृतीया अबूझ मुहूर्त है, इस दिन बिना पंचांग देखे ही शुभ कार्य करने का दिशा-निर्देश ज्योतिष के ग्रंथों में दिया गया है।

क्यों करें अक्षय तृतीया पर पुण्य कार्य

वर्तमान जन्म में हमें जो कुछ भी सुख-सुविधा, भाव-अभाव, कष्ट आदि प्राप्त होते हैं, उनका संबंध हमारे पूर्व कृत कर्मो में निहित है। इसलिए अक्षय तृतीया आदि विशिष्ट पर्वों पर शुभ कर्म करने की प्रेरणा दी जाती है, ताकि हम अपने आने वाले कल को उज्ज्वल बना सकें। अक्षय तृतीया के दिन जब हम क्रियमाण कर्म कर अपने पुण्यों का संचय करते हैं तो वह प्रारब्ध में सम्मिलित होकर उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करता है। संसार कर्मों का लेखा-

जोखा और विधि का विधान है। वर्तमान में किया गया दान-पुण्य कर्म भविष्य में अनंत गुना शुभ फल प्रदान करता है।

अक्षय तृतीया के विधि-विधान के साथ अक्षय तृतीया के पर्व पर मेष राशि के लोग जौ या जौ से बने पदार्थ, सत्तू एवं गेहूं का यथासंभव दान करें। वृष राशि के लोग ग्रीष्म ऋतु के फल, जल से भरी मटकी एवं दूध का दान करें।

मिथुन राशि के लोग ककड़ी, खीरा, सत्तू एवं हरी मूंग की दाल का दान करें। कर्क राशि के लोग जल से भरी एक मटकी, दूध एवं मिश्री दान करें। सिंह राशि के लोग सत्तू, जौ एवं गेहूं का यथासंभव दान करें। कन्या राशि के लोग ककड़ी, खीरा एवं तरबूज का दान करें।

तुला राशि के लोग मजदूरों या राहगीरों को पानी अथवा शरबत पिलाएं। वृश्चिक राशि के लोग किसी गरीब व्यक्ति को छाता, पंखा, फल सहित दान करें। धनु राशि के लोग बेसन से निर्मित पदार्थ, चने की दाल, मौसमी फल या सत्तू का दान करें। मकर राशि के लोग जल से भरी मटकी, दूध एवं मीठे पदार्थ का दान करें। कुंभ राशि के लोग जल से भरा मटका, मौसमी फल तथा गेहूं का दान करें। मीन राशि के लोग हल्दी की गांठ, बेसन से निर्मित पदार्थ एवं सत्तू, धार्मिक पुस्तक सहित का दान करें।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग में हनुमंत कृपा से इन राशियों को मिलेगा पैसा!

मंगलवार 29 अप्रैल को सर्वार्थ सिद्धि योग के साथ ही सौभाग्य योग का शुभ संयोग बना है। इस शुभ योग में हनुमानजी मेष और सिंह सहित 5 राशियों पर मेहरबान होंगे और बिजनस में इनकी खूब कमाई होगी। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और कारोबार में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपकी काम धंधे से जुड़ी योजनाएं सफल होंगी और किस्मत का पूरा साथ मिलेगा।

मेष : आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं

मेष राशि के लोगों को लाभ होगा और कामकाज में किए गए आपके प्रयास रंग लाएंगे। आपको नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जिससे काम का बोझ बढ़ेगा, परंतु सफलता भी सुनिश्चित होगी। पारिवारिक जिम्मेदारियों की अनदेखी न करें, वरना संबंधों में दूरी आ सकती है। विवादों से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को महत्वपूर्ण सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। वाणी पर संयम रखें, ताकि किसी से अनावश्यक विवाद न हो। विरोधी भी आज कमजोर पड़ेंगे।

वृषभ : मान-सम्मान में वृद्धि के योग

वृषभ राशि के लोगों के मन में थोड़ी अशांति रह सकती है और ऑफिस के काम को कर पाने में मुश्किलें आ सकती हैं। धन, पद और मान-सम्मान में वृद्धि के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में मेहनत का पूरा फल मिलेगा। मानसिक तनाव थोड़ा परेशान कर सकता है, इसलिए खुद को व्यस्त और सकारात्मक बनाए रखें। विद्यार्थियों के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है, परीक्षा की तैयारी में किए गए प्रयास सफल होंगे। विरोधियों का सामना डटकर कर पाएंगे।

मिथुन : आपके पराक्रम में वृद्धि होगी

मिथुन राशि के लोगों का दिन लाभ से भरा होगा और चंद्रमा की शुभ दृष्टि से आपके पराक्रम में वृद्धि होगी और आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक दृष्टि से दिन लाभकारी रहेगा। शत्रु आपके बढ़ते प्रभाव से ईर्ष्या करेंगे, लेकिन आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। कुछ अच्छा समाचार भी मिल सकता है। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। किसी कीमती वस्तु के खोने या चोरी की संभावना भी है, इसलिए सतर्क रहें। फिजूलखर्ची से बचें।

कर्क करियर राशिफल : नई व्यावसायिक योजनाएं सफल होंगी

कर्क राशि के लोगों को करियर में लाभ होगा और कारोबार में आपकी नई व्यावसायिक योजनाएं सफल होंगी। कोई अच्छी डील या प्रॉजेक्ट मिल सकता है। हालांकि विरोधी आपको परेशान कर सकते हैं। इसलिए सतर्कता जरूरी है। स्वास्थ्य के मामले में सावधानी रखें, विशेषकर मानसिक थकावट या पाचन संबंधी दिक्कत हो सकती है। मनोरंजन या किसी रचनात्मक गतिविधि में भागीदारी से मन प्रसन्न रहेगा। शत्रु पक्ष पर भारी रहेंगे। आपके रुके कार्य पूर्ण होंगे।

सिंह : कामकाज में सफलता मिलेगी

सिंह राशि के लोगों के लिए दिन मिलाजुला रहेगा और गृहोपयोगी वस्तुओं की खरीद हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कामकाज में सफलता मिलेगी, लेकिन घर या ऑफिस में अधीनस्थ कर्मचारियों या रिश्तेदारों के साथ विवाद हो सकते हैं। रुपये-पैसे के लेन-देन में सतर्क रहें। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें, विशेषकर लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें और अपने काम पर फोकस करें। ससुराल पक्ष से पैसों के मामले में कोई शुभ समाचार या लाभ मिल सकता है। काम के साथ-साथ परिवार के साथ समय बिताएं तो बेहतर होगा।

कन्या : आर्थिक क्षेत्र में शुभ परिणा म मिल सकते हैं

कन्या राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा और आप कुछ कर दिखाने के मूड में रहेंगे। आपको आर्थिक क्षेत्र में शुभ परिणाम मिल सकते हैं। बिजनस में नई योजनाओं पर काम शुरू हो सकता है। वाणी की मधुरता आपके लिए वरदान साबित होगी, जिससे सामाजिक और व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें, विशेषकर खानपान में लापरवाही से बचें। ससुराल पक्ष से सहयोग मिलने के योग हैं। यात्रा लाभदायक रह सकती है।

तुला : मेहनत का अच्छा फल मिलेगा

तुला राशि के लोगों का दिन शुभ है और आपको मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। बेरोजगार लोगों को भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। आर्थिक दृष्टि से दिन शुभ रहेगा। सेहत पर ध्यान दें और दूसरों की बातों में न आएं। अनियमित खानपान से बचें। किसी विवाद में न उलझें, और अपनी बातों में विनम्रता बनाए रखें। ससुराल पक्ष से लाभ की संभावना बन रही है। छोटे-छोटे झगड़े टालने की कोशिश करें।

वृश्चिक : व्यावसायिक दिशा में तरक्की के संकेत हैं

वृश्चिक राशि के लोगों को लाभ होगा और आपको पुराने कर्ज और बीमारियों से राहत मिलने के संकेत हैं। व्यावसायिक दिशा में तरक्की के संकेत हैं। आपके प्रयासों से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। खानपान में सावधानी रखें, ज्यादा तला-भुना भोजन से बचें। अनावश्यक खर्च से परेशानी हो सकती है, इसलिए बजट के अनुसार चलें। विरोधियों को पराजित करने में सफल रहेंगे। नौकरी और व्यवसाय में अच्छी प्रगति होगी।

धनु : करियर के मामले में लाभ होगा

धनु राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा और आपको गुप्त शत्रुओं और ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहें। मेहनत और सूझबूझ से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। किसी बड़े प्रॉजेक्ट में सफलता मिल सकती है। वाणी की मधुरता आपको सम्मान दिलाएगी। स्वास्थ्य को लेकर सजग रहें और हर प्रकार की थकान और तनाव से दूर रहें। खानपान में संयम बरतें। ससुराल पक्ष से सहायता या शुभ समाचार मिल सकता है।

मकर : नए अवसर प्राप्त होंगे

मकर राशि के लोगों के लिए लाभ का दिन है और आपको करियर में महत्वपूर्ण सफलता मिल सकती है। शनि और गुरु के प्रभाव से विवेकपूर्ण निर्णय लेंगे, जिससे रोज़गार या व्यापार में नए अवसर प्राप्त होंगे। सम्मान और पुरस्कार भी मिल सकता है। वरिष्ठ अधिकारियों से समर्थन मिलेगा और आपके लिए यात्राएं लाभकारी रहेंगी। पुराने दोस्तों या प्रियजनों से मुलाकात हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। धन और पद दोनों में वृद्धि होने के योग हैं।

कुंभ : आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें

कुंभ राशि के लोगों के लिए दिन अनुकूल है। राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत शुभ रहेगा। प्रयासों से सफलता मिलेगी और पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात संभव है। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी, लेकिन अनावश्यक खर्चों से बचना होगा। आपको कहीं दूर काम से यात्रा पर जाना पड़ सकता है, जो लाभदायक सिद्ध हो सकती हैं। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें।

मीन : आर्थिक स्थिति बेहतर होगी

मीन राशि के लोगों को लाभ होगा और आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। पुराने विवादों और झगड़ों से मुक्ति मिलेगी। व्यापार में प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ेगा। उपहार मिलने या कोई विशेष सम्मान मिलने के योग हैं। कोई रुका हुआ कार्य पूरा हो सकता है, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से हल्की नोकझोंक हो सकती है, लेकिन आपकी सूझबूझ से सब कुछ सही हो जाएगा और आपको मित्रों से सहयोग मिलेगा।

संपादकीय

कश्मीरियत हेतु चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि सीमा पार पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की शह पर कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियों पर दोहरी मार है। इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नजर आ रहा है। जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है। शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे। घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं। दरअसल, लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋण लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे। अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फिक्र है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे। उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां जल्दी से सामान्य हों। वहीं इस संकट का दूसरा पहलू अन्य राज्यों में रह रहे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर है। निस्संदेह, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को दुःखी किया है। जैसे-जैसे आतंकियों के निर्मम हमले से जुड़ी कहानियां निकल रही हैं, समाज में तल्ख प्रतिक्रिया नजर आ रही है। कश्मीरी लोग आशंकित हैं कहीं इस आक्रोश से उपजे रोष का शिकार कश्मीर मूल के लोगों को न होना पड़े। निश्चित रूप से किसी भी सभ्य समाज में ऐसी कोई प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए कि आतंकवादियों के कुकृत्यों का खमियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़े। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन जैसे प्रमुख राजनेताओं ने कश्मीरियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों से उम्मीद की जा रही है कि वे विभाजनकारी तत्वों पर नकेल डालेंगे। निस्संदेह, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि पहलगाम की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पहली बार घाटी में आतंकवाद के खिलाफ मुखर प्रतिक्रिया सामने आई है। कश्मीर में सक्रिय रहने वाले राजनीतिक दलों, व्यापार निकायों और सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ ही आम लोगों ने भी पहलगाम हमले के दौरान हुई पर्यटकों की हत्या की निंदा की है। उन्होंने सीमा पार से आतंकवाद की पाठशाला चलाने वाले लोगों को सख्त संदेश दिया कि हमारे मामलों में तुम्हें फिक्र करने की जरूरत नहीं है। कश्मीर के लोगों ने साफ संदेश भेजा है कि –'हमारे नाम पर नहीं।' कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें उन आतंकवादियों से किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं है, जो मानवता के खिलाफ अपने अपराधों से कश्मीर के साथ-साथ इस्लाम को भी बदनाम कर रहे हैं। निस्संदेह, पहलगाम के क्रूर हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा चरम पर है। ऐसे में राजनीतिक दलों और धार्मिक संगठनों को इस आक्रोश को बढ़ाने के बजाय इसे शांत करने का प्रयास करना चाहिए। देश के संघीय स्वरूप व सद्भावना की हर कीमत पर रक्षा की ही जानी चाहिए। पहलगाम की घटना के बाद तल्खी दिखा रहे लोगों को याद रखना चाहिए कि यह कश्मीरी टट्टूवाला सैयद आदिल हुसैन शाह ही था, जिसने बंदूकधारी आतंकवादियों से पर्यटकों को बचाने की कोशिश करते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी थी। एक बहादुर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह हमलावर आतंकी से हथियार छीनने की कोशिश कर रहा था। कश्मीरियों के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने के लिये उनके निःस्वार्थ साहस और वीरता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए।

कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियों पर दोहरी मार है। इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नजर आ रहा है। जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है। शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे। घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं। दरअसल, लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋण लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे। अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फिक्र है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे। उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां जल्दी से सामान्य हों। वहीं इस संकट का दूसरा पहलू अन्य राज्यों में रह रहे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर है। निस्संदेह, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को दु:खी किया है। जैसे–जैसे आतंकियों के निर्मम हमले से जुड़ी कहानियां निकल रही हैं, समाज में तल्ख प्रतिक्रिया नजर आ रही है।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीज़ा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर–ही–भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर एवं क्रूर आतंकी हमले से सारा देश गम एवं गुस्से में दिख रहा है, वही मोदी सरकार इस बार आर-पार के मूड में दिख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिकंजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिकंजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीज़ा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है? पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का घिनौना कृत्य बना है। मुनीर ने

कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेंगी, उसको कड़वे घुंट पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नींद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसूरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे। पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्ठा है। लश्करे-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमट रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियां की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अर्थव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौकिर मुनीर, उसकी खुफिया एजैंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों को भी बेनकाब कर दिया। पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया भीषण हमला है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सक्रियता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए था।

दृष्टि कोण

गणित के अनंत दीप की अमर धरोहर

जब संख्याएं गूंज उठती हैं और समीकरण आत्मा के साथ नृत्य करते हैं, तब एक नाम सृष्टि के कण-कण में बस जाता है—श्रीनिवास रामानुजन। 26 अप्रैल, 1920, वह काला दिन जब भारत की धरती ने अपने इस अनमोल रत्न को खो दिया, पर उनकी गणितीय चेतना ने अनंत काल के लिए विश्व को रोशन कर दिया। यह पुण्यतिथि नहीं, एक महान तपस्वी की साधना का उत्सव है, जिसने गणित को न केवल विज्ञान, बल्कि काव्य, दर्शन और ईश्वर से जोड़ दिया। रामानुजन कोई साधारण गणितज्ञ नहीं थे; वे थे संख्याओं के संत, सूत्रों के साधक, और ब्रह्मांड के रहस्यों के द्रष्टा। तमिलनाडु के छोटे से शहर इरोड में 22 दिसंबर, 1887 को जन्मे रामानुजन का जीवन किसी परीकथा से कम नहीं। एक साधारण ब्राह्मण परिवार, आर्थिक तंगी और औपचारिक शिक्षा का अभाव— ये सब उनके सामने दीवारें थीं, पर उनकी प्रतिभा ऐसी तूफानी लहर थी जो हर बाधा को चूर कर देती थी। बचपन से ही संख्याएं उनकी सखी थीं, उनके सपने थीं। जहां बच्चे मिट्टी के खिलौनों में खोए रहते, वहीं रामानुजन संख्याओं के जादुई संसार में गोते लगाते। स्कूल की किताबें उनके लिए छोटी पड़ गईं; उन्होंने स्वयं गणित के गहन समुद्र में डुबकी लगाई। 15 वर्ष की उम्र में जब उनके हाथ जी.एस. कार की 'ए सिनॉप्सिस ऑफ एलिमेंट्री रिजल्ट्स इन प्योर मैथमैटिक्स' लगी, तो यह उनके लिए किसी वेद की तरह थी। इस किताब ने उनकी प्रतिभा को पंख दिए और उनकी नोटबुक्स में सूत्रों का अमृत उमड़ने लगा। रामानुजन का गणित केवल गणनाओं का खेल नहीं था; वह एक आध्यात्मिक यात्रा थी। उनकी कुलदेवी नमगिरी उनके लिए प्रेरणा की स्रोत थीं। वे कहते थे, 'हर सूत्र जो मेरे मन में आता है, वह देवी की कृपा है।' उनके लिए गणित और ईश्वर एक ही सत्य के दो रूप थे। उनकी रचनाएं— चाहे वह अनंत श्रृंखलाएं हों, निरंतर भिन्न हों, या विभाजन फलन — मानो ब्रह्मांड की गूढ़ भाषा में लिखी गई कविताएं थीं। उनकी पाई (π) की गणना के लिए दी गई श्रृंखलाएं इतनी सुंदर और सटीक थीं कि आज भी सुपरकंप्यूटर उनकी मदद लेते हैं। रामानुजन का विभाजन फलन, जो यह बताता है कि किसी संख्या को कितने तरीकों से छोटी संख्याओं के योग के रूप में लिखा जा सकता है, गणित में क्रांति ला गया। उनके थीटा फलन और मॉड्यूलर समीकरणों ने आधुनिक भौतिकी, क्रिप्टोग्राफी, और ब्लैक होल सिद्धांत तक में अपनी जगह बनाई। रामानुजन की प्रतिभा तब विश्व के सामने आई, जब उन्होंने 1913 में कैम्ब्रिज के प्रख्यात गणितज्ञ जी.एच. हार्डी को पत्र लिखा। उस पत्र में दर्जनों सूत्र थे, जिन्हें देख हार्डी स्तब्ध रह गए। पहले तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ कि कोई स्वशिक्षित भारतीय इतने गहन और मौलिक सूत्र लिख सकता है। हार्डी ने कहा, 'रामानुजन का गणित मानव मस्तिष्क से परे है; यह ईश्वर की प्रेरणा है।' रामानुजन को कैम्ब्रिज बुलाया गया, और वहां हार्डी के साथ उनकी जोड़ी ने गणित की दुनिया में तहलका मचा दिया। हार्डी-रामानुजन फॉर्मूला, जो प्राइम नंबर्स की गणना से संबंधित है, और उनकी संयुक्त शोध पत्रिकाएं आज भी गणित के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज हैं। रामानुजन की नोटबुक्स उनकी सबसे बड़ी विरासत हैं। इनमें हजारों सूत्र और प्रमेय हैं, जिनमें से कई को समझने में गणितज्ञों को दशकों लग गए। उनकी मॉक थीटा फलन, जिन्हें उन्होंने मृत्युशैया पर लिखा, गणित का एक ऐसा रहस्य है जिसे 21वीं सदी में पूरी तरह समझा गया। ये फलन आज क्वांटम भौतिकी और स्ट्रिंग सिद्धांत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनकी रीमान जेटा फलन से संबंधित खोजें आज भी गणित के सबसे बड़े अनसुलझे सवालों में से एक, रीमान हाइपोथेसिस, को समझने में मदद करती हैं। कैम्ब्रिज में उन्हें न केवल सांस्कृतिक और सामाजिक चुनौतियों का सामना करना पड़ा, बल्कि उनकी शाकाहारी जीवनशैली और इंग्लैंड की ठंडी जलवायु ने उनके स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया।

कुछ अलग

बिजली को झटका

जिस राज्य में उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली दी जा रही हो, वहां बिजली चोरी का चिंताजनक स्थिति तक पहुंच जाना, निश्चित ही गंभीर मसला है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड को यदि वर्ष 2024-25 में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है तो उसकी बड़ी वजह पंजाब में बिजली चोरी का बेहद गंभीर स्थिति को पार कर जाना है। ये नुकसान प्रतिदिन के हिसाब से 5.5 करोड़ रुपये बैठता है। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात तो यह है कि यह नुकसान सिस्टम की विफलता या प्राकृतिक आपदाओं के कारण नहीं हुआ है बल्कि जानबूझ कर सुनियोजित तरीके से की जा रही बिजली चोरी की वजह से हुआ है। राज्य में घाटे में चल रहे लगभग 77 फीसदी फीडर सीमावर्ती और पश्चिमी क्षेत्रों में स्थापित हैं, जिनमें पट्टी, भिखीविंड, अजनाला और जीरा जैसे डिवीजन शामिल हैं, जिनमें से कई संगठित बिजली चोरी के लिए कुख्यात हैं। भूमिगत कुंडी कनेक्शन से लेकर मीटर से छेड़छाड़ और पिलर बॉक्स को निष्क्रिय करके चोरी करना एक आम तरीका बन गया है। आरोप है कि ये चोरी आमतौर पर राजनीतिक व धार्मिक संस्थाओं के संरक्षण में होती है। दरअसल, इस विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि जबकि लोगों को पहले ही छह सौ यूनिट तक सब्सिडी वाली यानी कि मुफ्त बिजली का लाभ उठाने का मौका मिल रहा है, लेकिन इसके बावजूद बिजली चोरी की प्रवृत्ति कम नहीं हो रही है। दरअसल, पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड का संकट यहीं खत्म नहीं हो जाता। पीएसपीसीएल कुप्रबंधन व व्यवस्थागत संकटों से भी गंभीर रूप से जूझ रहा है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड कर्मचारियों की भारी कमी की चुनौतियों से जूझ रहा है। बिजली विभाग में 4900 से अधिक लाइनमैनों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन फिलहाल केवल 1313 लाइनमैन काम कर रहे हैं। अकेले लुधियाना में ही जूनियर इंजीनियर के आधे पद खाली हैं। बिजली चोरी रोकने तथा बेहतर व्यवस्था के लिये कर्मचारी भर्ती अभियान को गति दी जानी चाहिए। दरअसल, पीएसपीसीएल में पर्याप्त कर्मचारी न होने के कारण विभागीय कार्यक्षमता बुरी तरह से प्रभावित है। जब भी किसी इलाके में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न होता है तो तत्काल कार्रवाई बिजली बहाल करने के लिये नहीं हो पाती। फलतः लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती है। विभाग में पक्के मुलाजिमों की नियुक्ति न होने पर कम वेतन पाने वाले संविदा कर्मचारियों के जरिये व्यवस्था बनाने की कोशिश होती है। जिसके चलते संविदा कर्मचारियों द्वारा अकसर आंदोलन किया जाता है। वे खुद को पक्का करने की मांग करते रहते हैं। उनका आरोप होता है कि कम वेतन देकर उनसे ज्यादा काम कराया जाता है। जानकार मानते हैं कि सिर्फ संविदा कर्मचारियों पर अत्याधिक निर्भरता केवल तदर्थवाद को ही बढ़ाएगी। हालांकि, नियामक आयोग ने इस गड़बड़ी को भी चिन्हित किया है। लेकिन इससे ही समस्या का समाधान संभव नहीं है, संकट के निराकरण को गंभीर प्रयासों की जरूरत महसूस की जा रही है। इस समस्या का व्यापक स्तर पर समाधान तभी संभव है जब राज्य के नेतृत्व द्वारा इच्छा-शक्ति को दर्शाया जाएगा। समय की मांग है कि भारी घाटे वाले फीडरों में वित्तीय प्रबंधन के लिये लक्षित कार्रवाई की जाए। साथ ही लोगों को ईमानदारी से बिजली के उपयोग के लिये प्रोत्साहित किया जाए। उम्मीद की जानी चाहिए कि छेड़छाड़ न किये जा सकने वाले स्मार्ट मीटर लगाने से बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग सकेगा। इस दिशा में उठाए गए कदम समस्या का वास्तविक निस्तारण करने वाले होने चाहिए।

देश दुनिया से

पाकिस्तान को कड़ा सबक देना जरूरी है

आतंकी देश कभी सुधरने वाला नहीं है, इसलिए इस देश को सबक सिखाना जरूरी है। आने वाले दिनों में आतंकवाद के फन को और अधिक सख्ती से वुचलने की जरूरत है वहीं सुरक्षा बलों को अधिक मुस्तैद होने की आवश्यकता है। पाकिस्तान को कड़ा सबक देना जरूरी है जिस तरह पहलगाम में अपने देश में अपनी ही धरती पर हमारे छिपे गद्दारों की मदद से निदरेष हिन्दू पर्यंटकों का धरमिक पहचान के बाद बहशियाना नरसंहार किया गया है वह अक्षम्य है। अपनी दशकों पुरानी छदम युद्ध की हरकतों से बाज नहीं आ रहे आतंकी देश पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए भारत ने जिस प्रकार से कड़े कदम उठाए हैं, इसकी जरूरत काफी पहले से ही महसूस की जा रही थी। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा यह देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-चार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यंटकों पर हुए कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस प्रंट ने ली है। इसका प्रमुख सैपुल्लाह रावलकोट का रहने वाला है और खुफिया एजेंसियों को इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस हमले में पाकिस्तान का हाथ है। यही कारण है कि अब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए कईं कड़े कदम उठाए हैं। आप को बता दें कि भारत ने एक तरफ से पाकिस्तान को वूटनीतिक स्ट्राइक किया है, जिसका पाकिस्तान पर काफी गंभीर असर पड़ेगा और पहले से ही वंगाल पाकिस्तान और वंगाली के तरफ बभारत ने सबसे बड़ा कदम उठाते हुए सिधु जल समझौता स्थगित कर दिया है, वो भी तब तक जब तक कि पाकिस्तान आतंकवाद से तौबा न कर ले। नदियों के जल बंटवारे के लिए भारत और पाकिस्तान ने सिधु जल संधि 1960 में विश्व बैंक की मध्यस्था में की थी। इस सौंध पर कराची में 19 सितंबर 1960 को भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के राष्ट्रपत्ति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे। 1960 में हुए सिधु जल समझौते के बाद से भारत और पाकिस्तान में कश्मीर मुद्दे को लेकर तनाव बना हुआ है। हर प्रकार के असहमति और विवादों का निपटारा संधि के चे के भीतर प्रदत्त कानूनी प्रव्रियाओं के माध्यम से किया गया है। यह समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच कईं युद्ध होने के बाद भी बना हुआ था। मगर जब पानी सिर के ऊपर से बहने लगा है, तो भारत ने कदम उठाया है। यही कारण है कि देश के इस कदम को कईं एक्सपर्ट पहले बाटर युद्ध की शुरुआत बता रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सिधु जल समझौता भारत के लिए एक गलती की तरह से है। इस समझौते से पाकिस्तान को 6 नदियों का ज्यादातर पानी मिल गया। उन्होंने बताया कि साल 2016 में पीएम मोदी ने उरी आतंकी हमले के बाद कहा था कि 'खून और पानी एक साथ नहीं यह सकते हैं। मोदी सरकार को यह सिधु जल समझौता सस्पेंड करने का पैसला लेने में 8 साल लग गया। दरअसल ब्रिटिश शासन में दक्षिण पंजाब में सिधु नदी घाटी पर एक बड़ी नहर बनाईं गईं थी। इसके चलते इस क्षेत्र के किसानों को बहुत फायदा हुआ और यह एक प्रमुख वृषि क्षेत्र बनकर उभरा। 1947 में भारत के बंटवारे के बाद पंजाब भी दो हिस्सों में विभाजित हो गया। पूवा पंजाब भारत में आया, जबकि पामि पंजाब पाकिस्तान में चला गया। इसके दौरान सिधु नदी घाटी और इसकी नहरों का भी बंटवारा किया गया। इससे मिलने वाले जल के लिए पाकिस्तान पूरी तरह भारत पर निर्भर था। पानी के प्रवाह को बनाए रखने के उद्देश्य से 20 दिसंबर 1947 को पूवा और पामि पंजाब के चीफ इंजीनियरों के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें तय हुआ कि देश के विभाजन से पहले निर्धारित निाति जल का हिस्सा भारत 31 मार्च 1948 तक पाकिस्तान को देता रहेगा। समझौता खत्म होने के बाद भारत ने 1 अप्रैल 1948 को दो नहरों का पानी रोक दिया, जिससे पाकिस्तान के हिस्से वाले पंजाब में लाखों एकड़ वृषि भूमि के लिए सिचाईं जल मिलना काफी मुश्किल हो गया। हालांकि, दोनों देशों के बीच बाद में हुए समझौते के बाद भारत पानी छोड़ने पर सहमत हो गया। संधि के अनुसार भारत को पूवा नदियों राबी, ब्यास और सतलुज का पानी मिलता है, जबकि पाकिस्तान को पामि नदियों सिधु, झेलम और चिनाब का पानी मिलता है। यह संधि पाकिस्तान के लिए इसलिए फायदेमंद है, क्योंकि इन नदियों से वुल जल प्रवाह का लगभग 80 प्रतिशत उसे प्राप्त होता है, जो पाकिस्तान में विशेष रूप से पंजाब और सिध प्रांतों में वृषि के लिए महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान की 80 प्रतिशत खेती योग्य भूमि यानी लगभग 16 मिलियन हेक्टेयर सिधु नदी प्रणाली के पानी पर निर्भर है। इस पानी का 93 प्रतिशत हिस्सा सिचाईं के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जो देश की वृषि के लिए मुफीद है। सिधु जल संधि 237 मिलियन से अधिक लोगों का भरण-पोषण करती है, जिसमें पाकिस्तान की सिधु बेसिन की आबादी का 61 प्रतिशत हिस्सा है। यही कारण है कि इस समझौते से पीछे हटने के बाद पाकिस्तान बौखला गया है और भारत को धमकी दे रहा है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने एक मईं से अटारी बॉर्डर बंद करने का ऐलान किया है। जो लोग वैध तरीके के साथ सीमा पार कर चुके हैं, वे 1 मईं 2025 से पहले उस मार्ग से वापस आ सकते हैं। अठारी वाघा सीमा भारत और पाकिस्तान के बीच सड़क मार्ग से होने वाले व्यापार का प्रमुख वेंद्र है। 2019 में भारत द्वारा पाकिस्तान को मोस्ट पेवर्ड नेशन का दर्जा वापस लेने और व्यापारिक रिश्तों में कटौती के बाद भी वुछ वस्तुओं ताजे फल, सीमेंट और टमाटर का आयात-निर्यात इस सीमा के जरिए होता रहा है। इस चेकपोस्ट के बंद होने से पाकिस्तान को भारत से टमाटर, चीनी, चाय और अन्य आवश्यक वस्तुओं का आयात प्रभावित होगा, जिससे वहां इन वस्तुओं की कीमतें बड़ सकती हैं। भारत ने नईं दिल्ली में पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा/सैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को 'व्यक्ति गैर- वांछित' घोषित किया गया है और उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक सप्ताह का समय दिया गया है। दोनों उच्चायोगों से सेवा सलाहकारों के पांच सहायक कर्मचारियों को भी वापस बुलाया जाएगा। इसका असर होगा कि पाकिस्तान की इंटरनेशनल बेइज्जती होगी। उस पर आतंकवादी देश होने का तमगा और मजबूत होगा। हर देश उससे दूरी बनाकर रखना चाहेगा और उसके नागरिकों को दूसरे देशों में आतंकवादी होने के शक में चीजा लेने में दिक्कत होगी, जो दूसरे देशों में रह रहे हैं, उन्हें भी संदेह की नजरों से देखा जाएगा। पाकिस्तान में कोईं निवेश नहीं करना चाहेगा। भारत में स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के कर्मचारियों की वुल संख्या को वर्तमान 55 से घटाकर 30 कर दिया जाएगा। ये 01 मईं 2025 तक किया जाना है।

आप का नजरिया

पहलगाम के बाद

पहलगाम का आतंकी हमला हताशा में किया गया एक ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण ढंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की 'गले की नस' बताकर 22 अप्रैल के हमले की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नींद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत है कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमले की एकजुट होकर निंदा की गई है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज छात्र शिक्षा क्षेत्र में चमकेंगे और नवीन तरीकों से समस्याओं को सुलझाने की अपनी विशेष प्रतिभा के लिए पहचान हासिल करेंगे.व्यवसाय क्षेत्र में, आप प्रशंसा प्राप्त करेंगे और अच्छा उत्थान या पदोन्नति भी प्राप्त कर सकते हैं. आपकी लोकप्रियता बहुत बढ़ जाएगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी जबकि आपके खर्च घटेंगे. बचत आपके आत्मविश्वास–स्तर को बढ़ावा देगी. आपका पारिवारिक जीवन आरामदायक और सुखद रहेगा. आपका जीवनसाथी के साथ तालमेल बहतर रहेगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज रुके हुए काम जल्दी पूरे हो सकते हैं. जो काम आप काफी समय से करने की सोच रहे हैं, वो कर लेंगे. किसी बोझ या अनचाहे साथी से भी आपको छुटकारा मिल सकता है. अचानक इनकम बढ़ेगी. किसी उलझी हुई स्थिति को सुलझाने में आप सफलरहेंगे. अपने प्रेमीजनों की जरूरतों और उनकी बातों को समझने की कोशिश करें. परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज व्यवसाय के सिलसिले में विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है. परिवार में आपके गुणों की प्रशंसा होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा. नयी तकनीक को अपनाने से आपके काम में वृद्धि होगी. आप अपनी कोई बात दोस्तों से शेयर कर सकते हैं. शनिवार का दिन खुद में बदलाव लाने के लिये अच्छा है. आपको आगे बढ़ने के लिए नई योजनाएँ बनानी पड़ सकती है. ब्राह्मण को मिष्ठान भोग अर्पित करें कार्य सिद्धि होगी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

ऑफिस में उच्च पदाधिकारियों द्वारा काम की सराहना होगी और वे आपके प्रेरणा स्रोत बनेंगे. आपकी शोहरत बढ़ेगी और आप आसानी से दूसरे लिंग के लोगों को अपनी तरफ़ आकर्षित करेंगे. नशीले पदार्थों का सेवन ना करें. आपको इससे काफी नुकसान हो सकता है. साथ ही देर रात में वाहन ना चलाएं. दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी. आपको अपने पार्टनर के प्रति वफादार रहने की जरूरत है.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन आपके लिए कुछ परेशानी वाला हो सकता है.नौकरी पेशा जातकों के लिए के लिए यह समय मुश्किल भरा हो सकता है . आर्थिक पक्ष में गिरावट संभव है . आपके जीवनसाथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उन्हें चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत हो सकती है. सही समय पर आपकी सहायता किसी को बड़ी परेशानी से बचा सकती है. प्रेम संबंधन को बहुत ही सावधानी और समझदारी से निभाने की जरुरत होगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

परेशान लोगों को कुछ राहत मिल सकती है. धन की बचत करने में सफल रहेंगे. अपनी कोशिशों के दम पर सही समय पर सही जगह आप मौजूद रहेंगे और इससे आपके रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं. घर–परिवार या पड़ोस में कोई कठिन परिस्थिति बने तो सकारात्मक रहें.दाम्पत्य जीवन में सुख मिलेगा. शादी लायक लोगों को आज ऑफर मिल सकते हैं. लोग आपकी सलाह मानेंगे. आज आप थोड़ा संतुलित व्यवहार रखें.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप अपने जीवन को और बेहतर बनाने के लिए अग्रसर रहेंगे. ऑफिस में आप किसी तरह की राजनीति में उलझ सकते हैं. इससे आपका कुछ समय खराब हो सकता है. घर में नए मेहमान के आने की संभावना है, जिससे आपका मन खुश रहेगा. ऑफिस में काम की अधिकता थोड़ी ज्यादा हो सकती है. आज आप दोस्तों के साथ समय बितायेंगे. उनके साथ किसी नए विषय पर बातचीत कर सकते हैं। देवमंदिर मे दीपक प्रज्वलित करें , आपका दिन बेहतर गुजरेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन शुरू किया गया निर्माण का कार्य संतोषजनक रूप से पूरा होगा. आज आपका जीवनसाथी आपकी सेहत के प्रति असंवेदनशील हो सकता है. आप अपने परिजनों से मिलने जाएंगे. यह मुलाकात काफी लंबे समय बाद हो रही है. इससे आप बहुत ही खुश होंगे. आकस्मिक यात्रा हो सकती है. आर्थिक पक्ष मजबूत होगा.पारिवारिक यात्रा का माहौल बनेगा, अपनी सामर्थ्य अनुसार गौसेवा करें मानसिक शान्ति मिलेगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

छात्रों को सामान्य से अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, फिर भी वे अपने निरंतर प्रयासों से सफलता प्राप्त कर सकते हैं. आपको अध्ययन के प्रति अपने दृष्टिकोण में अधिक ध्यान केंद्रित होना होगा. यदि आप नई नौकरी की तलाश कर रहे हैं, तो आपके रास्ते में बहुत सारे अवसर हो सकते हैं और यहां तक कि चुनने के लिए विकल्प भी हो सकते हैं. महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए दूसरों पर निर्भर रहना आपको परेशानी में डाल सकता है.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

घर पर ज्यादा समय देना पड़ेगा. आपको जरूरत पड़ने पर परिवार के लिए कुछ त्याग भी करना पड़ सकता है. प्रेम संबंधों के लिए अच्छा समय है. दिन भी अच्छा रहेगा. सुख मिलेगा. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. सेहत अच्छी रहेगी. कोई ऐसी बात आपके सामने आ सकतीहै जिससे आपको भविष्य में होने वाले फायदे का संकेत मिल सकता है. किसी भी मामले को गंभीर होकर निपटा लें. कोई टेंशन भी जल्दी खत्म हो सकती है. मन में उत्साह रहेगा.

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

करियर के मामले में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. कार्यक्षेत्र में आपको धन लाभ के अवसर मिलेंगे. आप ऐसे लोगों के साथ जुड़ेंगे, जो आपकी हर तरह से मदद के लिये तैयार रहेंगे. आपके सगे–संबंधी आर्थिक रूप से आपकी मदद के लिए तैयार रहेंगे. बिजनेसमैन को बेहतर अपॉर्चुनिटिज़ मिलेगी. आपके परिवार में ख़ुशी का माहौल रहेगा. साथ ही घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा. आपका कोई जरुरी काम पूरा होगा. देवी मंत्र का स्मरण जप पाठ करें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपका या परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. मतभेद के चलते व्यक्तिगत संबंधों में दरार पड़ सकती है. यात्रा आपके लिए आनन्द दायक और बहुत फ़ायदेमंद होगी. पारिवारिक जीवन में अब तक का सबसे सुनहरा पल देखने को मिलेगा. किसी भी प्रकार के अनैतिक कार्यों से दूर रहने की गणेशजी सलाह देते हैं. ध्यान और आध्यात्मिकता मन को शांति प्रदान करेंगे. मेहनत करें भाग्य बदल जाएगा. समय रहते कार्य पूरा करें.

आज का पंचांग

दिनांक : 29 अप्रैल 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वितीया सायं 05:34 तक
नक्षत्र : कृतिका रात्रि 06:48 तक
योग : सौभाग्य सायं 03:53 तक
करण : बालव प्रातः 07:21 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 , सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51 , सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:26 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चन्द्रदर्शन,
श्री परशुराम जयंती , श्री शिवाजी जयंती

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री ने की पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग की समीक्षा

जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन स्थलों पर विश्वस्तरीय सुविधाएं विकसित करने के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राजस्थान की गौरवशाली विरासत के संरक्षण के कार्य सुनिश्चित करें ताकि आने वाली पीढ़ियां हमारे इतिहास को समझें, जानें और गौरवान्वित महसूस करें। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर पर्यटन, कला, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की बजट घोषणाओं पर आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यटन से संबंधित सभी विकास कार्य तय समय पर पूरे किए जाएं। समय पर कार्य पूरा नहीं होने से लागत में वृद्धि होती है जिससे राजस्व की हानि भी होती है। लम्बित कार्यों के लिए संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाए।

शर्मा ने पर्यटन विभाग को जयपुर में राज्य स्तरीय संग्रहालय बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस संग्रहालय में राजस्थान के सभी क्षेत्रों की रियासतकालीन विरासत और बहुरंगी कला–संस्कृति को प्रदर्शित किया जाए ताकि किसी भी क्षेत्र से आने वाला आगन्तुक प्रदेश की धरोहर से रूबरू हो सके।मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शेखावाटी क्षेत्र की पुरानी हवेलियों के संरक्षण के लिए जरूरी कदम उठाएं। हवेलियों के स्थापत्य को नुकसान न हो और आवश्यकता पड़ने पर जीर्णोद्धार के कार्य भी करवाए जाएं। इस संबंध में संबंधित जिला कलक्टरों को निर्देशित किया जाए।शर्मा ने पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक युवाओं का कौशल एवं रोजगार प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। शर्मा ने राजीविका, हेन्डीक्राफ्ट, ज्वैलरी, ब्लॉक प्रिन्टिंग के समुचित प्रचार–प्रसार के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने पुष्कर में ब्रह्मा मंदिर कॉरिडोर के कार्य की समीक्षा करते हुए कहा कि इसे प्रमुख धार्मिक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए और पर्यटकों को विश्व स्तरीय सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।

अत्याधुनिक हवाई सुविधाओं के विस्तार से अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति: भजनलाल

जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हवाई सुविधाओं का विस्तार करने के लिए राज्य सरकार ने दूरगामी निर्णय लिए हैं। इससे पर्यटन, शिक्षा एवं व्यापारिक गतिविधियों में वृद्धि होगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को अपेक्षित गति मिलेगी। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नागरिक उड्डयन विभाग की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक हवाई सुविधाएं उपलब्ध करने के क्रम में कोटा ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट महत्वपूर्ण साबित होगा। इस एयरपोर्ट के विकास के लिए राज्य सरकार एवं भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के मध्य एमओयू हो चुका है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की ईएचवी लाइन शिफ्टिंग और आरअ–रवीपीएनएल की लाइन शिफ्टिंग के कार्य में तेजी लाएं।

भजनलाल शर्मा ने की जनसुनवाई, अधिकारियों को दिए निर्देश

जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई करते हुए आमजन की परिवेदनाओं को आत्मीयता के साथ सुना और अधिकारियों को परिवेदनाओं के निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार आमजन को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए कटिबद्ध है। प्रत्येक फरियादी की समस्या को सुनना और उसका निस्तारण सुनिश्चित करना हमारी सरकार का मूलमंत्र है।

मुख्यमंत्री ने जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण कर आमजन को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित भी रहे।जनसुनवाई के दौरान जयपुर निवासी रामसिंह राजोरिया ने मुख्यमंत्री को चावल के एक दाने पर उकेरी अयोध्या स्थित रामलला मंदिर की प्रतिकृति भेंट की। शर्मा ने राजोरिया की माइक्रो आर्ट की प्रशंसा की। राजोरिया ने सूक्ष्मतम हस्तलिखित श्री भगवत् गीता के बारे में भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा

मंदिर प्राण–प्रतिष्ठा सहित 18 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

भीलवाड़ा, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।। ऋषि श्रृंग सिखवाल ब्राह्मण सेवा समिति त्रिवेणी संगम माण्डलगढ़, भीलवाड़ा (राजस्थान) के तत्व–ाधान में 17 से 25 अप्रैल तक के प्राण–प्रतिषा महोत्सव पर पूजा, यज्ञ एवं अन्य धार्मिक आयोजन भव्यता से सम्पन्न हुए। 25 अप्रैल को प्रातः 9:21 बजे से मुख्य अतिथि हीरालाल उपाध्याय, रामदेव उपाध्याय हैदराबाद व विशेष अतिथि अनिरुद्धप्रसाद उपाध्याय रायपुर, निर्मल जोशी चितौडगढ., डॉ. एस.एन. तिवाड़ी मुबई के उपस्थिति में मंदिर प्राण–प्रतिष्ठा में ऋषि श्रृंग–शांता माता एवं भगवान श्री रामचन्द्रजी की मूर्तियों की प्राण–प्रतिष्ठा का वार्य सम्पन्न हुवा।

इसी क्रम में शालीग्राम–तुलसी माता सहित 18 जोड़े परीणय सूत्र में बंधे। सम्पूर्ण भारतवर्ष से पधारे सैकड़ों स्वजाति बंधुओं ने नवविवाहित जोड़ों को आशीश प्रदान किया, वरमाला, फेरे व स्टेज के पश्चात् सायंकाल कार्यक्रम साथ ही समाज के भा भामाशाहो व अन्य कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ।कार्यक्रम को भव्य बनाने मे समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण उपाध्याय, संयोजक शिवराज शर्मा एवं मोडीराम व्यास तथा समिति से जुड़े सभी पदाधिकारियों की मेहनत रंग लाई।

आज ऋषि श्रृंग भवन पर नन्दकिशोर व्यास बिलाल, सीए घनश्याम, मोतीलाल तिवाड़ी, रामदेव नागला, सुरेश व्यास जानम, ब्रिजेश तिवाड़ी, अनिल जायलवाल, मुरलीधर व्यास, चन्द्रभान व्यास व कन्हैयालाल ओझा ने त्रिवेणी संगम पर समिति के सदस्यों द्वारा किये गये भव्य आयोजन की भूरी भूरी प्रशंसा की। समाज हित में किये गये कार्य को सराहा व भारत के हर क्षेत्र में ऐसे सामूहिक कार्यों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

कांग्रेस की संविधान बचाओ रैली

खड़गे, गहलोत, पायलट और डोटासरा ने मोदी सरकार पर उठाए सवाल

जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस की 'संविधान बचाओ रैली' में सोमवार को पार्टी के शीर्ष नेताओं ने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट और प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने प्रधानमंत्री मोदी पर कई गंभीर सवाल उठाए और उनकी नीतियों को कठघरे में खड़ा किया।

मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री मोदी क्यों नहीं आए? जब देश के स्वाभिमान पर हमला हो, तब आप चुनावी भाषण देने बिहार क्यों गए? सर्वदलीय बैठक में प्रधानमंत्री की मौजूदगी होती तो हम सब को मदद के बारे में योजनाएं पता चलतीं।

उन्होंने बीजेपी और हिंदुत्व के मुद्दे पर भी सवाल उठाए। खड़गे ने कहा, अमित शाह ने संसद में बाबा साहेब अंबेडकर के नाम पर नफरत करने का बयान दिया। अंबेडकर जितना भगवान का नाम लेते तो स्वर्ग मिल जाता, लेकिन अब वह यह तय नहीं कर सकते कि स्वर्ग मिलेगा या नहीं। खड़गे ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा, मैं भी हिंदू हूं और मेरा नाम तो 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। अमित शाह और मोदी दलितों और पिछड़ों को झुकाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन दलित झुकने वाले नहीं हैं। गौविंद सिंह डोटासरा ने मोदी से पूछा, पहले पुलवामा में हुआ, अब पहलगाम में हुआ। यह चूक कहां हुई? मोदीजी आपने जो वादे किए थे, उनका क्या हुआ? एक के बदले 100 सिर कब आएंगे? पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गांधी परिवार का बचाव किया, सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर हमला किया जा रहा है। गांधी परिवार ने देश के लिए बलिदान दिए हैं। पंडित नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश के लिए अपनी जान दी। आज उन्हें और उनके परिवार को निशाना बनाया जा रहा है।सचिन पायलट ने संविधान पर हमलों का विरोध करते हुए कहा, बीजेपी संविधान को कमजोर कर रही है और चुनाव आयोग की भूमिका पर सवाल उठा रहे हैं। महाराष्ट्र में वोटर्स से ज्यादा वोट पड़े, इस पर चुनाव आयोग चुप है।रैली में कांग्रेस नेताओं ने मोदी सरकार की नीतियों पर कड़ी आलोचना करते हुए संविधान को बचाने का संकल्प लिया। खड़गे, गहलोत, पायलट और डोटासरा ने जनता से बीजेपी के खिलाफ संघर्ष जारी रखने की अपील की।

हरियाणा में बड़ा बदलाव : अब ऑफलाइन सर्टिफिकेट नहीं होंगे मान्य

चंडीगढ़, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के निवासियों के लिए सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब ऑफलाइन बनाए गए प्रमाण पत्र किसी भी सरकारी काम के लिए इस्तेमाल नहीं किए जा सकेंगे। सरकार ने साफ कर दिया है कि जन्म प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र सभी कागजात अब केवल ऑनलाइन ही मान्य होंगे।

इस नीति के तहत सरकार ने सभी ऑफलाइन प्रमाण पत्रों को अमान्य घोषित कर दिया है और आदेश दिया है कि केवल उन्हीं प्रमाण पत्रों को स्वीकार किया जाएगा, जिन पर क्यूआर कोड होगा और जो कंप्यूटर से तैयार किए गए होंगे।

पहले लोग सरकारी दफ्तरों से हाथ से लिखे या हाथ से बनाए गए प्रमाण पत्र प्राप्त करते थे। लेकिन अब इस तरीके को आधिकारिक तौर पर खत्म कर दिया गया है। हरियाणा सरकार का दावा है कि सभी प्रमाण पत्र डिजिटल पोर्टल पर उपलब्ध हैं। जब भी कोई व्यक्ति जन्म, मृत्यु, जाति या निवास प्रमाण पत्र बनवाएगा या कहीं जमा करेगा, तो उसे ऑनलाइन माध्यम से क्यूआर कोड वाला डिजिटल प्रमाण पत्र देना होगा।

हरियाणा विस अध्यक्ष ने गठित की विधान सभा की 8 कमेटियां

चंडीगढ़, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए विधानसभा की 8 समितियों का गठन किया है। विधान सभा अध्यक्ष के आदेशानुसार विधान सभा सचिवालय ने इस संबंध में सोमवार को अधिसूचना जारी कर इसे हरियाणा सरकार के राजपत्र के असाधारण अंक के प्रकाशन के लिए भेज दिया है। अधिसूचना को सूचनार्थ सभी विधायकों, प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव, महाधिवक्ता, प्रशासनिक सचिव, सभी विभागाध्यक्षों, प्रधान महालेखाकार लेखापरीक्षा और लेखा एवं हकदारी को भी भेजा गया है।

विधान सभा की लोक लेखा समिति में विधायक चौ. आफताब अहमद सभापति होंगे। इस समिति में विधायक ओम प्रकाश यादव, विनोद भ्याना, यो–गेन्द्र सिंह राणा, कंवर सिंह, मनमोहन भड़ाना, पूजा, अर्जुन चौटाला और आदित्य सुरजेवाला को सदस्य नामित किया गया है।

प्राक्कलन समिति में विधायक प्रमोद कुमार विज सभापति तथा विधायक सावित्री जिंदल, चौ. अकरम खान, तेजपाल तंवर, चन्द्र प्रकाश, जगमोहन आनंद, डॉ. कृष्ण कुमार, निखिल मदान और राजबीर सिंह फरटिया को सदस्य बनाया गया है।सार्वजनिक उपक्रमों पर समिति में सभापति की जिम्मेदारी विधायक राम कुमार गौतम को सौंपी गई है। इस समिति में विधायक निर्मल सिंह, गीता भुक्कल, मूलचंद शर्मा, बलवान सिंह दौलतपुरिया, शक्ति रानी शर्मा, अनिल यादव, सुनील सतपाल सांगवान और दे–वेन्द्र सिंह कादयान को सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है।

16वें वित्त आयोग ने की आला अधिकारियों के साथ बैठक

वित्त प्रबंधन और भविष्य के रोडमैप पर की गई चर्चा

चंडीगढ़, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया और सदस्यों ने सोमवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व राज्य के आला अधिकारियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री, जिनके पास वित्त मंत्री का प्रभार भी है, ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राज्य के वित्तीय मामलों और रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में हरियाणा के आर्थिक ढांचे से संबंधित वित्तीय मुद्दों का समाधान और संसाधनों के आवंटन को बढ़ाने पर चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, सूचना, जनसंपर्क, भाषा एवं संस्कृति विभाग के आयुक्त एवं सचिव डॉ. अमित अग्रवाल तथा और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के महानिदेशक पंकज ने वर्ष 1966 से लेकर हरियाणा के भारत के आर्थिक ढांचे में प्रमुख योगदानकर्ता बनने तक की यात्रा पर एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। इस प्रस्तुति में हरियाणा के मजबूत आर्थिक प्रबंधन और भविष्य के लिए रोडमैप को रेखांकित किया गया। राज्य के आर्थिक प्रदर्शन के बारे में जानकारी देते हुए आयोग को अवगत कराया गया कि वर्ष 2024–25 के लिए हरियाणा का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 6,77,033 करोड़ रुपए अनुमानित है। देश में प्रमुख राज्यों में

हरियाणा 3,53,182 रुपए प्रति व्यक्ति आय के साथ दूसरे स्थान पर है। इसके अतिरिक्त, हरियाणा देश का पहला राज्य है जिसने राज्य में सभी फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद सुनिश्चित की है।समावेशी विकास के प्रति हरियाणा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए आयोग को अवगत कराया गया कि राज्य ने गरीबी रेखा से नीचे परिवारों की पहचान हेतु वार्षिक आय सीमा 1.80 लाख रुपए निर्धारित की है। स्वास्थ्य क्षेत्र में, आयुष्मान भारत और चिरायु स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत हरियाणा की 61.84 प्रतिशत जनसंख्या यानी 47 लाख परिवारों को स्वास्थ्य सेवाओं का कवरेज प्राप्त हो चुका है। आयोग को अवगत कराया गया कि केंद्र से कम हिस्से (सेंट्रल डेवल्यूशन) के बावजूद राज्य का राजकोषीय घाटा और देनदारियां वित्त आयोग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के भीतर ही रही है। वर्ष 2024–25 में भारत के कुल जीएसटी संग्रहण में योगदान के मामले में हरियाणा पांचवें स्थान पर है। इसके अलावा, प्रति व्यक्ति जीएसटी संग्रहण में हरियाणा प्रमुख राज्यों में पहले स्थान पर है। हरियाणा की वित्त प्रबंधन और कर प्रशासन व्यवस्था उल्लेखनीय है। आयोग को अवगत कराया गया कि सतत विकास लक्ष्यों के भारत सूचकांक में हरियाणा ने परफॉर्मर श्रेणी से फ्रंट रनर श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है और वर्ष 2023–24 में राष्ट्रीय स्तर पर 13वां स्थान हासिल किया है। भविष्य की योजनाओं और रोडमैप को साझा करते हुए आयोग को मिशन हरियाणा2047 के बारे में अवगत कराया गया।

नेपाल सीमा से सटे जिलों के अवैध कब्जों पर पूरे दिन गरजा बुलडोजर

लखनऊ, 28 अप्रैल (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सोमवार को भी नेपाल सीमा से सटे जिलों में अवैध कब्जों और बिना मान्यता संचालित धार्मिक संस्थानों के खिलाफ पूरे दिन बुलडोजर चला। प्रदेश के श्रावस्ती, बहराइच, सिद्धार्थनगर, लखीमपुर खीरी और महाराजगंज विशेष अभियान चलाया गया। इनमें श्रावस्ती, बहराइच में अवैध निर्माण ध्वस्त किए गए। वहीं सिद्धार्थनगर में 12 अवैध निर्माण को चिन्हित कर कब्जेदारों को नोटिस जारी की गयी है जबकि लखीमपुर खीरी में अवैध निर्माण के चिन्हीकरण की कार्रवाई पूरे दिन चली, लेकिन कोई अवैध निर्माण नहीं पाया गया। सरहद की बेशकीमती भूमि पर इन लोगों ने लंबे समय से अवैध रूप से कब्जा जमाया हुआ था जिन्हें अब योगी सरकार ने मुक्त कराने का अभियान छेड़ा है।

बहराइच जिलाधिकारी मोनिका रानी ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश सोमवार को भी अवैध निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की गयी। उन्होंने बताया कि तहसील नानपारा के अंतर्गत भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा के 0 से 10 किलोमीटर क्षेत्र में सरकारी भूमि पर 227 अवैध अतिक्रमण के मामले चिन्हित किए गए थे। इनमें से सोमवार को 2 अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया जबकि पिछले चार दिनों में 89 अवैध अतिक्रमण हटवाए गए। अब तक कुल 91 अवैध कब्जेदारों से सरकारी भूमि को मुक्त कराया जा चुका है। वहीं तहसील मिहींपुरवा के तहत भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा के 0 से 10 किलोमीटर क्षेत्र में सरकारी भूमि पर 157 अवैध अतिक्रमण के मामले चिन्हित किए गए थे। इनमें से सोमवार को 4 अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया जबकि 27 अप्रैल को 12 अवैध अतिक्रमण हटवाए गए। अब तक कुल 16 अवैध कब्जेदारों से सरकारी भूमि को मुक्त कराया जा चुका है। वहीं कुल 7 मदरसों के खिलाफ कार्रवाई की गयी।

श्रावस्ती जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने बताया कि सोमवार को बिना मान्यता के संचालित 12 मदरसों पर कार्रवाई की गई है। तहसील जमुनहा में 6, तहसील भिनगा में 4 और तहसील इकौना में 2 मदरसों को वैध कागजात न होने पर सील कर दिया गया। अब तक कुल 32 बिना मान्यता के संचालित मदरसों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इसके अतिरिक्त, भारत-नेपाल सीमा से सटे 0-15 किलोमीटर क्षेत्र में अस्थाई व स्थाई अवैध कब्जों के 8 मामलों में भी राजस्व संहिता की धारा-67 के तहत बेदखली की कार्रवाई की गयी। अब तक 127 मामलों में बेदखली की कार्रवाई की गयी है। इसी तरह भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास ग्राम भरथा रोशनगढ़ परगना व तहसील भिनगा स्थित मस्जिद गाटा संख्या 334/0.073 हेक्टेयर व गाटा संख्या 334/0.073 हेक्टेयर पर निर्मित है। इसका आंशिक भाग सरकारी भूमि पर निर्मित होने पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गयी।

महाराजगंज जिलाधिकारी अनुनय झा ने बताया कि भारत नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा के 10 किमी की परिधि में अवैध निर्माण को चिन्हित करने की कार्रवाई के दौरान राजस्व ग्राम सोनपिपरी खुर्द के गाटा संख्या 40 जो नो मेन्स लैंड में स्थित है। यहां पर एसएसबी चेक पोस्ट के ठीक सामने चादर और मिट्टी डालकर मजार के रूप में विकसित करने के नियत से धार्मिक क्रिया कलाप किया जा रहा था। इस पर राजस्व और एसएसबी टीम के साथ स्थानीय ग्राम प्रधान की उपस्थिति में संरचना को हटवाया गया। वहीं बार्डर क्षेत्र के ग्राम रामनगर थाना ठुठीबारी में पोखर की भूमि पर अवैध मदरसे को ध्वस्त किया गया।

लखीमपुर खीरी जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने बताया कि सीएम योगी के निर्देश तहसील पलिया में सोमवार को अवैध निर्माण के चिन्हिकरण की कार्रवाई पूरे दिन चली, लेकिन सर्च ऑपरेशन के दौरान अभी तक कोई भी अवैध निर्माण नहीं मिला है। उन्होंने बताया कि सर्च ऑपरेशन लगातार चलाया जाएगा और अवैध निर्माण मिलने पर कार्रवाई की जाएगी। इसी तरह सिद्धार्थनगर जिलाधिकारी ने बताया कि जिले में 12 अवैध निर्माण को चिन्हित किया गया है। इन कब्जेदारों को नोटिस जारी की गयी है। यदि अवैध कब्जेदार निर्माण नहीं हटाते हैं तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए अवैध निर्माण को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जाएगी। योगी सरकार ने स्पष्ट किया है कि नेपाल सीमा के 15 किलोमीटर दायरे में किसी भी प्रकार के अवैध कब्जे, धार्मिक या शैक्षणिक संस्थान के अवैध संचालन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन को निर्देश दिए गए हैं कि चिन्हित अतिक्रमणों को शीघ्रता से हटाया जाए और नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

एक्शन में उत्तर प्रदेश सरकार

सभी पाकिस्तानियों को वापस भेजा गया

लखनऊ, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार के निर्देश पर उत्तर प्रदेश से पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देश और पल-पल मॉनिटरिंग का नतीजा है कि पूरे देश में उत्तर प्रदेश पहला राज्य है, जहां 24 घंटे के अंदर प्रदेश में रह रहे शत-प्रतिशत पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर कर दिया गया है। वहीं अंतिम बचे एक पाकिस्तानी नागरिक को बुधवार को वापस भेज दिया जाएगा। पुलिस विभाग और खुफिया एजेंसी द्वारा लगातार उस पर नजर रखी जा रही है।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कड़ा एक्शन लेते हुए कई अहम निर्णय लिया। इस दौरान केंद्र सरकार ने देश के सभी राज्यों को एडवाइजरी जारी करते हुए पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश भेजने के निर्देश दिये।

इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गृह विभाग समेत अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक की। सीएम योगी ने बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि प्रदेश में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को तत्काल प्रदेश से बाहर करने के साथ उन्हे उनके देश रवाना किया जाए। इसके साथ ही सीएम ने निर्देश दिए थे कि पाकिस्तानी नागरिक वापस अपने देश ही जाएं इसके लिए उनके साथ पुलिस दल को भेजा जाए ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वह अपने वतन लौट गए हैं। सीएम योगी के निर्देश के बाद प्रदेश के सभी 75 जिलों को अलर्ट करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पूरे प्रदेश के 75 जिलों में पाकिस्तानी नागरिकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ताबड़तोड़ उन्हे वापस भेजने की व्यवस्था की गई। डीजीपी ने बताया कि प्रदेश में रह रहे शत-प्रतिशत पाकिस्तानी नागरिकों को वापस उनके देश भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि पाकिस्तानी नागरिकों के वतन वापसी को पुख्ता करने के लिए विभिन्न जिलों से पाकिस्तानी नागरिकों के साथ स्थानीय पुलिस दल को भेजा गया। डीजीपी ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश में केवल एक पाकिस्तानी नागरिक रह रहा है, जिसे 30 अप्रैल को पाक भेज दिया जाएगा।

197 पिलर से थमेगा यूपी हरियाणा 51 साल पुराना विवाद

3474 एकड़ भूमि को लेकर है किसानों का झगड़ा

अलीगढ़, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश और हरियाणा के किसानों के बीच यमुना खादर की भूमि पर चले आ रहे सीमा विवाद के जल्द समाधान की उम्मीद जगी है। 51 साल बाद फिर से सीमा के निर्धारण के लिए पिलर लगाने का काम शुरू होने जा रहा है। 126 करोड़ रुपये से सहारनपुर से अलीगढ़ के बीच करीब 1287 पिलर लगाए जाएंगे। इनमें अलीगढ़ की सीमा में 197 पिलर लगेंगे।

हाल ही में इस संबंध में शासन स्तर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये राजस्व आयुक्त, सर्वे ऑफ इंडिया के निदेशक, मंडलायुक्त मेरठ, अलीगढ़, बागपत, गौतमबुद्ध नगर, सहारनपुर, शामली जिलों के अधिकारियों के बीच बैठक हुई है। इसमें जल्द पिलर लगाने का कार्य शुरू करने पर जोर दिया गया है। खास बात यह भी है कि हरियाणा और यूपी में दोनों जगह भाजपा की ही सरकार है। पहले दोनों राज्यों में अलग-अलग सरकार होने पर हितों का टकराव होता रहता था।

इस बार जो पिलर लगाए जा रहे हैं, उनका डिजाइन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने तैयार किया है। सेटेलाइट सर्वे के आधार पर सर्वे ऑफ इंडिया ने सीमा का निर्धारण किया है। हरियाणा और यूपी के किसानों के बीच यमुना किनारे की 325 किलोमीटर की भूमि इस विवाद की जद में है। आजादी के पहले से किसानों से बीच इसको लेकर संघर्ष होता रहा है। 1970 के दशक में केंद्र सरकार ने इसके समाधान के लिए दीक्षित अवार्ड घोषित किया था। इसकी सिफारिशों के अनुरूप वर्ष 1974 में पिलर लगाए गए थे। इन पिलर में कुछ यमुना की बाढ़ में बह गए तो कुछ को किसानों ने उखाड़ दिया। विवाद बरकरार रहा और किसानों के बीच खूनी संघर्ष होते रहे। प्रदेश स्तर से ही यूपी-हरियाणा के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को हल करने के लिए पिलर लगाए जाएंगे। जिले में कुल 197 पिलर लगेंगे। इससे प्रभावित किसानों को फायदा मिलेगा।- पंकज कुमार, एडीएम प्रशासन

अलीगढ़ के ताले और लोगों की किस्मत खुलेगी

ग्लोबल टैरिफ वार अलीगढ़ के ताले के लिए गोल्डन चांस

लखनऊ, 28 अप्रैल (ब्यूरो)। चीन और अमेरिका के बीच चल रहे टैरिफ युद्ध ने अलीगढ़ के ताला उद्योग के लिए सुनहरा अवसर पैदा किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी नीतियों और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने के प्रयासों ने इस अवसर को और मजबूत किया है। अलीगढ़, जो पहले से ही ताला उद्योग का केंद्र है, अब वैश्विक बाजार में अपनी स्थिति को और सुदृढ़ करने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

वोल्ज़ा के निर्यात डेटा के अनुसार, भारत, चीन और वियतनाम ताले और हार्डवेयर के प्रमुख निर्यातक देश हैं। 17 अप्रैल 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार, भारत 40,664 शिपमेंट के साथ ताला हार्डवेयर निर्यात में विश्व में शीर्ष पर है। इसके बाद चीन (30,289 शिपमेंट) और वियतनाम (4,836 शिपमेंट) का स्थान है। अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 तक भारत ने 3,578 शिपमेंट निर्यात किए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 10% की वृद्धि दर्शाता है। भारत से ताले मुख्य रूप से यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया को निर्यात किए जाते हैं।

चीन हर साल अमेरिका को 1.19 अरब डॉलर के ताले निर्यात करता है, जिसमें उसकी हिस्सेदारी 66% है। हालांकि, अमेरिका द्वारा चीनी उत्पादों पर 245% का टैरिफ लगाए जाने से चीनी उत्पाद महंगे हो गए हैं। यह स्थिति अलीगढ़ के ताला उद्योग के लिए अमेरिकी बाजार का बड़ा हिस्सा हासिल करने का मौका लेकर आई है। योगी सरकार ने इस अवसर को भुनाने के लिए पहले से ही कई कदम उठाए हैं। वर्ष 2018 में अलीगढ़ के हार्डवेयर को एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत शामिल किया गया, जिसके तहत उद्यमियों को रियायतें और प्रोत्साहन प्रदान किए जा रहे हैं।

अलीगढ़ की प्रमुख ताला कंपनी लिंक लॉक्स ने इस दिशा में 100 करोड़ रुपए का नया निवेश किया है। यह निवेश न केवल ताला उद्योग को बल्कि इससे जुड़े सभी हितधारकों को लाभ पहुंचाएगा। योगी सरकार की नीतियों ने उद्यमियों का आत्मविश्वास बढ़ाया है, जिससे अलीगढ़ वैश्विक ताला बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए तैयार है। चीन और अमेरिका के बीच टैरिफ युद्ध का लाभ केवल ताला उद्योग तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश के लिए यह अन्य घरेलू उत्पादों के निर्यात में भी बड़ा अवसर लेकर आया है। अमेरिका चीन से किचनवेयर, टेबलवेयर, प्लास्टिक आइटम, लैंप, हेयर क्लिपर और पटाखे जैसे उत्पादों का आयात करता है, जिनका कुल वार्षिक निर्यात 148 अरब डॉलर है। इसमें चीन की हिस्सेदारी 72% और भारत की 2.9% है। उत्तर प्रदेश, जहां एमएसएमई इकाइयों की संख्या सर्वाधिक है, इस कमी को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। योगी सरकार की ओडीओपी योजना ने इन उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत मंच प्रदान किया है। इस योजना के तहत स्थानीय कारीगरों और छोटे उद्यमियों को तकनीकी सहायता, वित्तीय सहयोग और बाजार तक पहुंच प्रदान की जा रही है। इससे न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल्कि वैश्विक स्तर पर ब्रांड यूपी को मजबूती मिल रही है।

उत्तर प्रदेश में बन रहे डिफेंस कॉरिडोर ने अलीगढ़ के लिए नई संभावनाएं खोली हैं। इस कॉरिडोर के छह नोड्स में अलीगढ़ के साथ लखनऊ, कानपुर, झांसी, चित्रकूट और आगरा शामिल हैं। योगी सरकार ने अलीगढ़ के डिफेंस कॉरिडोर को 122 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया है, जिसमें अब तक 3,300 करोड़ रुपये का निवेश आ चुका है। यह निवेश अलीगढ़ के औद्योगिक विकास के लिए सोने पर सुहागा साबित हो रहा है। डिफेंस कॉरिडोर न केवल रक्षा क्षेत्र में रोजगार और निवेश ला रहा है, बल्कि यह स्थानीय उद्योगों, विशेष रूप से हार्डवेयर और ताला उद्योग, को तकनीकी उन्नति और वैश्विक मानकों तक पहुंचने में भी मदद कर रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश को औद्योगिक और निर्यात हब बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। निर्यात संवर्धन नीति के तहत सरकार ने वैश्विक स्तर पर ब्रांड यूपी को मजबूत करने और निर्यात बढ़ाने की योजना बनाई है।

ओडीओपी योजना, डिफेंस कॉरिडोर और एमएसएमई इकाइयों को प्रोत्साहन जैसे कदमों ने स्थानीय उद्यमियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। अलीगढ़ के ताला उद्योग और अन्य स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार में स्थापित करने के लिए योगी सरकार ने बुनियादी ढांचे, वित्तीय सहायता और तकनीकी नवाचार पर विशेष ध्यान दिया है। इन प्रयासों का परिणाम है कि आज अलीगढ़ न केवल भारत का, बल्कि विश्व का ताला उद्योग केंद्र बनने की ओर अग्रसर है।

पश्चिम से पूरब तक 700 किमी लंबा बनेगा नया एक्सप्रेस-वे

सेटेलाइट सर्वे जारी, मुरादाबाद मंडल को मिलेगा फायदा

मुरादाबाद, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार शामली-मुरादाबाद-गोरखपुर ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के लिए सेटेलाइट से रिमोट सेंसिंग सर्वे करा रही है। करीब 700 किमी लंबे इस फोरलेन एक्सप्रेस-वे से 22 जिलों को जोड़ा जाएगा। इसमें मुरादाबाद मंडल के पांच जिले भी शामिल हैं। सर्वे रिपोर्ट के बाद डीपीआर तैयार कर मंत्रालय को भेजी जाएगी। एक्सप्रेस-वे की 45 किमी सड़क मुरादाबाद जिले से गुजरेगी। मंडल के पांचों जिले एक्सप्रेस-वे का हिस्सा होंगे। योजना के तहत पश्चिम से पूरब तक 700 किमी का नया एक्सप्रेस-वे 22 जिलों को जोड़ेगा।

प्रदेश में सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे के बाद शामली-मुरादाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस-वे बनाने की कार्ययोजना एनएचएआई ने तैयार की है। शामली से गोरखपुर जाने के लिए अभी 850 किलोमीटर की यात्रा तय करनी पड़ रही है, लेकिन इस एक्सप्रेस-वे के बनने पर लगभग 150 किलोमीटर हो जाएगी। इसमें मुरादाबाद मंडल के पांच जिले आएंगे। इसमें मुरादाबाद जिले का 45 किमी मार्ग भी शामिल होगा। यह एक्सप्रेस वे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे और पूर्वांचल एक्सप्रेस वे की तरह फोरलेन बनेगा, जिससे जरूरत पड़ने पर इस मार्ग पर लड़ाकू विमानों की लैंडिंग कराई जा सके।

इस एक्सप्रेस वे को अंबाला-शामली इकोनॉमिक कॉरिडोर से जोड़ा जाएगा। इस मार्ग से दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे को भी कनेक्टिविटी दी जाएगी। एनएचएआई के अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में सेटेलाइट के माध्यम से रिमोट सेंसिंग सर्वे का कार्य चल रहा है। एनएचएआई के पीडी अरविंद कुमार का कहना है कि सर्वे की रिपोर्ट विभाग को सौंपी जाएगी। इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट संबंधित एजेंसी के पास है। रिपोर्ट मिलने के बाद परीक्षण के लिए मंत्रालय भेजी जाएगी। उसकी बाद डीपीआर तैयार होगी। शामली-मुरादाबाद-गोरखपुर एक्सप्रेस-वे 22 जिलों से होकर गुजरेगा। इसमें मेरठ, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली, मुरादाबाद, बिजनौर, अमरोहा, संभल, रामपुर, बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर, हरदोई, सीतापुर, लखनऊ, बहराइच, बाराबंकी, अयोध्या, गोंडा, संतकबीरनगर, बस्ती और गोरखपुर शामिल होंगे।

आठ साल में कोई नया टैक्स नहीं

फिर भी यूपी बना रेवेन्यू सरप्लस स्टेट

लखनऊ, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ष 2017 में सत्ता में आई भाजपा को 12.88 लाख करोड़ रुपए की अर्थव्यवस्था विरासत में मिली थी, जो बिना कोई नया टैक्स लगाए आठ साल की अवधि में 27.51 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। इस वित्तीय वर्ष में योगी सरकार 30 लाख करोड़ से अधिक की अर्थव्यवस्था बनाने के महत्वाकांक्षी मिशन पर तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कई मौकों पर इस बात का खुलासा भी किया है कि पिछली सरकारों में कैसे भ्रष्टाचार और लूट का बोलबाला था, जिसके चलते जनता की गाढ़ी कमाई कुछ लोग डकैतों की तरह लूट लेते थे। उस दौर में उत्तर प्रदेश सरकार के पास अपने कर्मचारियों को वेतन देने तक के लिए पैसे नहीं होते थे। योगी सरकार के सुशासन और पारदर्शी प्रशासन ने न केवल इस स्थिति को बदला, बल्कि यूपी को आर्थिक समृद्धि की नई ऊंचाइयों तक पहुंचा दिया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सत्ता संभालने के बाद अपने सतत प्रयासों से यूपी को बीमारू प्रदेश की पहचान से बाहर निकालने का सबसे अहम कार्य किया। आज उत्तर प्रदेश लगातार पांच साल से देश के ग्रोथ इंजन के रूप में पहचाना जा रहा है। यूपी बेशक आबादी के हिसाब से देश का सबसे बड़ा राज्य है, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से इसकी जीएसडीपी सन 1950 से लेकर 2017 तक केवल 12.75 लाख करोड़ ही पहुंच सकी। वहीं योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश ने सकल राज्य घरेलू उत्पाद में दोगुने से अधिक की छलांग लगाते हुए इसे 27.51 लाख करोड़ तक पहुंचा दिया है। सरकार का लक्ष्य वर्तमान वित्तीय वर्ष में इसे 30.77 लाख करोड़ तक पहुंचाने का है। जिस प्रदेश को कभी लोग उलटा प्रदेश कहकर चिढ़ाते थे, आज योगी आदित्यनाथ सरकार की मेहनत ने उसे देश की जीडीपी में 9.2 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ भारत में दूसरे नंबर की आर्थिक ताकत बनाकर सबको चौंका दिया है। अहम बात ये है कि 2023-24 में भारत की जीडीपी में विकास दर 9.6 थी, जबकि इसी काल में उत्तर प्रदेश की वृद्धि दर 11.6 प्रतिशत तक पहुंच गई।

याद कीजिए 2017 से पहले का वक्त जब उत्तर प्रदेश सरकार अपने अधिकांश राज्य कर्मचारियों को समय से वेतन दे पाने में भी असमर्थ थी। तमाम योजनाएं और विकास की परियोजनाएं बजट के अभाव में सालों साल लटकी रहती थीं। आज ये वही उत्तर प्रदेश है, जिसने बीते आठ साल में बिना जनता पर कोई नया टैक्स लगाए अपनी अर्थव्यवस्था को इतना मजबूत कर लिया है कि बीते पांच साल से यह रेवेन्यू सरप्लस स्टेट बन चुका है। इसके लिए टैक्स की चोरी पर लगाम लगाने से लेकर रेवेन्यू लीकेज को समाप्त किया गया। सरकार ने व्यापक स्तर पर डिजिटल मैकेनिज्म को अपनाया, जिससे ट्रांसपैरेंसी बढ़ी। यही नहीं उत्तर प्रदेश में डीजल और पेट्रोल की दरें देश में सबसे कम हैं, बावजूद इसके यूपी समृद्धि के नये सोपान पर चढ़ता जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया के विजन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी प्राथमिकता के शीर्ष पर रखा। आज यूपी डिजिटल क्रांति का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण बनकर उभरा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में दिसंबर 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में एक हजार करोड़ से भी अधिक डिजिटल ट्रांजैक्शन हुए हैं।

लिवरपूल ने रचा इतिहास, टोटनहम को 5–1 से हराकर जीता 20वां प्रीमियर लीग खिताब

लिवरपूल, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

लिवरपूल ने रविवार को एनफील्ड में टोटनहम को 5-1 से करारी शिकस्त देकर प्रीमियर लीग खिताब अपने नाम किया और इंग्लिश टॉप-फ्लाइट फुटबॉल में मैनचेस्टर यूनाइटेड के 20 खिताबों की बराबरी कर ली।

आर्ने स्लॉट की टीम ने शुरुआती झटका खाने के बाद जबरदस्त वापसी की और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा।

60,000 से अधिक दर्शकों की गूंज के बीच मुकाबला शुरू हुआ। शुरुआती हमलों के बावजूद लिवरपूल को 12वें मिनट में झटका लगा, जब डोमिनिक सोलांके ने जेम्स मैडिसन के कॉर्नर से शानदार हेडर लगाकर टोटनहम को बढ़त दिला दी। लेकिन लिवरपूल ने महज चार मिनट बाद लुईस डियाज़ के गोल से बराबरी हासिल कर ली, जिसे वीएआर ने मंजूरी दी। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने 24वें मिनट में शानदार गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिला दी। फिर कोडी गाकपो ने तीसरा गोल दागकर टोटनहम की मुश्किलें बढ़ा दीं।

दूसरे हाफ में लिवरपूल का जलवा, सालाह का सेल्फी सेलिब्रेशन

दूसरे हाफ में भी लिवरपूल ने अपना दबदबा कायम रखा। टॉप स्कोरर मोहम्मद सालाह ने डोमिनिक सोबोस्लाई के पास पर शानदार गोल दागा और उसके बाद एक फैन का फोन लेकर कॉप एंड के सामने सेल्फी ली, जिससे स्टेडियम में खुशी की लहर दौड़ गई।

लगातार गूंजते नारों वी आर गोइंग टू विन द लीग और वी शैल नॉट बी मूव्ड ने माहौल को और खास बना दिया। 70वें मिनट में टोटनहम के डेस्टिनी उडोगी के आत्मघाती गोल ने लिवरपूल की बढ़त 5–1 कर दी और मुकाबला पूरी तरह एकतरफा हो गया।

फैन्स ने मुकाबले से पहले एनफील्ड के बाहर लिवरपूल 20 टाइम चैंपियंस के झंडे और स्कार्फ्स लहराए। कोविड के कारण 2020 में जश्न नहीं मना सके लिवरपूल फैन्स ने इस बार खिताबी जीत का भरपूर आनंद उठाया।

न्यूज ब्रीफ

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर: भारत मेजबान म्यांमार के साथ ग्रुप डी में

नई दिल्ली। एएफसी अंडर–20 महिला एशियाई कप थाईलैंड 2026 की राह आसान होती जा रही है!

क्वालीफायर के लिए ड्रॉ की घोषणा कर दी गई है। यंग टाइग्रेस के नाम से जानी जाने वाली भारत की अंडर–20 महिला फुटबॉल टीम को ग्रुप डी में रखा गया है। ग्रुप डी में भारत के साथ शामिल टीमें हैं–म्यांमार (मेजबान), इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान। क्वालीफायर 6–10 अगस्त, 2025 के बीच आयोजित किए जाने हैं। टीमों को चार–चार के सात समूहों और पांच के समूह में विभाजित किया गया है, क्वालीफायर 2–10 अगस्त तक खेले जाएंगे। टीमें अगले साल 1–18 अप्रैल तक थाईलैंड द्वारा आयोजित किए जाने वाले फ़ाइनल के लिए 11 टिकटों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। आठ ग्रुप विजेता और तीन सर्वश्रेष्ठ उपविजेता आगे बढ़ेंगे। एएफसी अंडर–20 महिला एशियाई कप आठ टीमों का टूर्नामेंट है, जिसे 2026 संस्करण से 12 टीमों तक बढ़ा दिया गया है। ड्रा परिणाम– ग्रुप ए: डीपीआर कोरिया, नेपाल, भूटान (मेजबान), मंगोलिया, सऊदी अरब ग्रुप बी: वियतनाम (मेजबान), किर्गिज गणराज्य, हांगकांग, चीन, सिंगापुर, ग्रुप सी: ऑस्ट्रेलिया, चीनी ताइपे, फिलिस्तीन, ताजिकिस्तान (मेजबान) ग्रुप डी: म्यांमार (मेजबान), भारत, इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान ग्रुप ई: चीन पीआर (मेजबान), लेबनान, कंबोडिया, सीरिया ग्रुप एफ: जापान, आईआर ईरान, मलेशिया (मेजबान), गुआम ग्रुप जी: उज्बेकिस्तान (मेजबान), जॉर्डन, उत्तरी मारियाना द्वीप, बहरीन ग्रुप एच: कोरिया गणराज्य, बांग्लादेश, लाओस (मेजबान), तिमोर लेस्ते।

बांग्लादेश दौरे पर न्यूजीलैंड ए टीम की कमान संभालेंगे केली और कार्टर

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ए टीम के आगामी बांग्लादेश दौरे के लिए निक केली और जो कार्टर को कप्तान

नियुक्त किया गया है। इस दौरे में हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू करने वाले रीस मारिउ और मुहम्मद अब्बास भी टीम का हिस्सा होंगे। निक केली तीन एकदिवसीय मुकाबलों के दौरान टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि इसके बाद जो कार्टर चार दिवसीय दो मैचों के लिए नेतृत्व संभालेंगे। केली, मारिउ और अब्बास ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू किए थे। ऑलराउंडर मुहम्मद अब्बास ने विशेष रूप से डेब्यू पर केवल 24 गेंदों में सबसे तेज अर्धशतक जड़कर सभी का ध्यान आकर्षित किया था। वहीं, केली और मारिउ प्लंकेट शील्ड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। कार्टर ने 2022 में भारत दौरे के दौरान न्यूजीलैंड ए के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने उस दौरे पर 60.40 की औसत से रन बनाए थे और दो शतक भी जमाए थे, जिसमें उनका करियर बेस्ट 197 रन शामिल था। विकेटकीपर मिच हे भी इस टीम में शामिल हैं, जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ हैमिल्टन में नाबाद 99 रनों की पारी खेली थी। उनके अलावा ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन को भी टीम में चुना गया है। गेंदबाजी आक्रमण में इंटरनेशनल अनुभव रखने वाले जैक फोल्क्स और बेन लिस्टर जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। लेग स्पिनर आदि अशोक, जो पाकिस्तान सीरीज में भी टीम का हिस्सा थे, एक बार फिर चयनित हुए हैं।

राजस्थान के लिए प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म, शेन बॉन्ड बोले- अब भी बहुत कुछ दांव पर

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राजस्थान रॉयल्स की हालत बेहद नाजुक हो गई है। नौ

में से केवल दो मैच जीतकर टीम अंकतालिका में नीचे से दूसरे स्थान पर है। हालांकि अब भी गणितीय तौर पर प्लेऑफ की उम्मीद बची है, लेकिन गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने माना कि इस सीजन में टीम के लिए आगे का रास्ता मुश्किल नजर आ रहा है। बावजूद इसके उन्होंने भरोसा दिलाया कि बचे हुए पांच लीग मैचों में टीम और खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। राजस्थान रॉयल्स ने हाल के कुछ मुकाबले बेहद करीबी अंतर से गंवाए हैं। शेन बॉन्ड ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, सबसे कठिन बात यह है कि हम लगभग 35 ओवरों तक मैच पर नियंत्रण में रहे, लेकिन आखिरी पलों में विपक्षी टीमें हमसे बेहतर साबित हुईं। अगर आप अंकतालिका देखें तो हम सोचते हैं कि हम कहां हो सकते थे, लेकिन अब कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, शायद अब हम टूर्नामेंट से बाहर हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ दांव पर है। टीम के लिए सीजन को मजबूती से खत्म करना और व्यक्तिगत तौर पर भविष्य के लिए खुद को साबित करना जरूरी है। इस सीजन में राजस्थान की मुश्किलें कई मोर्चों पर रही हैं। कप्तान संजू सैमसन चोट के कारण ज्यादातर समय टीम से बाहर रहे, जिसकी वजह से 22 वर्षीय रियान पराग को कप्तानी संभालनी पड़ी और 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को ओपनिंग करनी पड़ी।

वैभव की शतकीय पारी से जीता राजस्थान, गुजरात को आठ विकेट से हराया, यशस्वी भी चमके

जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल करियर की पहली फिफ्टी ठोक दी है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सिर्फ 17 गेंदों पर फिफ्टी लगाई। उन्होंने राजस्थान की पारी के 5वें ओवर में ही अपना अर्धशतक लगा दिया, जबकि 35 गेंदों में शतक ठोक दिया। 14 साल के वैभव का यह आईपीएल में तीसरा ही मुकाबला है। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ डेब्यू मैच में अपनी पहली ही गेंद पर शार्दुल ठाकुर को छक्का मारा था।वैभव सूर्यवंशी ने फिफ्टी तक पहुंचने में 6 छक्के मारे। उन्होंने अपना पहला छक्का पहले ओवर में मोहम्मद सिराज का मारा। यह गेंद 90 मीटर दूर गई। तीसरे ओवर में ईशांत शर्मा के खिलाफ उन्होंने 3 छक्के उड़ाए। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर के खिलाफ दो छक्के मारे। इसके अलावा उन्होंने तीन चौके भी मारे। सुंदर की गेंद पर चौका मारकर वैभव ने आईपीएल में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया।

आईपीएल में अर्धशतक बनाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर

14 वर्ष 32 दिन – वैभव सूर्यवंशी (आरआर) गुजरात टाइटंस, 2025

17 वर्ष 175 दिन – रियान पराग (आरआर) दिल्ली कैपिटल्स, 2019

18 वर्ष 169 दिन – संजू सैमसन (आरआर) आरसीबी, 2013

आईपीएल 2025 की सबसे तेज फिफ्टी

17 गेंदों पर अर्धशतक आईपीएल के इस सीजन का सबसे तेज अर्धशतक भी है। वैभव ने लखनऊ सुपर जायंट्स के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन को पीछे छोड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पूरन ने 18 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था। इसके साथ ही वह सबसे कम उम्र में आईपीएल में फिफ्टी लगाने वाले बल्लेबाज भी हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड रियान पराग के नाम था। 2019 में रियान ने 17 साल और 175 दिन की उम्र में फिफ्टी लगाई थी। वैभव 14 साल और 32 दिन के हैं।

आईपीएल में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड यशस्वी जायसवाल के नाम है। उन्होंने 13 गेंदों पर केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया था। भारतीय बल्लेबाजों में यशस्वी के अलावा केएल राहुल, युसूफ पठान, सुरेश रैना, ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने ही वैभव से कम गेंदों पर फिफ्टी ठोकी है।

आईपीएल 2025: विराट कोहली ने हासिल की ऑरेंज कैप सूर्याकुमार यादव को पछाड़ा

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रविवार को खेले गए डबल हेडर मुकाबलों के बाद ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस में बड़ा उलटफेर देखने को मिला।

रविवार को ऑरेंज कैप दो बार बदली। पहले मुंबई इंडियंस के सूर्याकुमार यादव ने गुजरात टाइटंस के बी साई सुधर्शन को पछाड़ा। सूर्या ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 28 गेंदों में 54 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर 417 रन बनाने वाले साई सुदर्शन को पीछे छोड़ते हुए 427 रन तक पहुंच गए थे।

हालांकि, दिन का दूसरा मुकाबला आते–आते सूर्या की खुशी ज्यादा देर टिक नहीं सकी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए विराट कोहली ने 47 गेंदों पर 51 रन बनाए और कुल 443 रन के साथ ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। अब साई सुदर्शन के पास सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन कर टॉप पर लौटने का मौका रहेगा।

टॉप–5 बल्लेबाज

- विराट कोहली – 443 रन
- सूर्याकुमार यादव – 427 रन
- बी साई सुदर्शन – 417 रन
- निकोलस पूरन– 404 रन
- मिशेल मार्श – 378 रन

पर्पल कैप की रेस में जोश हेजलवुड सबसे आगे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जोश हेजलवुड अब पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ 36 रन देकर दो विकेट लेने के बाद उनके दस मैचों में कुल 18 विकेट हो गए हैं।

टॉप–5 गेंदबाज

- जोश हेजलवुड (आरसीबी) – 18 विकेट
- प्रसिद्ध कृष्णा (जीटी) – 16 विकेट
- नूर अहमद (सीएसके) – 14 विकेट
- ट्रेंट बोल्ट (एमआई) – 13 विकेट
- क्रुणाल पांड्या (आरसीबी)
- हर्षल पटेल (एसआरएच) – 13–13 विकेट।

मैड्रिड ओपन टेनिस में खेलते हुए एलेकजेंडर ज्वेरोव

जर्मनी में जर्मनी के एलेकजेंडर ज्वेरोव मैड्रिड ओपन टेनिस में खेलते हुए।

लंदन मैराथन ने तोड़ा विश्व रिकॉर्ड, 56,000 से अधिक धावकों ने पूरा किया मुकाबला

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

रविवार को आयोजित हुए लंदन मैराथन में इस साल फिनिशर की संख्या में नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है, जो पिछले साल के न्यूयॉर्क सिटी मैराथन के 55,646 फिनिशर्स के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, आयोजकों ने अंतिम आंकड़ा जारी नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा कि रविवार 6:35 बजे (1735 जीएमटी) तक नए रिकॉर्ड की पुष्टि हो गई थी, जबकि धावक अभी भी फिनिश लाइन को पार कर रहे थे।

कन्या के सबास्टियन सावे ने पुरुषों की एलाइट रेस में जीत हासिल की, जबकि इथियोपिया की टिग्स्ट असेफा ने महिलाओं के लिए केवल महिला रेस में नया विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। लंदन मैराथन इवेंट्स के सीईओ ह्यू ब्रैशर ने रविवार को एक बयान में कहा, टीसीएस लंदन मैराथन अब दुनिया की सबसे बड़ी और महानतम मैराथन बन गई है, और यह अब आधिकारिक रूप से दुनिया की सबसे बड़ी मैराथन है। बता दें कि 42.195 किलोमीटर की दौड़, जो ग्रीनविच पार्क से शुरू होकर रिवर थेम्स के किनारे से होते हुए द मैल पर खत्म होती है, में रिकॉर्ड 56,000 धावकों के भाग लेने की उम्मीद जताई गई थी।

बुंदेसलीगा : हैरी केन निर्णायक मुकाबले से बाहर, लेकिन जल्द मना सकते हैं जीत का जश्न

बर्लिन, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन जहां भी खेलते हैं, गोल करने के रिकॉर्ड तोड़ते नजर आते हैं। इंग्लैंड राष्ट्रीय टीम हो, टोटेनहम हॉटस्पर या फिर अब बायर्न म्यूनिख —31 वर्षीय केन ने खुद को एक अजेय गोल मशीन के रूप में स्थापित किया है।

हालांकि, उनके करियर पर एक दुखद साया भी है, 16 साल और 500 से ज्यादा पेशेवर मुकाबले खेलने के बावजूद, अब तक वह कोई बड़ा खिताब जीतने में असफल रहे हैं।

खिताब जीतने के लक्ष्य से जुड़े बायर्न म्यूनिख

इस कभी न जीतने वाले खिलाड़ी की छवि से बाहर निकलने के लिए केन ने पिछले साल जर्मन चैंपियन बायर्न म्यूनिख का दामन थामा था।

हालांकि बायर्न इस सीजन में चैंपियंस लीग और जर्मन कप से बाहर हो चुका है, लेकिन

बुंदेसलीगा खिताब और 2025 फीफा क्लब वर्ल्ड कप उनके सामने उपलब्ध विकल्प हैं।

बायर्न फिलहाल लीग में तीन मुकाबले बाकी रहते हुए आठ अंकों की मजबूत बढ़त बनाए हुए है, जिससे उनका चैंपियन बनना लगभग तय माना जा रहा है।

निलंबन से लगा झटका

बायर्न की माइन्ज पर 3–0 की जीत के दौरान केन को पहले हाफ में गेंद रोकने के लिए पीला कार्ड दिखाया गया, जो इस सीजन का उनका पांचवां कार्ड था।

बुंदेसलीगा के नियमों के अनुसार, अब केन एक मुकाबले के लिए सस्पेंड हो गए हैं और वे आरबी लीपज़िग के खिलाफ अहम मुकाबला नहीं खेल पाएंगे।

केन ने सिन्हुआ के हवाले से कहा, यह शायद मेरी कहानी का हिस्सा होगा कि मैं लीपज़िग का मुकाबला मिस करूंगा। लेकिन अगर हम खिताब जीतते हैं, तो मैं सबसे ज्यादा जश्न मनाऊंगा।

टीम साथी थॉमस मुलर ने बताया, ड्रेसिंग रूम में वह काफी निराश दिखे।

नियमों पर उठाए सवाल

केन ने जर्मन नियमों की आलोचना करते हुए कहा, यह पागलपन है कि मुझे एक ऐसे मुकाबले में निलंबित किया गया, जबकि मेरा पहला पीला कार्ड सीजन के पहले मैच में आया था। नियमों को प्रीमियर लीग की तरह बदला जाना चाहिए।

मुलर ने भी रेफरी की संवेदनशीलता की कमी पर सवाल उठाए, जबकि जर्मन मीडिया ने केन को नियमों से अवगत रहने की सलाह दी।

केन ने कहा, यह कतई पीला कार्ड नहीं था, और जोड़ा, कुछ लोग हमारे एरिना में ध्यान आकर्षित करने के लिए आते हैं।

रेफरी आयुक्त मार्को फ्रिट्ज ने रेफरी के फैसले को नियमों के अनुरूप 100 प्रतिशत सही बताया, हालांकि उन्होंने सख्ती और विवेक के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती भी मानी।

जल्द मिल सकता है पहला बड़ा खिताब

हालांकि यह झटका हैरी केन और बायर्न दोनों के लिए थोड़ा कड़वा जरूर है, लेकिन अच्छी खबर यह है कि अगर इस वीकेंड बायर्न खिताब जीतता है, तो केन 10 मई को बोरूसिया मोएंशनग्लाडबाख के खिलाफ मुकाबले के बाद टीम के साथ जश्न मनाते नजर आएंगे।

थॉमस मुलर ने कहा, यह हैरी और हमारे लिए थोड़ा कड़वा पल है, लेकिन ट्रॉफी उठाना इस दर्द को काफी हद तक भर सकता है।

मोस्ट लग्जीरियस एक्सएल6 कार हो गई महंगी

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

मारुति सुजुकी इंडिया की मोस्ट लग्जीरियस एक्सएल6 कार अब महंगी हो गई है। कंपनी ने इस एमपीवी की कीमत में 12,500 रुपए का इजाफा किया है। नई कीमतें कंपनी ने तत्काल प्रभाव से लागू भी कर दी हैं। भारतीय बाजार में एक्सएल6 का सीधा मुकाबला किआ कैरेंस से होता है।

बता दें कि कंपनी ने ऑल न्यू एक्सएल6 की बुकिंग शुरू कर दी है। मारुति सुजुकी एक्सएल6 रेंज के सभी वैरिएंट की कीमत में 12,500 रुपए की समान बढ़ोतरी की गई है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत अब 11,83,500 रुपए से 14,99,500 रुपए हो चुकी हैं।

इस कार को कुल 10 कलर ऑप्शन में खरीद पाएंगे। इसमें 7 सिंगलटोन और 3 डुअलटोन कलर शामिल हैं। वहीं, सेकेंड रो में लेदरेट कैप्टन सीट दी है। मारुति एक्सएल6 में नेक्स्ट-जनरेशन 1.5-लीटर के15सी का डुअल जेट पेट्रोल इंजन मिलता है।

इसमें 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियर भी होंगे जो पैडलर शिफ्टर्स के साथ आते हैं। ये 114 बीएचपी की मैक्स पॉवर और 137 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। न्यू मारुति एक्सएल6 को जेटा, अल्फा, अल्फा प्लस वैरिएंट में खरीद सकते हैं।

वहीं, जेटा को सीएनजी में भी खरीदा जा सकता है। कंपनी ने कार में पहली बार वेंटिलेटेड सीट का ऑप्शन दिया है। देश में गर्मी और उमस का मौसम लंबे वक्त तक रहता है, वहीं देश के कुछ ही हिस्सों में थोड़े समय के लिए सर्दी का मौसम आता है, ऐसे में कार खरीदारों के बीच वेंटिलेटेड सीट के ऑप्शन की डिमांड बढ़ी है। वहीं एंड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले जैसे कार कनेक्ट फीचर्स भी दिए हैं।

वायरलैस चार्जिंग, स्मार्ट प्ले प्रो सिस्टम और सुजुकी कनेक्ट टेलिमैटिक्स भी इसमें मौजूद हैं। जहां तक सेफ्टी की बात है इसमें 4 एयरबैग स्टैंडर्ड और 6 एयरबैग प्रीमियम वर्जन शामिल हैं। एक्सएल6 में कंपनी मारुति की कई गाड़ियों के अलग-अलग प्रीमियम फीचर्स को शामिल किया है। जैसे इसमें एक 360 डिग्री कैमरा, 7-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम होगा।

न्यूज ब्रीफ

अटारी-वाघा बॉर्डर बंद होने से व्यापार प्रभावित, ड्राई फ्रूट्स हुए महंगे

मुंबई। भारत-पाकिस्तान सीमा पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने अमृतसर के अटारी-वाघा बॉडर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। जिससे भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले ड्राई फ्रूट्स से संबंधित व्यापार प्रभावित हो रहा है। ड्राई फ्रूट्स का कारोबार खासकर प्रभावित हो रहा है, जहां अफगानिस्तान से आने वाली सप्लाई की रोक लगने के कारण उनकी आपूर्ति में अधिकतम गिरावट हो रही है। इस परिणामस्वरूप बाजार में ड्राई फ्रूट्स के दाम 10 से 15 फीसदी तक बढ़ गए हैं। यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में यह कीमतें और भी बढ़ सकती हैं। अफगानिस्तान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, और दक्षिण अफ्रीका से आने वाली ड्राई फ्रूट्स की आपूर्ति की मुख्य मंडियों में हलचल मच गई है, जिसका सीधा कारण अटारी-वाघा बॉर्डर की बंदिश है। इसके परिणामस्वरूप ज्यादातर प्रमुख ड्राई फ्रूट्स जैसे अंजीर, हींग, पिस्ता, किशमिश, जीरा, और मुनक्का इस समस्या का शिकार हो रहे हैं। अफगानिस्तान से आने वाली सप्लाई की रोक लगने से आपूर्ति में गिरावट अंजीर के दाम 200 रुपए प्रति किलो, पिस्ता के दाम 400-500 रुपए प्रति किलो, और किशमिश और मुनक्का के दाम 100 रुपए प्रति किलो तक बढ़ चुके हैं। आने वाले समय में इनकी कीमतें और बढ़ने की संभावना है ।

नायडू ने भारत में विमानन रखरखाव मरम्मत गतिविधियों को बढ़ाने का किया आह्वान

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को विदेशों में विमानों की रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) गतिविधियों को देश में ही बढ़ाने के प्रयासों का आह्वान किया।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार खरीदारी होती रही। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.74 प्रतिशत उछल कर 5,525.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 216.90 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,382.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 168.98 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 39,944.52 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार लिवालों का जोर बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,415.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.44 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,536.26 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 177.94 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,242.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर मजबूती का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक तेजी के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,809.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 3,294.02 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 234.50 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,322.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 143.47 अंक यानी 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 35,849.21 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.77 प्रतिशत की छलांग लगा कर 6,730.56 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 125.98 अंक यानी 0.63 प्रतिशत उछल कर 19,998.71 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,160.67 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,549.16 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,003.49 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

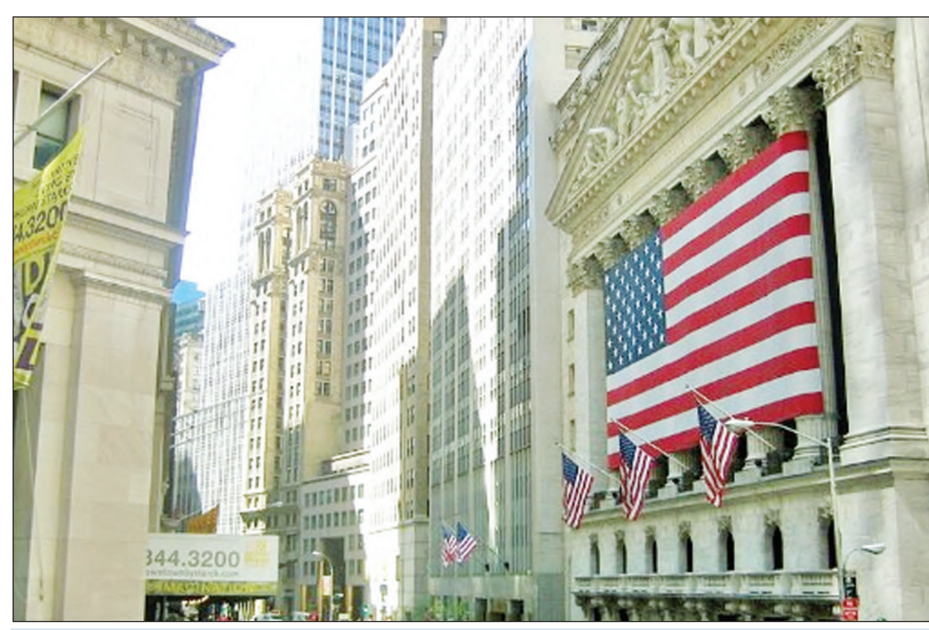

रुपया 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.29 प्रति डॉलर पर

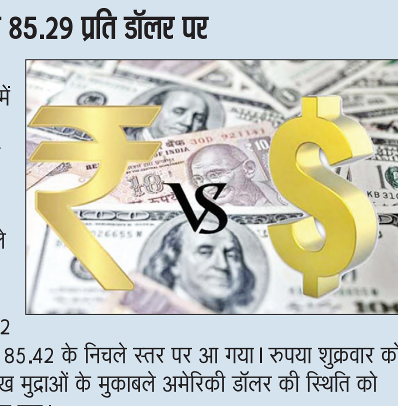

मुंबई। विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि और पूंजी प्रवाह जैसे मजबूत घरेलू बुनियादी कारकों के समर्थन से रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.29 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार वृद्धि रुपये को स्थिरता प्रदान करती है। हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से रुपये पर दबाव पड़ सकता है क्योंकि इस तरह की भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं निवेशकों को सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर ले जाती हैं, जिससे उभरते बाजारों से निकासी होती है और रुपये जैसी स्थानीय मुद्राएं कमजोर होती हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.29 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दर्शाता है। शुरुआती सौदों के बाद यह डॉलर के मुकाबले 85.42 के निचले स्तर पर आ गया। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.41 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.63 पर रहा।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल महंगा

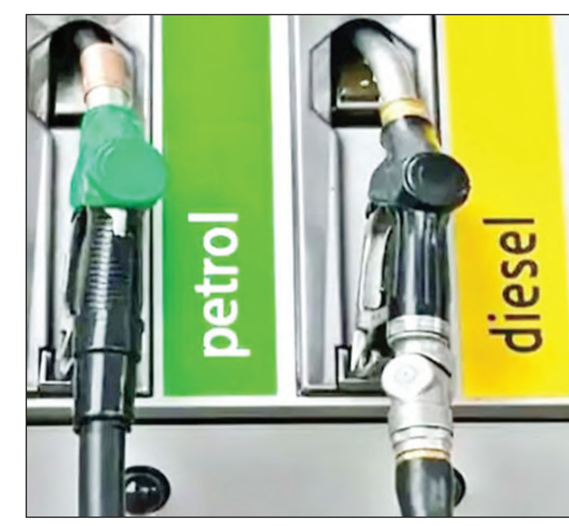

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें लंबे समय से स्थिर हैं, लेकिन घरेलू बाजार में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों में बदलाव हो रहा है। सरकारी तेल कंपनियों ने सोमवार सुबह जारी तेल की खुदरा कीमतों में फिर बदलाव किया और यूपी, बिहार सहित देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतें बदल गई हैं. हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के महानगरों में तेल की कीमतों में बदलाव नहीं किया गया है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे महंगा होकर 94.98 रुपये लीटर बिक रहा है।

ब्रेंट क्रूड का भाव मामूली बढ़त के साथ 67.70 डॉलर प्रति बैरल

डीजल भी 30 पैसे चढ़ा और 88.13 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 26 पैसे गिरकर 94.39 रुपये और डीजल 30 पैसे टूटकर 87.45 रुपये लीटर हो गया है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 22 पैसे बढ़त के साथ 105.58 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 20 पैसे महंगा होकर 92.94 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में खास बदलाव नहीं आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव मामूली बढ़त के साथ 67.70 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का रेट भी उछाल के साथ 63.21 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत की...

के लिए मदद चाहते हैं। डिप्लोमेट्स के अनुसार दिल्ली अपने पड़ोसी मुल्क के खिलाफ सैन्य एक्शन लेने के लिए मामला तैयार कर रही है। रिपोर्ट में पीएम मोदी की उस चेतावनी का भी जिक्र किया गया है, जो उन्होंने बिहार के मधुबनी की धरती पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को दी थी। इस दौरान पीएम मोदी ने पूरा भाषण हिंदी में दिया, लेकिन जैसे ही पूरे विश्व को पैगाम देने की बात आई तो उन्होंने अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल किया ताकि दुनिया को उनका मैसेज एकदम साफ और स्पष्ट जाए।पीएम मोदी ने पाकिस्तान में बैठे आतंकवाद के आकाओं को सीधा संदेश दिया और कहा कि हमले में शामिल एक-एक आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेंगे, पीछा करेंगे और धरती के आखिरी छोर से भी उखाड़ फेंकेंगे। एक-एक को ऐसी सजा देंगे, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय विदेश मंत्रालय ने विदेशी मिशनों के राजनयिकों को ब्रीफिंग में पाकिस्तान के पिछले पैटर्न के बारे में जानकारी दी गई है कि कैसे भारत को निशाना बनाने वाले आतंकी समूहों को वह मदद देता रहा है। रिपोर्ट का कहना है कि भारत ने आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ होने की कुछ खुफिया जानकारियां दी हैं, जिसमें अपराधियों के चेहरे की पहचान करने वाले डेटा शामिल हैं और भारत का कहना है कि ये पाकिस्तान से जुड़े हैं।एक्सपर्ट्स और डिप्लोमेट्स से हुई बातचीत के आधार पर दो संभावनाएं बन रही हैं। एक तो ये कि भारत को पाकिस्तान पर हमला करने से पहले आतंकी हमले के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए अधिक समय चाहिए और दूसरा ये कि ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर इस वक्त जब कई युद्धों की वजह से अराजकता की स्थिति है, तो भारत को अपने एक्शन को सही ठहराने के लिए जस्टिफिकेशन देने की आवश्यकता कम महसूस हो रही है।रिपोर्ट के अनुसार डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने भारत को मजबूती के साथ समर्थन देने की बात कही है, लेकिन अभी ये नहीं कहा जा सकता कि युद्ध में अमेरिका भारत का साथ देगा या नहीं। हालांकि, अगर शामिल नहीं भी होता है और दक्षिण एशियाई देश जंग में शामिल होते हैं तो अमेरिका का प्रभाव होगा ही।

कार्ल-गुस्टाफ...

जो शॉर्ट रेंज कॉम्बैट के लिए एक विश्वसनीय सिंगल-शॉट समाधान के रूप में कार्य करता है। कार्ल गुस्टाफ के मुकाबले एटी-4 बेहद हल्का रॉकेट लॉन्चर है। ऐसे में सैनिकों को कंधे से दागने में आसानी होगी। साथ ही सीमा पर दुश्मन के बंकर तक पैदल चलकर ले जाने में खासी दिक्कत नहीं आएगी।

साल 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक के लिए भारतीय सेना के पैरा-एसएफ कमांडो कार्ल गुस्टाफ को अपने कंधे पर लादकर ही पीओके दाखिल हुए थे। कॉल-गुस्टाफ से ही पैरा-एसएफ कमांडो ने आंतकियों के लॉन्च पैड्स और पाकिस्तानी सेना की उन चौकियों को तबाह किया था, जहां से आतंकियों की घुसपैठ कराने में मदद की जाती थी।कंपनी ने अपने बयान में ये भी बताया कि एटी-4 के जिए वेरिएंट का अधिग्रहण (खरीदा है) उसे विशेष रूप से सीमित स्थानों में संचालन के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें इमारतों, बंकरों और अन्य शहरी वातावरण से उपयोग शामिल है। कंपनी के मुताबिक, यह एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि भारतीय सशस्त्र बल, हमारे कार्ल-गुस्टाफ प्रणाली के दीर्घकालिक उपयोगकर्ता, हमारे एटी-4 हथियार प्रणाली पर भी अपना विश्वास बढ़ाते हैं।पाकिस्तान को लेकर भी खबरें हैं कि सोमवार को ही तुर्किए ने हथियारों का जखीरा पाकिस्तान भेजा है। ओपन सोर्स इंटेलीजेंस के अनुसार तुर्किए का सी-130 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट पाकिस्तान पहुंचा है। विमान में तुर्किए ने पाकिस्तान के लिए गोला-बारूद भेजा है। सूत्रों के अनुसार छह सी-130कार्गो विमान इस्लामाबाद में एक सैन्य अड्डे पर उतरे।

भारत ने खरीदे ...

इसकी खासियतों को समझें: डिज़ाइन और ताकत: राफेल मरीन की लंबाई 50.1 फीट और चौड़ाई 10.80 मीटर है। इसका वजन 15 हजार किलो तक हो सकता है। इसमें 11,202 किलो फ्यूल भर सकता है, जिससे ये लंबे समय तक उड़ान भर सकता है। ये 52 हजार फीट की ऊंचाई तक जा सकता है और इसकी रफ्तार 2205 किमी प्रति घंटा है।इसकी रेंज 3700 किमी है, यानी ये इतनी दूर तक हमला कर सकता है। इसमें 30 एमएम की ऑटो कैनन गन और 14 हार्ड प्वाइंट्स हैं, जहां हथियार लगाए जा सकते हैं।ये विमान सिर्फ एक मिनट में 18 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंच सकता है। इसमें फोल्डिंग विंग्स हैं, जो इसे विमानवाहक पोत पर आसानी से रखने में मदद करते हैं। ये बहुत कम जगह पर भी लैंड कर सकता है।हथियारों की ताकत: राफेल मरीन में कई तरह की मिसाइलें लगाई जा सकती हैं, जैसे स्काल्प मिसाइल, जो 300 किमी तक मार कर सकती है, और मेटियोर मिसाइल, जो हवा में 120-150 किमी दूर तक दुश्मन के विमानों को मार गिरा सकती है। इसके अलावा, इसमें 70 किमी रेंज वाली एक्सोसेट एंटी-शिप मिसाइल भी है, जो समुद्र में दुश्मन के जहाजों को तबाह कर सकती है।ये विमान परमाणु हथियार दागने में सक्षम है। इसमें एडवांस रडार है, जो पनडुब्बियों को खोजकर उन्हें नष्ट कर सकता है। साथ ही, ये 10 घंटे तक फ्लाइट रिकॉर्ड कर सकता है।बीच हवा में रीफ्यूलिंग: राफेल मरीन को हवा में ही रीफ्यूल किया जा सकता है, जिससे इसकी रेंज और बढ़ जाती है।दसॉ एविएशन ने इन विमानों को भारत की जरूरतों के हिसाब से तैयार किया है। इसमें एंटी-शिप स्ट्राइक, न्यूक्लियर हथियार लॉन्च करने की क्षमता और मजबूत फ्रेम जैसे फीचर्स शामिल हैं। कंपनी भारत को हथियार प्रणाली, स्पेयर पार्ट्स और जरूरी टूल्स भी देगी।भारतीय नौसेना के पास अभी आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत जैसे दो विमानवाहक पोत हैं, जहाँ पुराने मिग-29के फाइटर जेट्स तैनात हैं। लेकिन इन मिग-29के विमानों में कई समस्याएँ हैं, जैसे रखरखाव की ज्यादा जरूरत और कम उपलब्धता। नौसेना को 2022 में ही कहना पड़ा था कि खछड विक्रांत को मिग-29के के लिए डिज़ाइन किया गया था, लेकिन अब उसे एक बेहतर डेक-बेस्ड फाइटर जेट चाहिए। राफेल मरीन इस कमी को पूरा करेगा।

पीओके में ...

सीमा पर तनाव के बीच कश्मीर में एलओसी के पास रहने वाले लोग भी अपनी सुरक्षा के इंतजाम करने लगे हैं। मसलन,कुछ वर्षों की सामान्य स्थिति और शांति के बाद, एलओसी के पास रहने वाले लोगों के लिए तनाव और अनिश्चितता फिर से वापस आ गई है। खासतौर से पीओके में भारतीय सैन्य कार्रवाई की चेतावनियों के बाद स्थानीय लोगों की चिंताएं बढ़ी है।नियंत्रण रेखा, कुपवाड़ा के केरन, माछिल, तंगधार क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में डर का माहौल है, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद गोलीबारी की घटनाएं फिर से आम हो गई हैं। अपनी सुरक्षा के लिए लोग अब बम शेल्टर खोल रहे हैं और उनकी सफाई कर रहे हैं, ताकि हालात बिगड़ने पर लोग अपनी जान बचा सकें।पाकिस्तान पिछले कुछ हफ्तों से जम्मू-कश्मीर में सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है, और पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की ओर से ये उल्लंघन आम हो गए हैं। अप्रैल 2025 तक दर्ज की गई घटनाओं को एलओसी के साथ जम्मू-कश्मीर में कई क्षेत्रों में पाकिस्तान द्वारा उकसावे के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय सेना ने प्रत्येक घटना का तेजी से और प्रभावी ढंग से जवाब दिया है, नागरिकों पर इसका कम से कम प्रभाव हुआ है।

पाकिस्तान पर...

इन चैनल को यूट्यूब पर सर्च करने पर एक मैसेज प्रसारित हो रहा है। इसमें लिखा है, राष्ट्रीय सुरक्षा या कानून व्यवस्था से संबंधित सरकार के आदेश के कारण यह कंटेंट वर्तमान में इस देश में उपलब्ध नहीं है। इन चैनल का कोई भी वीडियो यूट्यूब पर नहीं दिख रहा है।कुछ ऐसे चैनल भी हैं जिनका नाम इस प्रतिबन्ध वाली लिस्ट में नहीं शामिल है, लेकिन वह भी अब भारत में एक्सेस नहीं हो रहे। इसका एक उदाहरण 'वासे और इफ्फी' का यूट्यूब चैनल है। यह स्पोर्ट्स को लेकर वीडियो जारी करते थे और भारतीय क्रिकेट प्रशंसक इन्हें बड़ी संख्या में देखते थे।

यूट्यूब चैनल से पहले भारत पाकिस्तान के सोशल मीडिया हैंडल्स पर भी कार्रवाई कर चुका है। यह लगातार भारतीय सेना, सरकार और बाकी मामलों से जुड़ी झूठी खबरें फैलाया करते थे। इसके अलावा भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद अटारी वाघा सीमा से होने वाला व्यापार भी बंद कर दिया है।

मोदी सरकार ने ...

विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा है कि वह आगामी समय में इस मामले पर बीबीसी की रिपोर्टिंग को 'मॉनिटर' करेगा। बीबीसी को यह पत्र उसकी रिपोर्टिंग के भारत विरोधी रवैये को लेकर लिखा गया है। बीबीसी पहलगाम में हमला करने वाले आतंकियों को 'मिलिटेंट' (लड़ाके) लिखता है। वह इन हमलावरों को आतंकी लिखने से बचता आया है।

मिलिटेंट शब्द का एक मतलब 'मुजाहिद' भी होता है। मुजाहिद का अर्थ जिहाद के लिए लड़ने वाला होता है। इस तरह से वह एक तरह से आतंकियों को सही ठहरा रहा होता है। हिंदी की वेबसाइट पर भी बीबीसी आतंकी ना लिख कर 'चरमपंथी' लिखता है। चरमपंथी शब्द किसी गैर हिंसक व्यक्ति के लिए भी लिखा जा सकता है।बीबीसी की करतूतें सिर्फ यहीं तक नहीं रुकती बल्कि वह कश्मीर को लेकर बाकी मामलों में भी प्रोपेगेंडा करता आया है। वह अपनी रिपोर्टिंग में लगातार भारत को 'इंडियन एडमिनिस्टर्ड कश्मीर' या 'भारत प्रशासित कश्मीर' लिखता आया है। जबकि असल में बात यह है कि भारत प्रशासित कश्मीर जैसी कोई जगह नहीं है। जम्मू कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग है।बीबीसी पाकिस्तान द्वारा कब्जाए गए कश्मीर को पाकिस्तान एडमिनिस्टर्ड यानी प्रशासित कश्मीर लिखता है। बीबीसी यह नहीं बताता कि झेघ पर पाकिस्तान का अनाधिकृत कब्जा है और यह इलाका कानूनी तौर पर भारत का है। वह कश्मीर ही नहीं बल्कि बाकी मुद्दों को लेकर भी फर्जी नैरेटिव फैलाता है।

जम्मू कश्मीर...

इस मौके पर भावुक नजर आ रहे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि 21 साल बाद ऐसे हमले देखे। मेरे पास माफी मांगने के लिए शब्द नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने इस दौरान कहा कि मैं इस मौके का इस्तेमाल पूर्ण राज्य का दर्जा मांगने के लिए नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर की सुरक्षा जम्मू कश्मीर की चुनी हुई सरकार के पास नहीं है। लेकिन इस मौके का इस्तेमाल करके मैं पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मांगूंगा। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं किस मुंह से इस पहलगाम के वाकये का इस्तेमाल करके केंद्र से कहूं कि अब मुझे पूर्ण राज्य का दर्जा दो। मेरी क्या इतनी सस्ती सियासत है। मुझे क्या 26 लोगों के मरने की इतनी कम कद्र है, हमने पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने की बात पहले भी की, आगे भी करेंगे, लेकिन लानत हो मुझपर कि आज मैं केंद्र के पास जाऊं और कहूं कि मुझे पूर्ण राज्य का दर्जा दे दो।विधानसभा के स्पीकर अब्दुल रहीम राथर का बयान समाप्त होने के बाद उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी ने पहलगाम हमले को लेकर सदन में रेजोल्यूशन पेश किया। सदन के अंदर सभी दलों के सदस्यों ने एक सुर में प्रस्ताव का समर्थन किया और आतंकी हमले की निंदा की। इस दौरान सदन में मौन भी रखा गया। सदन में शहीद सैयद आदिल हुसैन शाह को श्रद्धांजलि दी गई। उसने पर्यटकों को बचाने के लिए अपनी जान दे दी थी। जम्मू कश्मीर के उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी ने विधानसभा में प्रस्ताव पर बोलते हुए कहा कि आज जम्मू कश्मीर के लोगों के पास वो लफ्ज नहीं है, जिन लफ्जों से हम इस हादसे की निंदा करें। जम्मू कश्मीर मेहमाननवाजी के लिए पहचाना जाता है। जो लोग भी यहां से गए वह लोग यहां के एंबेसडर बनकर गए। जम्मू कश्मीर में शेर और बकरी ने एक साथ पानी पिया है। हमारा इतिहास तो भाईचारे का है।

उन्होंने आगे कहा कि यहां के लिए महात्मा गांधी ने भी कहा था कि अगर कहीं से मुझे रोशनी की किरण नजर आती है तो वह जम्मू कश्मीर है। कुछ लोग जम्मू कश्मीर के भाईचारे को नजर लगाना चाहते हैं। इसको खत्म करना चाहते हैं। उपमुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी ने ये भी कहा कि जम्मू कश्मीर की धरती कई बार खून से लथपथ हुई। इस भाईचारे की मिसाल देश और दुनिया में दी जाती है। अदिल शाह ने अपनी जान लोगों की जान बचाने में गंवा दिया। हम दुआ करते हैं कि यह जम्मू कश्मीर पर आखिरी हमला हो और इसके बाद यहां पर कोई हमला न हो।

फ्रांस, स्पेन....

भी बताया कि यह संकट यूरोपीय पावर ग्रिड में आई समस्या के कारण उत्पन्न हुआ है। इस ब्लैकआउट ने केवल परिवहन सेवाओं को ही प्रभावित नहीं किया, बल्कि अन्य प्रमुख आयोजनों को भी बाधित किया। मैड्रिड में चल रहे वार्षिक क्ले-कोर्ट टेनिस टूर्नामेंट, मैड्रिड ओपन पर भी इसका असर पड़ा है। बता दें कि यूरोप में इससे पहले भी छोटी-छोटी तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से बड़े ब्लैकआउट हुए हैं। साल 2003 में स्विट्ज़रलैंड में एक पेड़ से बिजली लाइन कटने के बाद पूरा इटली अंधेरे में डूब गया था। इसलिए इस बार भी तकनीकी समस्या या साइबर हमला दोनों ही संभावनाओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने मिधानि के सीएमडी का पदभार संभाला

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति द्वारा 28 अप्रैल, 2025 से मिश्र धातु निगम लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण किया गया। डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने मेटलर्जिकल इंजीनियरिंग में आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टणम से बी.ई., आईआईएससी-बैंगलूरु से एम.ई. और आईआईटी-बॉम्बे से पीएच.डी. की डिग्री प्राप्त की है। वे 1993 में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र, त्रिवेंद्रम में शामिल हुए थे। वहाँ रहते हुए उन्होंने अल्ट्राहाई स्ट्रेंथ स्टील्स, टाइटेनियम मिश्र धातु, सुपरलॉय और एल्युमीनियम मिश्र धातु के विकास पर बड़े पैमाने पर काम किया। वे स्टील रिसर्च सेंटर, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मैटेरियल्स साइंस, जापान (2003-2006) में पोस्ट डॉक्टरल फेलो थे। उन्होंने अल्ट्राफाइन ग्रेनड स्टील्स के विकास पर काम किया। मिधानि में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का पद ग्रहण करने से पूर्व, वे त्रिवेंद्रम स्थित लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम्स सेंटर (इसरो) में कार्यरत थे। एलपीएससी में वे पृथ्वी पर भंडारण योग्य, क्रायोजेनिक, अर्ध-क्रायोजेनिक चरणों के साथ-साथ भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए उपग्रह प्रणोदन प्रणालियों के लिए सामग्रियों के

स्वदेशीकरण और आपूर्ति के क्षेत्र में कार्यों का उत्तरदायित्व निभाया। उनकी विशेषज्ञता के क्षेत्रों में एयरोस्पेस सामग्री विकास और प्रसंस्करण, सामग्री परीक्षण, लक्षण वर्णन, एयरोस्पेस घटकों का विफलता विश्लेषण और एडिटिव विनिर्माण शामिल हैं।

डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति को भारत सरकार के इस्पात मंत्रालय से यंग मेटलर्जिस्ट अवार्ड (2001) और मेटलर्जिस्ट ऑफ द ईयर अवार्ड (2018) दोनों से सम्मानित किया जा चुका है। वे क्रायोजेनिक और सेमी-क्रायोजेनिक इंजनों के कॉपर मिश्र धातु Cu-Cr-Ti-नी थ्रस्ट चैंबर के स्वदेशीकरण (2012) के लिए इसरो टीम उत्कृष्टता पुरस्कार के सदस्य थे। एनआईएमएस में अपने पोस्ट-डॉक्टरल कार्य के लिए, उन्हें अल्ट्राफाइन ग्रेनड स्टील्स के विकास के लिए जापान सोसाइटी फॉर टेक्नोलॉजी ऑफ प्लास्टिसिटी (2009) द्वारा एआईडीए टेक्नोलॉजी इनोवेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उन्हें सोसाइटी फॉर फेल्योर एनालिसिस द्वारा नेशनल फेल्योर एनालिस्ट अवार्ड (2021) और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स द्वारा जी.डी. बिड़ला गोल्ड मेडल (2022) से सम्मानित किया गया है। डॉ. एस.वी.एस. नारायण मूर्ति आंध्र प्रदेश विज्ञान अकादमी, (2017) और इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (2021) के निर्वाचित सदस्य हैं। वे स्प्रिंगर द्वारा प्रकाशित ट्रांजेक्शन ऑफ द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेटल्स के प्रधान संपादक हैं। वे इनसाइक्लोपीडिया ऑफ एल्युमिनियम एलॉयज, एएसटीएम जर्नल ऑफ मैटेरियल्स परफॉर्मेंस एंड कैरेक्टराइजेशन और जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग फेल्योर एनालिसिस के संपादकीय बोर्डों में हैं। वे अमेरिकन सोसाइटी फॉर मेटल्स (एएसएम) हैंडबुक समिति के सदस्य भी हैं। वे सीएसआईआर-एएमपीआरआई, भोपाल की शोध परिषद और एआरसीआई, हैदराबाद के तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य हैं। वे स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में शामिल हैं। वे 8 पीएच.डी. छात्रों और 25 से अधिक स्नातकोत्तर छात्रों के शोध निर्देशक रहे हैं। वे इसरो के कई आंतरिक तकनीकी रिपोर्टों और अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी समीक्षा पत्रिकाओं में 325 से अधिक प्रकाशनों के लेखक हैं।

गौ संरक्षण के लिए गोमाता महा हरथी का आयोजन 4 मई को

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में गौ संरक्षण के लिए गोमाता महा हरथी का आयोजन आगामी दि. 4 मई को किया जा रहा है।

यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कार्यक्रम के आयोजक विश्व हिंदू महासंघ तेलंगाना अध्यक्ष के अभिनेता वैभव सूर्या ने कहा कि पारंपरिक भारतीय मूल्यों को पुनर्जीवित करने और पारिस्थितिक स्थिरता को बढ़ावा देने के एक हार्दिक प्रयास में, हैदराबाद में जल्द ही एक अनूठा और आध्यात्मिक रूप से उत्थानकारी काय क्रम 'गोमाता हारथी' का आयोजन किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य गौ संरक्षण और संरक्षण (गौ संरक्षण) के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह कार्यक्रम रविवार दि. 04.05.25 को ललिता कला थोरानम, पब्लिक गार्डन, नामपल्ली, हैदराबाद में निर्धारित है, और इसमें बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी और आध्यात्मिक उत्साह आने की उम्मीद है।विश्व हिंदू महासंघ तेलंगाना अध्यक्ष के अभिनेता वैभव सूर्या, मंत्री डॉ. समता, कवीता तथा सहयोगी संस्था लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेरमेन जसमत पटेल, आर.के. जैन, मुकेश चौहान, रिद्धीश जागीरदार ने सांसद ईटेला राजेन्द्रा, सांसद रघुनंदन राव, सांसद डॉ. के. लक्ष्मण, विधायक ठाकुर राजा सिंह, पूर्व एम.एल.सी. रामचंद्र राव से भेट कर कार्याम मे विशेष अतिथि के रूप मे पधारने का निवेदन किया गया। विश्व हिंदू महासंघ द्वारा आयोजित यह कार्याम आध्यात्मिक नेताओं, पर्यावरणविदों, किसानों, गौभक्तो और आम जनता को भारतीय संस्कृति, कृषि और दैनिक जीवन में गोमाता (गाय) की पवित्र भूमिका का सम्मान करने के लिए एक साथ लाता है। कार्याम में वैदिक होम, पारंपरिक हरथी अनुष्ठान और सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल होंगे, जिसमें देशी गाय की नस्लों, जैविक खेती के तरीकों और पंचगव्यआधारित स्थिरता मॉडल के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा। लव फॉर काऊ फाउंडेशन चेरमेन जसमत पटेल ने कहा ऐसे देश में जहां 190 मिलियन से ज़्यादा गायें हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, गोमाता का संरक्षण और सम्मान करना न केवल आस्था का विषय है, बल्कि एक पारिस्थितिक और आर्थिक आवश्यकता भी है। इस पहल का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना, जन भागीदारी को संगठित करना और गोरक्षा के बारे में नीतिस्तरीय बातचीत को प्रोत्साहित करना है। यह आयोजन आत्मनिर्भर भारत जैसी पहल के तहत प्राकृतिक खेती, ग्रामीण आजीविका और भारतीय सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप है। आयोजकों ने भारत के माननीय प्रधान मंत्री सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों को निमंत्रण भेजा है, ताकि इस नेक काम के लिए उनका आशीर्वाद और समर्थन मिल सके।

डॉ. रेखा देवी को पीएचडी की उपाधि प्रदत्त

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

डॉ. रेखा देवी को उनके शोध विषय 'अंतिम दो दशक के उपन्यासों में ग्रामीण जीवन' के लिए पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उस्मानिया विश्वविद्यालय से डॉ. अनिता एवं डॉ. संगीता व्यास के निर्देशन में श्रीमती रेखा देवी ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के आर्ट्स कॉलेज से 'अंतिम दो दशक के उपन्यासों में ग्रामीण जीवन' विषय पर गहन शोध कर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में वे सरकारी पाठशाला में हिन्दी की सह अध्यापिका (एस.ए हिन्दी) के रूप में सरकारी गर्ल्स हाई स्कूल पायोनिर बाजार में कार्यरत हैं।

बेगम बाजार के पार्षद शंकर यादव को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी, बब्बू जयदीप यादव व अन्य।

तेलंगाना की मुख्य सचिव शांति कुमारी को एमसीआर एचआरडी का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना सरकार ने सोमवार, 28 अप्रैल को वरिष्ठ आईएएस अधिकारी शांति कुमारी को एमसीआर एचआरडी का उपाध्यक्ष नियुक्त करने के आदेश जारी किए। तेलंगाना की मुख्य सचिव के पद पर कार्यरत शांति कुमारी 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो जाएंगी। सोमवार को आदेश जारी किए गए। सरकारी आदेश में कहा गया है कि उनकी नियुक्ति की शर्तें अलग से जारी की जाएंगी।राज्य सरकार ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के रामकृष्ण राव को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। वर्तमान में वित्त एवं योजना विभाग के विशेष मुख्य सचिव के रूप में कार्यरत रामकृष्ण 1991 बैच के अधिकारी हैं।

रोटरी क्लब जुबली हिल्स ने दमरे के सेंट्रल अस्पताल लालागुडा को 50 व्हील चेयर दान किए

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रोटरी क्लब ऑफ जुबली हिल्स ने दि. 28 अप्रैल, 2025 को शार प्रोजेक्ट्स की अपनी सीएसआर पहल के तहत दमरे के सेंट्रल हॉस्पिटल, लालागुडा, सिकंदराबाद को 50 व्हील चेयर दान किए। इस अवसर पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन मुख्य अतिथि थे। डॉ. निर्मला राजाराम, प्रिंसिपल चीफ मेडिकल डायरेक्टर, लोकेश विश्नोई, डिवीजनल रेलवे मैनेजर, हैदराबाद डिवीजन, डॉ. आई. शिवनागा प्रसाद, मेडिकल डायरेक्टर, एससीआर और अन्य रेलवे अधिकारी मौजूद थे। शरत चौधरी, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, डॉ.

राम प्रसाद, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर इलेक्ट, बालाकोटि रेड्डी, 3150 रोटरी क्लब जुबली हिल्स ब्रांच के अध्यक्ष और अन्य रोटरी क्लब के सदस्य भी इस अवसर पर मौजूद थे।

लालागुडा, सिकंदराबाद में स्थित केंद्रीय अस्पताल, सिकंदराबाद क्षेत्र में और उसके आसपास रहने वाले सेवारत/सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों, उनके बच्चों और आश्रितों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करता है और साथ ही सभी डिवीजनों जैसे विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर और नांदेड़ से इलाज के लिए आने वाले मरीजों की चिकित्सा आवश्यकताओं को भी पूरा करता है। इस अवसर पर बोलते हुए, दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि रोटरी क्लब जनता विशेषकर जरूरतमंदों के लाभ के लिए अपने सीएसआर पहलों के माध्यम से विभिन्न सामाजिक कल्याण गतिविधियों के आयोजन में हमेशा सबसे आगे रहता है। उसी के अनुरूप, लालागुडा के केंद्रीय अस्पताल को 50 व्हील चेयर दान करने में रोटरी क्लब का दयालु भाव अत्यधिक सराहनीय है। यह कार्य रेलवे अस्पताल, सिकंदराबाद में आने वाले मरीजों की सेवा में बहुत मदद करेगा। इससे पहले, रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3150 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर श्री शरत चौधरी ने भी अपने संगठन द्वारा की गई विभिन्न पहलों के बारे में बताया।

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में श्री दिगम्बर जैन संस्था के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का सम्मान करते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग, सम्मेलन के अध्यक्ष रामप्रकाश भण्डारी, मंत्री अमित लड्ढा, कोषाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा, प्रेमकुमार बजाज, नवलकिशोर बंग, विजय कासलीवाल एवं अन्य।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत सोमवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित थे।

शेयर मार्केट

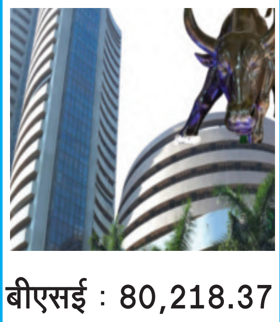

बीएसई : 80,218.37
+1005.84 +1.27% ↑
एनएसई :24,328.50
289.15 (1.20%) ↑

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 99,570/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 99,640/-
(प्रति किलोग्राम)

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सिविल जजों के लिए अनिवार्य तेलुगु भाषा के खिलाफ याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी, जिसमें उर्दू बोलने वालों के लिए कोई वैकल्पिक विकल्प उपलब्ध कराए बिना सिविल न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए तेलुगु भाषा में दक्षता अनिवार्य करने संबंधी राज्य के नियम को बरकरार रखा गया था।न्यायमूर्ति बी.आर. गवई और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने तेलंगाना उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ याचिकाकर्ता मोहम्मद शुजात हुसैन द्वारा दायर अपील पर सुनवाई की। याचिका में तेलंगाना न्यायिक (सेवा और कैडर) नियम, 2023 में कुछ प्रावधानों की संवैधानिकता को लेकर उनकी चुनौती को खारिज कर दिया गया था।वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया कि तेलंगाना में ऐतिहासिक और आधिकारिक महत्व रखने वाली उर्दू को बाहर करना भेदभावपूर्ण है। हालांकि पीठ इससे सहमत नहीं हुई।न्यायमूर्ति गवई ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए टिप्पणी की, बाहर नहीं रखा गया है। (नियम) केवल यह कहता है कि तेलुगु भी आवश्यक है। क्षमा करें, इस पर विचार नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने न्यायिक नियुक्तियों के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए तेलुगु प्रवीणता की आवश्यकता के तेलंगाना सरकार के निर्णय को बरकरार रखा। न्यायालय ने दोहराया कि नियम ने उर्दू बोलने वालों को बाहर नहीं रखा बल्कि केवल तेलुगु प्रवीणता की अतिरिक्त आवश्यकता लागू की।इससे पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय ने हुसैन की याचिका को खारिज कर दिया था।

प्रज्ञा के धनी थे आचार्य श्री महाप्रज्ञ : डॉ.साध्वी श्री गवेषणाश्री जी

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रेक्षाप्रणेता, युगप्रधान आचार्य श्री महाप्रज्ञजी के 16 वें महाप्रयाण दिवस पर श्रद्धार्पण समारोह का आयोजन युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री डॉक्टर गवेषणा श्री जी ठाणा -4 के सानिध्य में मानसरोवर हाइट्स में आयोजित हुआ।

राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार इस अवसर पर उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वीश्री जी ने कहा आचार्य महाप्रज्ञ जी अनेक विशेषताओं के धनी थे। उन्होंने नथू से महाप्रज्ञ के दृष्टांत को उनकी जीवन शैली द्वारा बताया।वे एक संत, आचार्य प्रशासक, ज्ञानी, विज्ञानी, आगम वेत्ता, विधिवेता, दार्शनिक, प्रवचनकार, साहित्यकार, लेखक व कवि थे। उनकी प्रज्ञा को देखकर भद्रबाहु एवं हरिभद्र जीवंत हो उठते थे। उनकी सहिष्णुता, समर्पण श्रमनिष्ठा

सहजता, सरलता बेजोड़ थी । वे निर्मल व पवित्र आभा से सम्पन्न थे। उन्होंने न्याय, दर्शन, प्रेक्षा जैनधर्म, संस्कृति आदि अनेक सम सामयिक विषयों पर करीबन 275 ग्रंथों की रचना की। उनके ग्रंथ साहित्य जगत की अमूल्य निधि है। वे आचार्य श्री तुलसी के विचारों के भाष्यकार थे। उन्होंने अपने जीवन के नौवें दशक में अहिंसा यात्रा कर - विशिष्ट कार्य किया। अवस्था ज्येष्ठत्व, विशिष्ट संतत्व, कुशल नेतृत्व व ज्ञान वृद्धत्व था। उनके 16 वें महाप्रयाण दिवस पर अपनी श्रद्धा समर्पित करती हूं। उनके द्वारा प्रदत्त प्रेक्षाध्यान अवदान को जन-जन तक तक पहुंचाने का प्रयास करें जिससे उनका महाप्रयाण दिवस मनाना सार्थक हो सकेगा। कार्यक्रम का शुभारंभ निष्ठा नाहटा द्वारा किया गया तत्पश्चात तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की बहनों द्वारा मंगलाचरण के संगान से हुआ। स्वागत भाषण तेरापंथी सभा सिकंदराबाद सुरेश संचेती ने दिया। साध्वी मयंकप्रभा ने कहा- आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी दृढ़, संलल्प के धनी थे।। साध्वी मेरुप्रभाजी ने सुमधुर गतिका का संगान किया।

इस अवसर पर पंकज बैद, टी पी एफ अध्यक्ष वीरेंद्र घोषल तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा, महिला मंडल मंत्री सुशीला मोदी , संपत जी नौलखा ने अपने श्रद्धासिक्त उद्गार व्यक्त किये। कार्यक्रम का कुशलतापूर्वक संचालन साध्वी दक्षप्रभा ने किया। आभार ज्ञापन अशोक जी नाहटा ने किया।

तीन दिवसीय समर स्पेशल हाईलाइफ प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तीन दिवसीय समर स्पेशल हाईग्लाइफ स्टाइल एक्जीबिशन का भव्य उद्घाटन एचआईसीसी नोवोटेल में किया गया। विभिन्न प्रकार के आकर्षक तथा डिजाइनर उत्पादों से सुसज्जित प्रदर्शनी में आयोजक के साथ अभिनेत्री हेबाह पटेल के साथ अन्य फैशन प्रेमी उपस्थित थे।

30 अप्रैल तक चलने वाली ग्रीष्मकालीन विशेष प्रदर्शनी में रचनात्मक और डिजाइनर फैशन परिधानों के साथ-साथ शादी-ब्याह के लिए विशेष संग्रह, दुल्हनों के लिए नवीन कलेक्शन और आभूषणों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी में एक्सेसरीज के अलावा घरेलू साज सज्जा की वस्तुओं, कलाकृतियों आदि के स्टॉल स्थापित किये गये हैं। गर्मियों को ध्यान में रखते हुए कई डिजाइनरों ने अनुकूल फैब्रिक और रंगों के नये कलेक्शन लांच किये हैं। प्रदर्शनी में एक मचं से कई तरह के विकल्प मौजूद हैं।

अनेक भक्तों प्रति दिन रामायण परायण और आश्रम में चल रहे अनिगिनत् सेवाओं भाग ले रहे हैं। इस उपलक्ष्य में मुन्नालाल सत्यनारायण लोया परिवार ने दर्शन कर भगवान् जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं बद्रि प्रसाद सुरेका सारडा के मांगलिक विवाह दिवस पर आशीर्वाद प्राप्त कर के रामायण का संकल्प लिया एवं पुण्य प्राप्त किया। इस अवसर पर संगीता सारडा परिवार ने गुप्त सेवा प्रदान की। स्वामीजी ने आरती पूजा कर के उनका सम्मान किया।

भावसार क्षत्रीय चैरिटेबल ट्रस्ट जियागुड़ा हैदराबाद द्वारा पहलगामआतंकी हमले के विरोध में जियागुड़ा में कैंडल मार्च निकालकर पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी गई है। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रशांत नीमकर, उपाध्यक्ष जय हिन्द राव बसुटकर, मंत्री वसंत बसुत्कार, श्याम सुंदर भांडेकर,फकीरचंद रावतकर,श्याम निमकर , तेलंगाना के अध्यक्ष उमेश जितने, गोपाल पोट,श्रीधर लोखंडे चंद्रकांत पतंगे, भावसार विजन इंडिया के अध्यक्ष शीतल नीम कर शंकर आसुतकर, घनश्याम पतंगे, मराठा समाज से सुदेश पाटिल व अन्य उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज लोधा सनतनगर शाखा के चुनाव 25 मई को

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। शाखा की कार्यकारणी बैठक में निर्णय लिया गया कि शाखा के द्विवार्षिक चुनाव एवं साधारण सभा का आयोजन आगामी 25 मई ,रविवार को किया जाएगा ।

शाखा के परामर्शदाता बिमल टिबरेवाल को चुनाव अधिकारी का पदभार सौंपा गया ।

बैठक में शाखा अध्यक्ष महेन्द्र खेतान,सचिव साकेत अग्रवाल, सह सचिव मुरारीलाल अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य अनिल अग्रवाल ,परामर्शदाता बिमल टिबरेवाल,कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार भारुका व सुमित अग्रवाल उपस्थित थे ।

दक्षिण भारत कब्बड्डी टीम चयन प्रतियोगिता शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अभ्युदय युथ क्लब के निर्देशन में एकल अभियान तेलंगाना के तत्वावधान में राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता के लिए दक्षिण भारत कब्बड्डी टीम चयन प्रतियोगिता शिविर का कब्बड्डी कोचिंग सेंटर,लाल बहादुर स्टेडिम,हैदराबाद में रविवार दिनांक 27 अप्रैल 2025 को सम्पन्न हुआ।वनबंधु परिषद् तेलंगाना के प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि अभ्युदय युथ क्लब लखनऊ के निर्देशन में *एकल अभियान तेलंगाना* चैप्टर के तत्वावधान में दक्षिण भारत से कब्बड्डी टीम चयन प्रयोगिता का आयोजन वार रविवार दिनांक 27 अप्रैल 2025 को कब्बड्डी कोचिंग सेंटर , लाल बहादुर स्टेडियम, हैदराबाद में हुआ। इस शिविर में सर्वप्रथम आज के मुख्य अतिथि पूर्व राष्ट्रीय वालीबाल खिलाड़ी और

सरोजिनी स्पोर्ट्स एकादमी, हैदराबाद के संस्थापक अध्यक्ष श्री जी.आर किरण रेड्डी के द्वारा भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। तत्पश्चात सभी उपस्थित जनों ने दो मिनट का मौन रखकर पहलगाम में पाकिस्तानी कायरों के द्वारा निहत्थे लोगों के जनसंहार में मारे लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की।इसके बाद श्री किरण रेड्डी ने सभी कब्बड्डी टीम खिलाड़ीयों का परिचय लिया और खिलाड़ि यों को खेलों का और टीम भावना के महत्व के बारे में अपने जीवन के अनुभवों से विस्तार पूर्वक बताया। मुख्य अतिथि के सम्बोधन के बाद कब्बड्डी मैच हुये। इन मेचों में तेलंगाना, आंध्रा और कर्नाटका की कब्बड्डी टीमों ने भाग लिया।सभी मेचों के परिणाम के आधार पर प्रभाग पी-9,(तेलंगाना और आंध्रा) से 12+3 की एक टीम और प्रभाग पी-10(कर्नाटका) से 12+3 की एक टीम चुनी गई और दक्षिण भारत से ये दोनों टीमें राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रस्तावित की गई है। इस कब्बड्डी टीम चयन शिविर में वनबंधु परिषद् तेलंगाना के कार्यकारी अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ,महिला समिति अध्यक्ष श्रीमती रेखा सराफ, प्रचार-प्रसार संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल, महिला समिति सह सचिव श्रीमती अनीता केडिया,एकल अभियान प्रमुख (टी -9)श्री के.राघवेन्द्र, ग्राम संगठन प्रभारी श्रीमती नीता बंसल ,श्रीनिवास रेड्डी,बी.श्रीधर, एकल ग्राम संगठन लखनऊ से श्री दिनेश जी (कार्यालय प्रभारी), शिवा सांई जी (खेल कूद प्रभारी), गणेश्वरजी (मिडिया प्रभारी), खिलाड़ी चयन और आडिट टीम के श्री ज्योतिश्वर (तेलंगाना कब्बड्डी एसोसिएशन), श्री भूपति रेड्डी, श्री महेश, श्री गणेश, श्री सचिन की उपस्थिति से इस शिविर को सफल बनाया। समापन में ग्राम संगठन प्रभारी बी.श्रीधर ने इस आयोजन में शामिल हुए सभी पक्षों को कार्यक्रम की सफलता में योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापन किया।

अग्रवाल समाज कुकटपल्ली शाखा (पूर्वांचल) आम सभा सम्पन्न

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज कुकटपल्ली पूर्वांचल शाखा की आम सभा अपने कार्यालय सोनी परिसर में 10:00 बजे रखी गई।

सदस्यों की उपस्थिति कम होने की वजह से आधा घंटा विलंब किया गया। 10:30 बजे श्री अग्रसेन महाराज की पूजा अर्चना की गई और सभा का आरंभ किया गया। शाखा की अध्यक्ष श्रीमति सीमा जैन ने सबका अभिवादन किया। तत्पश्चात मानद मंत्री विपुल झुनझुनवाला ने पूरे साल का रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष राधेश्याम गोयल ने लेखा जोखा। (2023-24, 2024-25) पेश किया जिसे सबकी सहमति से पास किया गया। इसके उपरांत सदस्यों ने विचार विमर्श किया और अपनी राय व्यक्त की।

तत्पश्चात श्री मेघराज अग्रवाल (चुनाव अधिकारी) ने चुनाव की प्रक्रिया आरंभ की। किसी भी सदस्य के नामांकन पत्र नहीं आने के कारण सर्वसम्मति से एजीएम में निम्नलिखित पद के लिए इन सदस्यों को चुना गया।

श्री शंखेश्वर भक्ति एवं सेवा मंडल द्वारा सोमवार को हैदरगुडा स्थित पेट्रोल पंप के पास राहगीरों को निःशुल्क गन्ना रस वितरित किया गया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारीगण एवं सदस्य उपस्थित थे।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, तथा पारंपरिक चिकित्सा में मौलिक एवं साहित्यिक अनुसंधान के, विश्व स्वास्थ संगठन के सहयोगी केंद्र के रूप में कार्यरत इस संस्थान द्वारा आयुष क्षेत्र में नमस्ते पोर्टल के साथ समन्वय में आईसीडी-11 और ढच् मॉड्यूल-2 के कार्यान्वयन के लिए प्रशिक्षकों का ऑनलाइन प्रशिक्षण (टीओटी) जो विशेष कर सीसीआरएएस नमस्ते और एएचएमआईएस समन्वयकों के लिए आयोजित किया गया है जिसका उद्घाटन दिनांक 28 फरवरी को किया गया ।प्रोफेसर (वैद्य) रबीनारायण आचार्य, महानिदेशक, सीसीआरएएस के मार्गदर्शन एवं अध्यक्षता में इस कार्यशाला का उद्घाटन, भारतीय चिकित्सा प्रणाली के लिए राष्ट्रीय

आयोग के बोर्ड ऑफ आयुर्वेद के अध्यक्ष, डॉ.बी.एस.प्रसाद जी के मुख्य अतिथि के रूप में तथा सम्मानित अतिथि, डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र (एसईएआरओ), नई दिल्ली के तकनीकी अधिकारी, डॉ. पवन गोदतवार, एवं डॉ एन श्रीकान्थ, उप-महानिदेशक, सीसीआरएएस के जी के ऑनलाइन उपस्थिति के साथ सम्पन्न हुआ । इस कार्यक्रम में सीसीआरएएस के विभिन्न संस्थानों के निदेशक, प्रभारी सहायक निदेशक, प्रभारी अनुसंधान अधिकारी भी उपस्थित थे।इसका शुभारंभ, डॉ जी पी प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, छखखचक के स्वागत भाषण से हुआ । जिसके पश्चात प्रोफेसर (वैद्य) रबीनारायण आचार्य, महानिदेशक, सीसीआरएएस ने कार्यशाला का उद्देश्य एवं इसे सफलता पूर्वक आयोजनार्थ शुभकमानयें दि । मुख्य अतिथि डॉ.बी.एस.प्रसाद ने इस कार्यशाला से प्रशिक्षण प्राप्त अभिभावकों को भविष्य में राष्ट्रीय आयोग के बोर्ड ऑफ आयुर्वेद के साथ समन्वयात्मक कार्यकर आयुर्वेद चिकित्सा से जुड़े महाविद्यालयों के संकायों को प्रशिक्षित करने का आवाहन किया एवं इस दिशा में कार्य करने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए । डॉ. पवन गोदतवार, डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र (एसईएआरओ) के तकनीकी अधिकारी ने इस विश्व स्वास्थ संगठन के सहयोगी केंद्र द्वारा किए गये कार्य कि सरहना करते हुए भविष्यमें इसके द्वारा आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम के सटीकता पर जोर दिया।प्रशिक्षक के रूप में डॉ साकेथ राम, अनुसंधान अधिकारी (आयु.) के साथ साथ श्री हरी प्रसाद एवं नमस्ते परियोजना के अधीनस्थ कार्यरत अधिकारी एवं अन्य कर्मचारी सहभागी होंगे जिन्हे परिषद मुख्यालय से डॉ प्रताप मखीजा, कार्यक्रम अधिकारी, डॉ व्ही के लवानीया, डॉ राकेश नारायण आदि का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

इस कार्यशाला में लगभग 100 से ज्यादा सीसीआरएएस नमस्ते और एएचएमआईएस समन्वयक प्रतिभागि के रूप में भाग लेकर लाभान्वित होने जा रहे है ।

DAILY शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME
I, SARASWATI DEVI Spouse of Service No.JC 386294Y Sub UMESH RAY, R/o.Vill: DaljitaTola, P.O:Jayprakash Nagar, Dist:Ballia, Uttar Pradesh - 277204 have changed my name from SARASWATI DEVI to SARSWATI DEVI vide affidavit dt:26-4-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, RAJMATI DEVI Mother of Service No.JC 386294Y Sub UMESH RAY, R/o.Vill: DaljitaTola, P.O:Jayprakash Nagar, Dist:Ballia, Uttar Pradesh-277204 have changed my name and DOB from RAJMATI DEVI, DOB:01-07-1956 to RAJVATIYA, DIB:01-01-1953 vide affidavit dt:28-4-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, MEGHANARAJ M Spouse of Service No. 14442710H Hav YOGABHYRAVA HL, R/o.2030, 2nd Cross, Ashoka Nagar, Opp. Police station, Malavalli, Kollegala Road, MandyaDist, Karnataka - 571430 have changed my name and DOB from MEGHANARAJ M, DOB:15-07-1985 to MEGHANA RAJ M, DOB:15-07-1983 vide affidavit dt:5-4-2025 before K DWARAKANATH, Advocate and Notary, Malavalli.

CHANGE OF NAME
I, PUTTA LAXMA Mother of Service No. 14442710H Hav YOGABHYRAVA HL, R/o. 2030, 2nd Cross, Ashoka Nagar, Opp:Police station, Malavalli, Kollegala Road, MandyaDist, Karnataka-571430 have changed my name and DOB from PUTTA LAXMA, DOB:01-07-1951 to PUTTALAKSHMAMMA, DOB:08-10-1957 vide affidavit dt:5-4-2025 before K DWARAKANATH, Advocate and Notary, Malavalli.

CHANGE OF NAME & DOB
I, Service No. JC 209173H Sub YELLAPU PAIDI RAJU (Retd), R/o.H.No.5-3-110/96, SaiKrupa Colony, Vill:Yapral, P.O.:J J Nagar, Teh:Alwal, Dist:MedchalMalkajgiri, TS -500087 hereby declare that my daughter name and DOB is to be changed from Y KUMARI NAGA SATYA KARUNA, DOB:07-02-1979 to VELAGA KARUNA KUMARI, DOB:07-02-1980 vide affidavit dt:28-4-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, SC No.15420108-Y, Rank HAV, Name: PATIL SANDIP VISHNU, R/o. VILL & Post BATAKANANGALE, TEH : GADHINGLAJ, District: KOLHAPUR, State : MAHARASHTRA, have changed my daughter's name From CHAITANYA to CHAITANYA SANDIP PATIL in my service records.

केसीआर के वारंगल भाषण ने बीआरएस कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया

तेलंगाना कांग्रेस में मची खलबली!

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस सरकार की गड़बड़ियों, समयसीमा चूकने और वादे पूरे न करने तथा मुख्यमंत्री को सर्वोच्च न्यायालय से मिली फटकार (शायद हाल के इतिहास में किसी भी मुख्यमंत्री को मिली सबसे अधिक फटकार) के इर्द-गिर्द घूमने वाली तेलंगाना की राजनीति ने रविवार को एक नया मोड़ ले लिया।

मैंने उन्हें समय देने के लिए 16 महीने तक उनकी आलोचना नहीं की, लेकिन राज्य के बिखरने के साथ, अब चुप्पी कोई विकल्प नहीं है - यह घोषणा, जिसका जोरदार तालियों के साथ स्वागत हुआ, यह संकेत था कि कांग्रेस के लिए आने वाले दिनों में क्या होने वाला है।एल्काथुर्थी में बीआरएस की जनसभा में भारी भीड़ उमड़ी और पार्टी अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के जोशीले भाषण ने निस्संदेह बीआरएस कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर दी, वहीं कांग्रेस को भी बेचैन कर दिया।वारंगल बैठक के माध्यम से शक्ति प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि बीआरएस राजनीतिक स्थान छोड़ने के मूड में नहीं है।चंद्रशेखर राव के आक्रामक और लड़ाकू लहजे ने चुनावी वादों को पूरा करने में विफलताओं के लिए कांग्रेस पर हमला बोला और सरकार को गिराने की किसी भी योजना को खारिज कर दिया, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल फिर से बढ़ गया है और यह स्पष्ट हो गया है कि बीआरएस तेलंगाना और उसके लोगों के हितों के खिलाफ कांग्रेस द्वारा उठाए गए हर कदम पर सवाल उठाएगी।

राज्य में लोगों द्वारा उठाए गए सवालों के अनुरूप विभिन्न मुद्दों पर उनकी तीखी टिप्पणियों ने बीआरएस कार्यकर्ताओं को बहुत प्रभावित किया। अव्यवस्था और

भारी ट्रैफिक जाम के बावजूद लोगों का समर्थन मिलने से पार्टी नेतृत्व को और भी मजबूती मिली, जिससे पार्टी की छवि फिर से मजबूत हुई। जनसभा से लौटते समय और सोमवार की सुबह तक, रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि बीआरएस कार्यकर्ता पूरी तरह से तैयार थे और कांग्रेस से सीधे मुकाबला करने के लिए तैयार थे।

कांग्रेस, जिसने बैठक से कुछ दिन पहले ही बीआरएस के संभावित पुनरुत्थान को भांप लिया था, ने नुकसान को नियंत्रित करने के लिए अपनी पूरी कोशिश की थी, दिल्ली में दो महीने से धूल खा रही एनडीएसए रिपोर्ट को खोदकर निकाला, यहां तक कि बीआरएस के पोस्टर फाड़ने और एल्काथुर्थी की ओर बीआरएस कार्यकर्ताओं को ले जा रहे वाहनों को रोकने के लिए पुलिस और परिवहन अधिकारियों का इस्तेमाल करने जैसे हताशाजनक कदम भी उठाए।

टेलीविजन और यूट्यूब चैनलों पर केसीआर को देखने और सुनने के लिए लाखों की संख्या में लोगों की भीड़ देखी गई, वरिष्ठ मंत्री बैठक के तुरंत बाद बाहर भागे और जवाबी हमला किया। उन्होंने बीआरएस प्रमुख के भाषण को भ्रामक और राजनीति से प्रेरित बताने की कोशिश की। उन्होंने चंद्रशेखर राव को सार्वजनिक बहस के लिए चुनौती भी दी, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उनके सवालों का उनके पास क्या जवाब होगा। लेकिन रविवार और सोमवार को कांग्रेस की तत्काल प्रतिक्रिया ने एक बात स्पष्ट कर दी। उन्हें पता है कि उनकी सीटें गर्म हो रही हैं।

एल्काथुर्थी में शुद्ध राजनेतापन भी देखने को मिला, जिसने रेवंत रेड्डी की कमी को उजागर किया। तेलंगाना की सीमाओं पर कई बार गोलीबारी के बावजूद, राज्य के मौजूदा मुख्यमंत्री चुप रहे। के चंद्रशेखर राव जैसे वरिष्ठ राजनेता ने खड़े होकर केंद्र से ऑपरेशन कगार को रोकने के लिए कहा, जिसमें उन्होंने कहा कि आदिवासियों और युवाओं का भी नरसंहार किया जा रहा है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में माओवादियों की आवाज भी सुनी जानी चाहिए।

अगली सुबह, रेवंत रेड्डी सरकार के सलाहकार और वरिष्ठ कांग्रेस नेता के. जना रेड्डी के पास इस मुद्दे पर सरकार के रुख पर चर्चा करने के लिए दौड़े, जबकि वे महीनों तक इस बात से अनजान रहे थे कि उनके राज्य की सीमा के पास और उसके भीतर क्या हो रहा है।

दिलचस्प बात यह है कि जहां भाजपा ने आधिकारिक तौर पर कोई प्रतिक्रिया देने से परहेज किया, वहीं उसके विधायक टी राजा सिंह ने तेलंगाना के प्रति केंद्र की उदासीनता के बारे में चंद्रशेखर राव की टिप्पणी की आलोचना की और साथ ही, अपनी पार्टी के भीतर असंतोष को आवाज़ देने का अवसर लिया। उनकी टिप्पणी कि अगर कुछ नेता सक्रिय और प्रभावी होते तो भाजपा सत्ता में आ जाती, भाजपा कार्यकर्ताओं में आंतरिक असंतोष को उजागर करती है, जिसका फायदा बीआरएस उठा सकता है।

इन परिस्थितियों में, राजनीतिक क्षेत्र में चंद्रशेखर राव की आक्रामकता तेलंगाना की राजनीतिक कहानी की रूपरेखा को नया आकार देने की संभावना है। कांग्रेस के अधूरे वादों पर उनका ध्यान केंद्रित होने की उम्मीद है क्योंकि रेवंत रेड्डी सरकार के प्रति जनता की बेचैनी बढ़ती जा रही है।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि इस पुनरुत्थान को चुनावी लाभ में परिवर्तित करने में बीआरएस की सफलता एक चुनौती बनी हुई है, लेकिन साथ ही, वे मानते हैं कि वारंगल रैली ने युद्ध की रेखा को फिर से खींच दिया है, जिससे बीआरएस फिर से चर्चा में आ गई है।

तेलंगाना में बीआरएस की रजत जयंती बैठक एक ऐतिहासिक मील का पत्थर : केटीआर

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) ने कहा कि रविवार 27 अप्रैल को हनमकोंडा जिले के एल्कातुर्थी मंडल में आयोजित पार्टी की रजत जयंती सार्वजनिक बैठक आने वाले वर्षों के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बनी रहेगी।केटीआर ने घोषणा की कि बीआरएस तेलंगाना में सत्ता में वापसी करेगी, जो कि रजत जयंती समारोह के दौरान उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए स्पष्ट है।सोमवार, 28 अप्रैल को पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित करते हुए केटीआर ने बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व में अटूट विश्वास प्रदर्शित करने वाले लाखों लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।उन्होंने रजत जयंती समारोह को भारतीय राजनीतिक इतिहास में सबसे बड़े सार्वजनिक समारोहों में से एक बताया तथा इसे बीआरएस की स्थायी सार्वजनिक शक्ति का स्पष्ट प्रमाण बताया।केसीआर ने भविष्य के आंदोलनों का व्यक्तिगत रूप से नेतृत्व करने की शपथ ली, केटीआर ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार की विफलताओं, अन्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ तीव्र संघर्ष के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।केटीआर ने स्पष्ट किया कि एल्काटुर्थी की बैठक तो बस शुरुआत थी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और सोशल मीडिया टीमों से आग्रह किया कि वे सरकार की अक्षमताओं को उजागर करें और हर कदम पर उसके दुष्प्रचार का मुकाबला करें, ताकि लोगों को स्पष्टता मिले।बाद में, राज्य भर के पार्टी नेताओं के साथ एक टेलीकांफ्रेंस में, केटीआर ने इस आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति, विशेष रूप से नेताओं, जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और तत्कालीन वारंगल जिले के कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने स्थानीय समन्वयकों के निर्बाध प्रयासों की भी सराहना की, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि प्रतिभागियों ने रसद संबंधी चुनौतियों के बावजूद सुरक्षित यात्रा की।केटीआर ने सोशल मीडिया टीमों और मीडिया बिरादरी को उनके व्यापक कवरेज के लिए विशेष धन्यवाद दिया, जिसने कार्यक्रम की सफलता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कांग्रेस आलाकमान ने तेलंगाना में फैसले लेने के अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस आलाकमान ने एक बार फिर राज्य नेतृत्व के समक्ष स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी के मामलों में फैसले कौन लेता है ।यह बात निकट भविष्य में की जाने वाली विभिन्न नियुक्तियों के निर्णय लेने के तरीके से स्पष्ट हो रही है तथा ऐसे किसी भी कदम को हतोत्साहित करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे दलबदलू विधायकों और हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए नेताओं को प्राथमिकता मिल सके।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की प्रभारी मीनाक्षी नटराजन ने प्रदेश नेतृत्व को अगले महीने तक पार्टी की ग्राम, मंडल, जिला कमेटियों की नियुक्ति के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा जिला कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों की नियुक्ति का काम 20 मई से पहले पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।ग्राम व मंडल अध्यक्ष पद के लिए पांच-पांच लोगों तथा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए तीन लोगों के नाम की संस्तुति करने के निर्देश भी दिए गए। हालांकि, यह स्पष्ट निर्देश दिया गया कि 2017 से लेकर अब तक पार्टी के कामकाज में सक्रिय रूप से शामिल रहे नेताओं के नाम की संस्तुति की जाए।इससे गांधी भवन में खलबली मच गई है, खासकर पार्टी के भीतर से मिल रही शिकायतों के मद्देनजर कि दलबदलुओं और खासकर तेलुगु देशम पार्टी के नेताओं को कुछ मनोनीत पदों और अन्य को भरने में प्राथमिकता दी गई।उदाहरण के लिए, वेम नरेंद्र रेड्डी को सलाहकार नियुक्त किया गया है। सितंबर 2023 में कांग्रेस में शामिल होने वाली पूर्व विधायक सीता दयाकर रेड्डी को तेलंगाना राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, टीडीपी से ही पटेल रमेश रेड्डी को टीजीडीटीसी का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि टीडीपी से ही आने वाली बंदरू शोभारानी को तेलंगाना राज्य महिला सहकारी विकास निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

मूंगफली खाने से 4 साल की बच्ची की मौत

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार को अब्दुल्लापुरमेट में एक दुखद घटना में मूंगफली खाने से चार साल की बच्ची की मौत हो गई। पीड़ित बच्ची बी तानविका शहर के उपनगर अब्दुल्लापुरमेट के लस्करगुडा में अपने माता-पिता के साथ रहती थी। रविवार शाम को बच्ची ने एक विक्रेता से मूंगफली खरीदी और उन्हें खाते समय उसे घुटन महसूस हुई।

अब्दुल्लापुरमेट के उपनिरीक्षक पी. माधव ने बताया कि बेटी की हालत देखकर उसकी मां उसे स्थानीय अस्पताल ले गई और बाद में नामपल्ली के निलोफर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां सोमवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

उपनिरीक्षक ने बताया कि डॉक्टरों ने परिवार के सदस्यों को बताया कि मूंगफली के कारण लड़की की श्वसन प्रणाली अवरुद्ध हो गई, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। मामला दर्ज कर लिया गया है।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने निलंबित अंतिम वर्ष के कानून के छात्र को सेमेस्टर परीक्षा में बैठने की अनुमति दी

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति बी विजयसेन रेड्डी ने सोमवार को हैदराबाद स्थित एसवीकेएम के नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के अंतिम वर्ष के कानून के छात्र आनंद राज को राहत दी।

सेमेस्टर परीक्षा में बैठने की अनुमति देकर। अंतिम वर्ष के कानून के छात्र आनंद राज को कॉलेज ने 28 अप्रैल को परीक्षा से 2 घंटे पहले एक संदेश जारी करके अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा में बैठने से निलंबित कर दिया। आनंद ने तुरंत एक तत्काल याचिका दायर करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया, जिसे न्यायालय ने स्वीकार कर लिया।

याचिकाकर्ता के वकील एस गौतम ने कहा कि परीक्षा से पहले अंतिम समय में कॉलेज द्वारा की गई यह कार्रवाई प्रतिशोधात्मक थी। उन्होंने कहा कि न तो याचिकाकर्ता को इस बारे में बताया गया और न ही उसे निलंबन का बचाव करने का कोई अवसर दिया गया।

निलंबन पत्र में उल्लिखित हाल की घटना के बारे में पूछताछ करने पर, वकील ने जवाब दिया कि विश्वविद्यालय में भोजन विषाक्तता की दुर्भाग्यपूर्ण घटना हुई, जिससे लगभग 170 छात्र तत्काल प्रभावित हुए और उन्होंने पेट दर्द और मतली की शिकायत की।

उनमें से 37 छात्रों में उल्टी, निर्जलीकरण और बुखार जैसे गंभीर लक्षण दिखे और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता पड़ी, जैसा कि समाचार पत्रों में बताया गया।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने केटी रामा राव के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला रद्द किया

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सोमवार को बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व मंत्री केटी रामा राव के खिलाफ दायर आपराधिक मामले को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति के लक्ष्मण ने एफआईआर दर्ज करने, जांच और आरोपपत्र दाखिल करने की पूरी प्रक्रिया में खामियां बताते हुए राहत दी।

आपराधिक मामले में लगाए गए आरोप हैं कि केटीआर ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसमें कहा गया था कि रेवंत रेड्डी ने ठेकेदारों और बिल्डरों से 2500 करोड़ रुपये एकत्र किए थे, ताकि इसे दिल्ली में कांग्रेस पार्टी के आलाकमान को भेजा जा सके।

मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति लक्ष्मण ने राजनीतिक टिप्पणियों के आधार पर शिकायत दर्ज करने के लिए पुलिस की खिंचाई की। न्यायाधीश ने कहा कि पुलिस ने कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है।मार्च 2024 में बंजारा हिल्स पुलिस स्टेशन में दर्ज की गई एफआईआर, टीपीसीसी सदस्य बथिनी श्रीनिवास राव द्वारा हनुमानकोंडा में दर्ज की गई जीरो एफआईआर से प्रेरित थी।राव का आरोप था कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के खिलाफ केटीआर के बेबुनियाद आरोपों से कांग्रेस पार्टी की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है और इससे मुख्यमंत्री का कद और गिर गया है तथा तेलंगाना के लोगों को गलत संकेत मिला है।दोनों पक्षों की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति लक्ष्मण ने आपराधिक मामले में कोई योग्यता नहीं पाई और केटीआर को राहत देते हुए इसे रद्द कर दिया।

तेलंगाना गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों ने कल्याण विधेयक के मसौदे में संशोधन प्रस्तुत किया

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (टीजीपीडब्ल्यूयू) ने इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (आईएफएटी) और विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी (विधि) के सहयोग से तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स (पंजीकरण, सामाजिक सुरक्षा और कल्याण) विधेयक, 2025 के हाल ही में जारी मसौदे पर श्रम आयुक्त को विस्तृत सुझाव प्रस्तुत किए।

सोमवार, 28 अप्रैल को इस अवसर पर बोलते हुए, टीजीपीडब्ल्यूयू के संस्थापक अध्यक्ष शेख सलाउद्दीन ने कहा,हम तेलंगाना सरकार की गिग और प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों को मान्यता देने और उनकी सुरक्षा करने की प्रतिबद्धता का तहे दिल से स्वागत करते हैं। गिग श्रमिकों को 'मई दिवस उपहार' के रूप में इस विधेयक को पेश करने में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का नेतृत्व ऐतिहासिक है। हमारे सुझावों का उद्देश्य विधेयक को मज़बूत बनाना है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह भारत और दुनिया के बाकी हिस्सों के लिए एक मॉडल बन जाए।

यह प्रस्तुति श्रमिकों, ट्रेड यूनियनों, वकीलों, नागरिक समाज समूहों और शोधकर्ताओं की सामूहिक अंतर्दृष्टि को दर्शाती है। यह श्रमिकों के लिए मजबूत अधिकारों, एल्गोरिदमिक पारदर्शिता, त्रिपक्षीय शासन, तत्काल और प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता पर जोर देता है।

शेख सलाउद्दीन ने कहा, टीजीपीडब्ल्यूयू सरकार के साथ काम करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अंतिम कानून राज्य के सभी गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों को सार्थक सामाजिक सुरक्षा और कल्याण संरक्षण प्रदान करे।

ईमानदार टीजीएसआरटीसी बस कंडक्टर को 13 लाख की नकदी, आभूषणों से भरा बैग लौटाने पर सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। ईमानदारी का एक उल्लेखनीय उदाहरण पेश करते हुए तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) के बस कंडक्टर वेंकटेश्वरलू ने बस में खोया हुआ 13 लाख रुपये मूल्य की नकदी, सोना और चांदी से भरा बैग उसके असली मालिक को लौटा दिया।

बस कंडक्टर की ईमानदारी की सराहना करते हुए, एमडी, वीसी सज्जनार सहित टीजीएसआरटीसी के वरिष्ठ प्रबंधन ने उन्हें बधाई दी और सम्मानित किया।

26 अप्रैल को अचंपेट-हैदराबाद रूट पर ड्यूटी के दौरान, एमजीबीएस, सिकंदराबाद पहुंचने पर कंडक्टर वेंकटेश्वरलू को एक भूला हुआ बैग दिखाई दिया। बैग के अंदर सोने-चांदी के गहने, नकदी और कई प्रमाणपत्र मिले। उन्होंने तुरंत अचंपेट डिपो मैनेजर मुरली दुर्गा प्रसाद को सूचित किया, जिन्होंने उन्हें बैग एमजीबीएस में स्टेशन मैनेजर के कार्यालय में सौंपने की सलाह दी।

इस बीच, अनिल कुमार नामक यात्री ने डिपो मैनेजर को फोन करके बताया कि वह अपना बैग बस में भूल गया है। उसने बताया कि वह कंडुकुर से बस में चढ़ा था और सीबीएस पर उतरकर काचीगुड़ा चला गया था। यात्री को एमजीबीएस स्थित स्टेशन मैनेजर के कार्यालय में जाने का सुझाव दिया गया।

टीजीएसआरटीसी अधिकारियों ने विवरण की जांच की और यात्री अनिल कुमार को बैग सौंप दिया। इसमें 14 तोले सोने और 10 तोले चांदी के गहने, 14,800 रुपये नकद, उनके बेटे का जन्म प्रमाण पत्र और उनकी शैक्षणिक योग्यता के प्रमाण पत्र शामिल थे।

पद्म पुरस्कार पाने वालों में नंदमुरी बालकृष्ण, एआईजी अस्पताल के अध्यक्ष डी नागेश्वर रेड्डी शामिल

नई दिल्ली/हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुजुकी मोटर के पूर्व प्रमुख स्वर्गीय ओसामु सुजुकी, प्रसिद्ध गायक स्वर्गीय पंकज उधास और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री स्वर्गीय सुशील कुमार मोदी उन 71 प्रमुख हस्तियों में शामिल थे जिन्हें सोमवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित किया।25 जनवरी को 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर कुल 139 प्रतिष्ठित व्यक्तियों को देश के नागरिक पुरस्कारों - पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री - के लिए नामित किया गया।

इनमें से 71 को सोमवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित अन्य की उपस्थिति में राष्ट्रपति भवन के भव्य दरबार हॉल में ये पुरस्कार प्रदान किए गए, जबकि शेष को शीघ्र ही एक अलग समारोह में ये अलंकरण प्रदान किए जाएंगे।

वरिष्ठ अभिनेता शेखर कपूर, एशियन इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एआईजी हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष डी नागेश्वर रेड्डी, वायलिन वादक लक्ष्मीनारायण सुब्रमण्यम और तेलुगु सुपरस्टार नंदमुरी बालकृष्ण, जिन्हें बलैया के नाम से भी जाना जाता है, अन्य प्रमुख व्यक्ति थे जिन्हें राष्ट्रपति द्वारा पद्म पुरस्कार प्रदान किए गए।

पुरस्कार पाने वालों में चार को पद्म विभूषण मिला - सुजुकी (मरणोपरांत), सुब्रमण्यम, रेड्डी और मलयालम लेखक और फिल्म निर्देशक एमटी वासुदेवन नायर (मरणोपरांत)।

कुल 10 प्रतिष्ठित हस्तियों को पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इनमें उधास (मरणोपरांत), सुशील कुमार मोदी (मरणोपरांत), बालकृष्ण कपूर, पूर्व हॉकी खिलाड़ी पीआर श्रीजेश, तमिल अभिनेता एस अजित कुमार, ज़ाइडस लाइफसाइंसेज के चेयरपर्सन पंकज पटेल और भारतीय-अमेरिकी इंजीनियर विनोद धाम शामिल हैं, जिन्हें 'पेंटियम के जनक' के रूप में जाना जाता है।

तेलंगाना सरकार कांग्रेस के रुख के आधार पर ऑपरेशन कगार पर फैसला लेगी : सीएम

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने कहा कि छत्तीसगढ़ से माओवादियों का सफाया करने के लिए केंद्र के ऑपरेशन कगार पर राज्य सरकार अपनी आधिकारिक नीति की घोषणा कांग्रेस पार्टी के निर्णय के बाद ही करेगी।

सोमवार को मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेता के. जना रेड्डी और के. केशव राव के साथ चर्चा की, ताकि रविवार को शांति समिति के प्रतिनिधियों द्वारा उनका प्रतिनिधित्व किए जाने के मद्देनजर केंद्र पर ऑपरेशन कगार को रोकने के लिए दबाव बनाया जा सके।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी कहा कि तेलंगाना सरकार इस मुद्दे पर पार्टी हाईकमान के फैसले के बाद ऑपरेशन कगार पर अपना रुख घोषित करेगी। सोमवार को यहां मीडियाकर्मियों के साथ अनौपचारिक बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि ऑपरेशन कगार पर राष्ट्रीय स्तर पर बहस होनी चाहिए। हमारे मंत्रियों की राय भी मांगी जाएगी और उसके अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने एलकातुर्थी जनसभा में बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव के भाषण पर टिप्पणी करते हुए कहा कि राज्य सरकार कई कल्याणकारी और विकास कार्यक्रमों को लागू कर रही है। रेवंत रेड्डी ने कहा, कोई भी अन्य राज्य ऐसी योजनाओं को लागू करने में तेलंगाना सरकार की बराबरी नहीं कर सकता।

अगले चुनाव से पहले के अंतिम छह महीनों में मेरे शासन

पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि रविवार को एल्काथुर्थी में बीआरएस प्रमुख के भाषण में कोई दम नहीं था। सभी योजनाएं एक साल पहले शुरू की गई थीं और उन्हें सुव्यवस्थित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चीजों को तेजी से आगे बढ़ाने की जरूरत है और कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए अच्छे कामों को बढ़ावा देने में विफल रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई विकल्प नहीं होने के कारण कुछ अधिकारियों को जारी रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वह अगले 20 वर्षों तक सक्रिय राजनीति में रहेंगे। उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव के खिलाफ फॉर्मूला-ई मामले और फोन टैपिंग मामले का जिक्र करते हुए कहा कि सब कुछ कानून के मुताबिक किया जाएगा। उन्होंने कहा, विभिन्न वर्गों की ओर से गिरफ्तारी की मांग की जा रही है, लेकिन मैं ऐसा नहीं कर सकता। सब कुछ कानून के मुताबिक होना चाहिए।

कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा खुलेआम मंत्री पद की मांग करने पर सीएम रेवंत ने कहा, उनमें से कुछ तो सिर्फ़ हैदराबाद तक ही सीमित हैं, जबकि उनसे बार-बार अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा करने और लोगों को सरकार द्वारा दी जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताने के लिए कहा गया है। केवल धैर्य ही उन्हें आगे बढ़ने का मौका देगा।उन्होंने अपने और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बीच मतभेद की अफवाहों को भी खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, मैं इस पर और कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। वरिष्ठ नौकरशाह के रामकृष्ण राव, जिन्होंने बीआरएस सरकार में वित्त सचिव के रूप में कार्य किया और फिर मुख्य सचिव नियुक्त होने से पहले कांग्रेस सरकार में भी इसी पद पर बने रहे, के पद पर बने रहने के संबंध में, सीएम रेवंत ने कहा कि 'हमारे अधिकारियों' और 'उनके अधिकारियों' के बीच कोई अंतर नहीं है।

केसीआर एल्काथुरथी बैठक:

बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने रेवंत रेड्डी, मंत्रियों पर पलटवार किया

बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए एल्काथुर्थी बैठक को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के शासन के खिलाफ जनमत संग्रह बताया।उन्होंने कहा कि जनसभा तो बस एक ट्रेलर थी और बीआरएस अब अगले साढ़े तीन साल तक कांग्रेस सरकार से हर मोड़ पर और हर विफलता पर सवाल पूछेगी। उन्होंने कहा कि भारी भीड़ ने साबित कर दिया है कि राज्य की जनता किस पर भरोसा करती है।सोमवार को तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए श्रवण ने कांग्रेस पर तेलंगाना को राज्य का दर्जा देने के बावजूद उसे धोखा देने का आरोप लगाया और चंद्रशेखर राव की उस टिप्पणी का समर्थन किया जिसमें उन्होंने कांग्रेस को राज्य के लिए खलनायक नंबर एक बताया था।उन्होंने पूछा, सिर्फ इसलिए कि अंग्रेजों ने हमें आज़ादी दी, क्या हमें उनका ऋणी होना चाहिए? हालांकि यूपीए सरकार ने तेलंगाना बनाया, लेकिन कांग्रेस दशकों से किए गए अपने पापों को कैसे धो सकती है?

बीआरएस एमएलसी ने बीआरएस प्रमुख की टिप्पणी का विरोध करने वाले मंत्रियों पर कटाक्ष करते हुए उन्हें रेवंत रेड्डी द्वारा तैयार की गई स्क्रिप्ट पढ़ने के लिए उपहास किया । सत्ता में 16 महीने बाद भी अपनी छह गारंटियों को लागू करने में विफल रहने के लिए सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मुफ्त बस सेवा जैसी योजनाएं भ्रामक हैं।

उन्होंने कहा कि बैठक में लोगों की भीड़ रेवंत रेड्डी के लिए बुरे सपने लेकर आई है। उन्होंने कथित तौर पर पुलिस द्वारा अवरोध पैदा किए जाने के बावजूद एल्काथुर्थी में लोगों की भारी भीड़ के लिए धन्यवाद दिया और इसे चंद्रशेखर राव के स्थायी करिश्मे का प्रमाण बताया।

हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने नाबालिगों के वाहन चलाने पर व्यापक कार्रवाई शुरू की

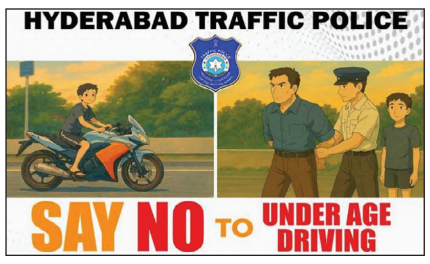

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में कम उम्र में वाहन चलाने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए, हैदराबाद यातायात पुलिस (एचटीपी) ने बिना किसी वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन चलाने वाले नाबालिगों पर विशेष ध्यान देते हुए व्यापक कार्रवाई शुरू की।

यातायात अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ाना तथा युवा चालकों और उनके माता-पिता एवं अभिभावकों के बीच कानूनी अनुपालन को लागू करना है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 2023 के पहले छह महीनों में हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने बिना लाइसेंस के गाड़ी चलाने के आरोप में करीब 1,000 नाबालिगों को पकड़ा। इनमें से 826 नाबालिगों को किशोर न्यायालयों द्वारा दोषी ठहराया गया और दंडित किया गया। इसी तरह, 2024 में हैदराबाद, राचकोंडा और साइबराबाद पुलिस आयुक्तालयों ने नाबालिगों द्वारा गाड़ी चलाने के क्रमशः 1,890, 1,289 और 1,400 मामले दर्ज किए।इसके अलावा, 5 से 22 अप्रैल के बीच दो सप्ताह से भी कम समय में एक कठोर विशेष अभियान में, हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने कुल 1,275 मामले दर्ज किए और 35 वाहनों के पंजीकरण रद्द कर दिए। अधिकारी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय को ज्ञापन जारी कर उल्लंघनकर्ताओं के लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश कर रहे हैं।मोटर वाहन अधिनियम के तहत वैध ड्राइविंग लाइसेंस के बिना वाहन चलाना दंडनीय अपराध है। धारा 180 और 181 के तहत अनधिकृत व्यक्तियों को वाहन चलाने की अनुमति देने के लिए मालिक उत्तरदायी हैं। धारा 180 और 181 के तहत उन पर जुर्माना लगाने और संभावित कारावास सहित दंड लगाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, धारा 207 अधिकारियों को बिना लाइसेंस वाले ड्राइवरों द्वारा संचालित वाहनों को जब्त करने की अनुमति देती है।वाहन चलाते हुए पकड़े गए नाबालिगों को आमतौर पर पांच दिनों तक किशोर गृह में रखा जाता है, जहां उन्हें परामर्श सत्र और प्रेरणात्मक कार्यक्रमों में भाग लेने के अलावा परिसर की सफाई या झाड़ू लगाने, अनाथ बच्चों को भोजन परोसने जैसी गतिविधियों में भाग लेने के लिए कहा जाता है।

एक यातायात पुलिस अधिकारी ने कहा, वाहन मालिकों, अक्सर नाबालिगों के माता-पिता या अभिभावकों को परामर्श और कानूनी कार्यवाही, परामर्श सत्रों के माध्यम से कम उम्र में वाहन चलाने से रोकने में उनकी भूमिका पर जोर दिया जाता है।हैदराबाद यातायात पुलिस द्वारा किए गए तीव्र प्रयास, कम उम्र में वाहन चलाने की गंभीरता तथा सड़क सुरक्षा पर इसके प्रभाव को रेखांकित करते हैं।एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सख्ती से लागू करने के साथ-साथ सामुदायिक पहुंच और शिक्षा के माध्यम से हम इस खतरनाक प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना चाहते हैं जो नाबालिगों में बढ़ रही है। हम युवाओं के बीच जिम्मेदारी से गाड़ी चलाने और सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने का भी इरादा रखते हैं।

FLAT FOR SALE
3BHK flat, 1550sqft on 5th floor, SHIKA ENCLAVE, SIDDIAMBAR BAZAR Main Road, Fully furnished. with Electronic 24hrs Water Supply, Generator, CCTV, 24hrs Security, Very good condition is for Sale
Contact: 9908848336, 8309319078, 9000200050

बीआरएस एल्काथुर्थी बैठक के बाद तेलंगाना कांग्रेस में हड़कंप

के. चंद्रशेखर राव का भारी भीड़ के सामने माइक्रोफोन के पीछे एक घंटे तक खड़ा रहना कांग्रेस के भीतर भ्रम, अनिर्णय और भय पैदा करने के लिए पर्याप्त था, जिससे सत्तारूढ़ पार्टी पूरी तरह अराजकता में फंस गई।इसका पहला संकेत तब मिला जब एलकाथुर्थी की बैठक खत्म होने के कुछ ही मिनट बाद चंद्रशेखर राव की बात पर चार या पांच मंत्री प्रतिक्रिया देने लगे। और फिर, सोमवार को मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री के जन रेड्डी के साथ अपने आवास पर बैठक करने के लिए दौड़ पड़े।इस बीच, कैबिनेट मंत्री, विधायक और टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के अलावा अन्य कांग्रेस नेता बीआरएस की बैठक को हल्के में लेने की कोशिश करते रहे।अधिकारियों के अनुसार, मुख्यमंत्री का जना रेड्डी के आवास पर जाना आधिकारिक रूप से ऑपरेशन कगार और इस पर उनकी सरकार के रुख पर चर्चा करने के लिए था। लेकिन जब रेवंत रेड्डी ने खुद कहा कि सरकार पार्टी हाईकमान के निर्णय के बाद ही अपना रुख घोषित करेगी, तो पता चला कि यह बैठक ऑपरेशन कगार से कहीं आगे की थी।लगभग दो घंटे तक चली बैठक के दौरान, सलाहकार के केशव राव और वेम नरेंद्र रेड्डी सहित नेताओं ने एल्काथुर्थी बैठक पर भी चर्चा की।

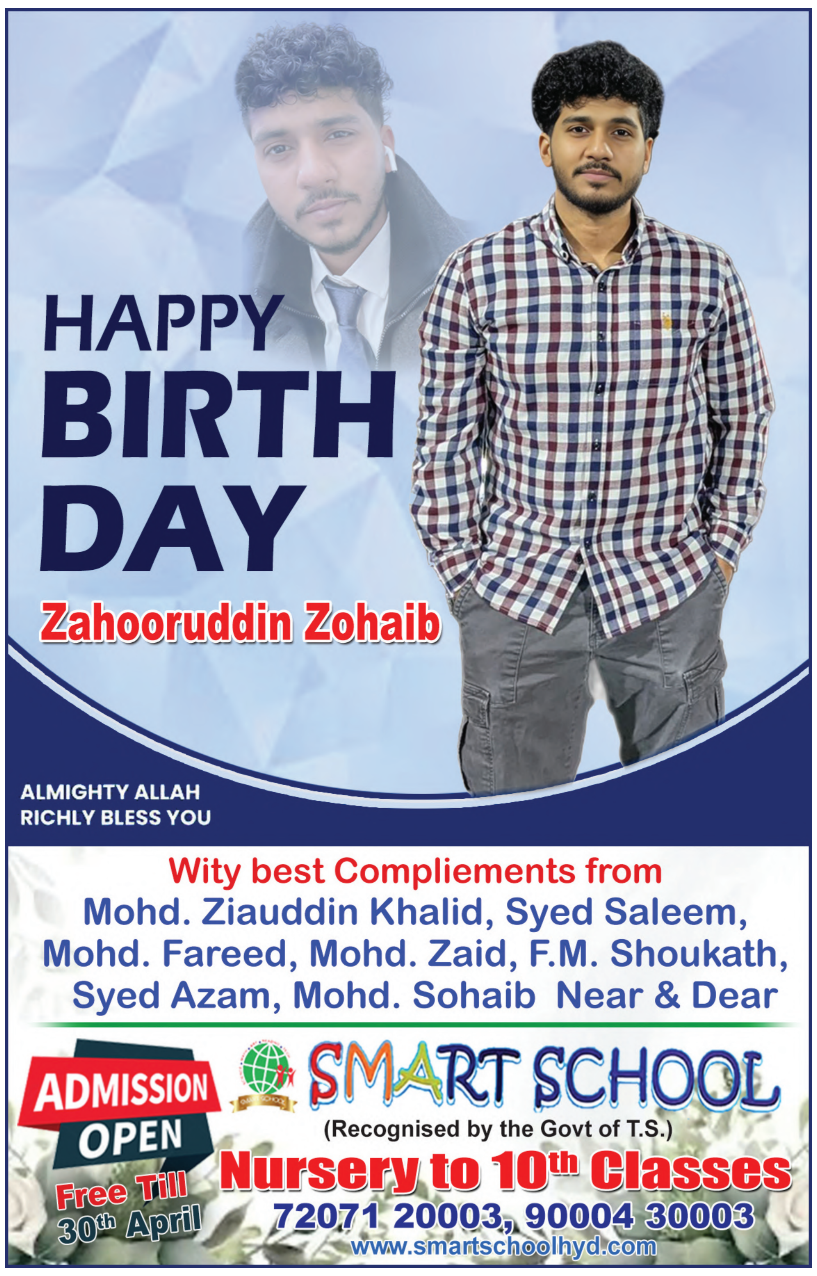

यदाद्री थर्मल पावर प्लांट में आग, कोई हताहत नहीं

हैदराबाद, 28 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रविवार और सोमवार की मध्य रात्रि को यदाद्री भुवनागिरी जिले के वीरलापलेम में स्थित 50 800 मेगावाट यदाद्री थर्मल पावर प्लांट स्टेशन (वाईटीपीएस) की यूनिट 1 में आग लगने की घटना की सूचना मिली।

तेलंगाना पावर जनरेशन कॉरपोरेशन लिमिटेड (टीजीजीईएनसीओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, आग दुर्घटना इंजन तेल रिसाव के कारण हुई। कुछ केबल और वाल्व क्षतिग्रस्त हो गए। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

सूचना मिलने पर तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, टीजीजीईएनसीओ के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) संदीप कुमार सुल्तानिया और बीएचईएल के सीएमडी सदाशिव मूर्ति ने दोपहर 2.30 बजे टीजीजीईएनसीओ मुख्यालय और इंजीनियरों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की।इंजीनियरों को मंगलवार तक मरम्मत कार्य शुरू करने तथा अन्य कार्यों में बाधा उत्पन्न किए बिना 7 से 10 दिनों में मरम्मत कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया।टीजीजीईएनसीओ ने बताया कि यह इकाई अभी भी अपने परीक्षण परिचालन में है और इसका प्रबंधन भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) द्वारा किया जा रहा है। निर्माण कार्य अभी शुरू होना बाकी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.